फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 99 प्रभात जयपुर, गुरुवार 10 नवम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

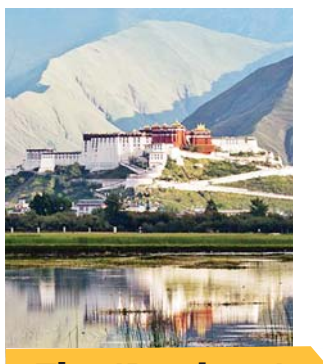

The 'Panipat' Of Ladakh

The KMT Government of China under Chaingkaishek paid a tribute of 4,00,000 pieces of silver to Tibet. Masters do not pay tribute, only vassals do.

TRENDING: Beer O' Clock

Who doesn't love a good beer? It's chilled, it's fizzy, it's light..what's not to love?

मौसम दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है, लम्बे समय तक लू चलना और सूखा पड़ने जैसी घटनाएं बदतर होती जा रही हैं जिससे जानवर अलग-अलग तरह से प्रभावित हो रहे हैं। एक नए शोध में सामने आया है कि, जानवरों के कुछ विशिष्ट लक्षण होते हैं जिनका इस बात पर गहरा असर होता है कि वो जानवर सरवाइव कैसे करते हैं। शोधकर्ता, युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न डैनमार्क के ओवैन जोन्स और उनकी टीम ने अपनी रिसर्च के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया कि, हर वर्ष बदलते मौसम का प्रजातियों की आबादी पर क्या असर पड़ता है। उन्होंने विश्वभर की 157 स्तनपायी प्रजातियों की आबादी में आए उतार-चढ़ाव का अध्ययन किया। उसके बाद इस डेटा की तुलना उस समय के मौसम और जलवायु के डेटा से की जब ये सूचनाएं एकत्रित की गईं थीं। विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने पाया कि, मौसम के बदलाव के प्रति जानवरों की प्रतिक्रिया का सम्बंध उनकी कुछ सामान्य विशेषताओं व लक्षणों से था। लम्बे जीने वाले जीव, जिनकी संतानें कम होती हैं, वे उन छोटे जानवरों की तुलना में मौसम के बदलाव को आसानी से सहन कर लेते हैं, जिनके ज्यादा बच्चे होते हैं। बड़े जानवर जैसे भालू, हाथी, अपनी ऊर्जा एक ही बच्चे पर खर्च करते हैं और दूसरी संतान को जन्म देने के लिए बेहतर हालात की प्रतीक्षा करते हैं। छोटे, कम आयु वाले जानवर, जैसे चूहे आदि, में यह खासियत नहीं होती। अगर सूखा लम्बी अवधि तक चलता है तो इन जानवरों के लिए भोजन का संकट पैदा हो जाता है। इनके पास शरीर में चर्बी का संग्रहण भी नहीं होता, जिसके आधार पर ये मौसम की चुनौतियों का मुकाबला कर सकें। शोधकर्ताओं ने पाया कि कुछ स्तनपायी मौसम की चुनौतियों से बहुत ज्यादा प्रभावित होते हैं, इनमें प्रमुख हैं कैनेडियन लैमिंग (चूहे की एक प्रजाति) आर्कटिक फॉक्स, कॉमन श्रू (चूहे की प्रजाति) व चूहे की कई अन्य प्रजातियां। वहीं, कई जानवरों पर मौसम की चुनौतियों का प्रभाव नहीं पड़ता है, जैसे, अफ्रीकन हाथी, साइबेरियन टाईगर, चिम्पैंज़ी, चित्र में नज़र आ रहा वाइट राइनॉसरस, अमेरिकन बाइसन आदि। ये नतीजे जर्नल ईलाइफ में छपे हैं।

गहलोत इतने गैर-गंभीर क्यों हैं गुजरात चुनाव के बारे में?

गहलोत गुजरात के वरिष्ठ पर्यवेक्षक हैं, पर उनका रवैया आँख मिचौली खेलने जैसा ही है, गुजरात चुनाव के बारे में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरा-

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत गुजरात विधानसभा चुनावों में आँखमिचौली खेल रहे हैं, जहाँ उन्हें वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

गहलोत की तुलना में, हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ पर्यवेक्षक भूपेश बघेल तथा सचिन पायलट जैसे पर्यवेक्षक हिमाचल प्रदेश में डेरा डाले हुये हैं तथा अपनी पूरी ऊर्जा पार्टी कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं को सक्रिय एवं गतिशील बनाने में लगा रहे हैं।

वहीं अशोक गहलोत जब भी गुजरात जाते है तो कुछ घंटे ही अहमदाबाद में रहते हैं। वे न तो वहाँ यथेष्ट समय दे रहे हैं और न पूरी तरह एकाग्रचित एवं केन्द्रित होकर काम कर रहे हैं।

यह बात समझ में आने योग्य है कि गहलोत बहुत तनाव में हैं तथा वे अपने स्वयं के अस्तित्व को बनाये रखने तथा यह सुनिश्चित करने, कि कहीं मुख्यमंत्री की कुर्सी उनकी पकड़ से छिटक न जाये, के लिये लामबंदी करने के काम पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं।

गहलोत के लिये उनके स्वयं के अस्तित्व का प्रश्न इतना महत्वपूर्ण हो गया है कि जब मल्लिकार्जुन खड़गे प्रचार के सिलसिले में हिमाचल प्रदेश

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- **इसकी तुलना में हिमाचल के वरिष्ठ पर्यवेक्षक बघेल व सहयोगी पर्यवेक्षक सचिन पायलट, हिमाचल में डटे हुए हैं, तथा सघन चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं।**
- **स्वाभाविक ही है, गहलोत अपनी कुर्सी बचाने की चिन्ता से ग्रस्त हैं, तथा हिमाचल भी उस समय ही पहुँचे जब खड़गे भी चुनाव प्रचार के लिये हिमाचल आये हुए थे। गहलोत ने, मशोबरा में प्रियंका के घर में ठहरी हुई सोनिया गांधी से भी मुलाकात का प्रयास किया, पर सफलता नहीं मिली।**

श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान का यात्रा कार्यक्रम

दिनांक 11 नवम्बर, 2022 (शुक्रवार)

प्रातः 10.30 बजे	प्रस्थान	जयपुर	*विशेष विमान द्वारा*
प्रातः 11.30 बजे	पहुंच	जोधपुर	
दोप.12.00 बजे		• विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण समारोह, स्थान-राजकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, एयरफोर्स स्टेशन के पास, जोधपुर।	
सायं 04.00 बजे		• डिजिफैस्ट-जॉब फेयर एवं प्रदर्शनी का अवलोकन, स्थान-राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड	
सायं 06.00 बजे	प्रस्थान	जोधपुर	*विशेष विमान द्वारा*
सायं 07.00 बजे	पहुंच	अहमदाबाद	

रात्रि विश्राम - अहमदाबाद

दिनांक 12 नवम्बर, 2022 (शनिवार)

• अहमदाबाद में स्थानीय कार्यक्रम

रात्रि 09.00 बजे	प्रस्थान	अहमदाबाद	*विशेष विमान द्वारा*
रात्रि 10.00 बजे	पहुंच	जोधपुर	

रात्रि विश्राम-जोधपुर

दिनांक 13 नवम्बर 2022 (रविवार)

प्रातः 11.00 बजे		• राजस्थान डिजिफैस्ट, जोधपुर 2022, स्थान- राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड	
सायं 05.00 बजे		• "माणक अलंकरण" सम्मान समारोह स्थान- बैंक्वेट हॉल, होटल चन्द्रा इम्पीरियल, पोलो ग्राउण्ड के सामने, रातानाडा	
सायं 06.30 बजे		• म्यूजिकल फाउन्टेन का लोकार्पण-मण्डोर उद्यान	
सायं 07.30 बजे	प्रस्थान	जोधपुर	*विशेष विमान द्वारा*
रात्रि 08.30 बजे	पहुंच	जयपुर	

'आज़म खान की सीट पर चुनाव कराने में आप इतनी जल्दबाजी क्यों कर रहे हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने इस सीट पर चुनाव कराने के नोटिफिकेशन को 72 घंटे टालने के निर्देश दिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। चारों तरफ से घिर चुके समाजवादी पार्टी नेता आज़म खान को बुधवार उस समय थोड़ी सी राहत मिली, जब सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को ये निर्देश दिये कि वह रामपुर सदर सीट के उपचुनावों की अधिसूचना के मुद्दे को 10 नवम्बर तक के लिये टाल दे। ज्ञातव्य है कि 2019 के एक हेट-स्पीच के मामले में आज़म खान की दोष-सिद्धि के बाद हुई उनकी डिसक्वालिफिकेशन (विधायक बने रहने की अयोग्यता) के कारण यह सीट खाली हो गई थी।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने रामपुर की अदालत को भी निर्देश दिये कि उनके कारावास पर स्टे दिये जाने की उनकी याचिका पर सुनवाई करे तथा गुरूवार को ही उसका निस्तारण कर दे। उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा खान की डिस्क्वालिफिकेशन प्रक्रिया इतनी तेजी से सम्पन्न किये जाने की भी सर्वोच्च न्यायालय ने आलोचना की। जब खान की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील पी. चिदंबरम ने कुछ अन्य केसों का हवाला दिया, तो उनका उल्लेख करते हुये, सर्वोच्च न्यायालय

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- **जैसा कि विदित है, आज़म खान को "हेट स्पीच" देने के आरोप में 2019 में न्यायालय से सज़ा हुई थी। सजा तय होने के बाद दूसरे ही दिन विधानसभा ने उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया, तथा आयोग ने चुनाव कराने की प्रतिक्रिया शुरु कर दी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस जल्दबाजी को रोकने के लिये, चुनाव का नोटिफिकेशन जारी करने के लिये 72 घंटे का स्टे दिया, जिससे आज़म खान को अपने खिलाफ हुए सज़ा के आदेश के खिलाफ अपील करने का मौका मिल सके।**

दक्षिण भारत में राज्यपालों के खिलाफ विद्रोह उफान पर है

केरल में तो, मार्क्सवादी पार्टी, जो सत्ता भी संभाले हुए है, ने तंग आकर राज्यपाल का पद ही खत्म करने के लिये और दलों से बातचीत भी शुरु की है

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। मोदी सरकार द्वारा किये जा रहे राज्यपालों के प्रचंड दुरुपयोग को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों- केरल, तमिलनाडु तथा तेलंगाना में एक बड़े संघर्ष की स्थिति बनती जा रही है। इन राज्यों के सत्तारूढ़ इस बात से सख्त नाराज़ हैं क्योंकि राज्यपालों के दुरुपयोग से संघवाद के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन हो रहा है।

इन तीनों राज्य सरकारों के आरोप हैं कि उनके राज्यों के राज्यपाल "केन्द्र की कठपुतलियों" की तरह काम कर रहे हैं। इन राज्य सरकारों के महत्वपूर्ण विधेयकों और कानूनों को लेकर संबंधित राज्यपालों से अनेक बार टकराव हो चुके हैं। केन्द्र द्वारा नियुक्त इन राज्यपालों के खिलाफ इन सरकारों की नाराजगी राज्यों की सरहदों को लाँघ गई है तथा सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दल, पार्टी-लाइनों से परे जाकर, एकजुट होते तथा सत्तारूढ़ भाजपा से टकराने की स्थिति में आते हुये दिखाई दे रहे हैं।

केरल, तेलंगाना एवं तमिलनाडु में, सत्तारूढ़ दलों ने राज्यपालों के खिलाफ कई प्रकार के विरोध-प्रदर्शनों तथा पदयात्राओं की योजनाएं बना ली हैं।

तमिलनाडु में सत्तासीन डी.एम.के. (द्रमुक) ने कल तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन पर हमला बोलते हुये कहा कि वे पड़ोसी राज्य की राजनीति में "अवांछित दखलंदाजी" कर रही हैं। राज्यपाल सौंदरराजन राज्यपाल बनने से पहले तमिलनाडु की वरिष्ठ भाजपा नेता थी। वे

(शेष पृष्ठ 7 पर)

- **तमिलनाडू की डी.एम.के. सरकार ने राज्यपाल पर आरोप लगाया कि, वे विधानसभा द्वारा पारित बीस विधेयकों पर कुण्डली मार कर बैठे हैं तथा विधेयकों को कानून बनने से रोक रहे है।**
- **तमिलनाडू सरकार का तेलंगाना की राज्यपाल, तमिलिसाई सौंदरराजन, पर आरोप है कि, वे हैदराबाद में बैठकर भी डी.एम.के. सरकार के खिलाफ बयानबाजी व राजनीति करती हैं।**
- **तेलंगाना में भी राज्य सरकार व राज्यपाल सौंदरराजन के वाक् युद्ध लगातार चल रहा है। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि, तेलंगाना सरकार उन्हे विधानसभा के संयुक्त सत्र के संबोधन आदि के परम्परागत अधिकारों से वंचित कर रही है। सरकार का पलटवार है राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को आगे नहीं बढ़ने देतीं, तथा रोजमर्रा के काम काज में हस्तक्षेप करती हैं।**

खनन क्षेत्रों में ड्रोन सर्वे होगा

भरतपुर, 9 नवम्बर (निस)। खनिज अभियंता आर.एन. मंगल ने बताया कि खान एवं पेट्रोलियम विभाग की ओर से दिये गये निर्देशों के तहत भरतपुर जिले में अवैध खनन की प्रभावी रोकथाम के लिए ड्रोन सर्वे कराया जायेगा।

- **भरतपुर जिले में अवैध खनन की प्रभावी रोकथाम के लिए ड्रोन सर्वे करवाने का फैसला किया गया है।**

उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से एक नवम्बर को जयपुर में मानसरोवर की एक फर्म मै. बंसल जियो एण्ड एनवायरो सर्विसेज को ड्रोन सर्वे के लिये अधिकृत किया गया है। फर्म के अमित कुमार बंसल

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सौम्या केस में सुनवाई टली

जयपुर, 9 नवंबर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्रेटर निगम मेयर पद से बर्खास्त मेयर सौम्या गुर्जर की याचिका पर सुनवाई गुरुवार के लिए टाल दी है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की बैंच में बुधवार को सुनवाई के दौरान समय पूरा होने पर अदालत ने सुनवाई टाल दी। सौम्या गुर्जर ने अपनी बर्खास्तगी और उपचुनाव को चुनौती दी है।

- **सौम्या गुर्जर की याचिका पर सुनवाई अब गुरुवार को होगी। गौरतलब है कि सौम्या ने अपनी बर्खास्तगी व उपचुनाव को चुनौती देने के लिए याचिका दायर की है।**

सुनवाई के दौरान सौम्या के अधिवक्ता ने गुरुवार को मेयर पद के लिए होने जा रहे मतदान का हवाला देते हुए चुनाव पर रोक लगाने की गुहार की।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विद्याधर नगर में अतिक्रमण की बाढ़ और जे.डी.ए. की सुस्ती से तंग आकर हाई कोर्ट ने सख्त निर्देश दिए

-यादवेंन्द्र शर्मा-

जयपुर, 9 नवम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट में सीकर रोड के समीप विद्याधर नगर में दृव्यवती नदी के किनारे बने अतिक्रमणों, जो मंदिर मोड़ सर्किल तक फैले हुए हैं, को हटाये जाने के संबंध में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता विष्णु कुमार टेलर की ओर से कहा गया कि विद्याधर नगर में बसी कच्ची बस्ती में ड्रग्स का धंधा किया जाता है और यहां अवैध शराब के ठेके मैरिज हॉल और गार्डन भी चालू हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने जेडीए को लताड़ा और आदेश दिये कि जेडीए सचिव जयपुर में अतिक्रमण हटाने के संबंध में कार्रवाई करें और इस कार्रवाई से संबंधित जानकारी शपथ पत्र सहित अदालत में हर माह पेश करें। अदालत ने जेडीए को यह भी आदेश दिये कि वह लोगों के लिये हैल्प लाइन नम्बर जारी करे, जिस पर फोन कर लोग अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कर सकें। अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि जेडीए एक पोर्टल भी शुरु करे, जहां पर ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हों और जेडीए सचिव इन शिकायतों पर जांच कर अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द करें और उसके बाद कार्यवाही रिपोर्ट भी अदालत में पेश करें।

- **निर्देश के अनुसार जे.डी.ए. एक ऑनलाइन पोर्टल शुरु करेगा, जिसमें कोई भी नागरिक अतिक्रमण की शिकायत कर सकेगा।**
- **जे.डी.ए. को हैल्पलाइन नम्बर शुरु करने के आदेश भी दिए गए, जिस पर भी अतिक्रमण की शिकायत दर्ज की जा सकेगी।**
- **जे.डी.ए. के सचिव हर महीने इन शिकायतों पर की गई कार्यवाही की रिपोर्ट शपथ पत्र के साथ अदालत में पेश करेंगे। अदालत ने यह टिप्पणी भी की कि, अगर रिपोर्ट पेश नहीं हुई तो वह जे.डी.ए. अफसरों को "बुलायेंगे नहीं भेजेंगे।"**

याचिकाकर्ता विष्णु कुमार टेलर की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी के सहायक वकील योगेश टेलर अदालत में पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान जेडीए की ओर से पैरवी कर रहे अमित कुड़ी ने याचिकाकर्ता पर आरोप लगाये कि उन्होंने अपनी याचिका में यह तथ्य छिपाया है कि उनके पिता और 20 अन्य याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष याचिका दायर की है कि विद्याधर नगर में मंदिर मोड़ सर्किल के पास जेम्स कॉलोनी को नियमितकरण किया जाये।

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता के पिता और अन्य 20 याचिकाकर्ता सरकारी जमीन पर अतिक्रमणकारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान पी.आई.एल. के माध्यम से याचिकाकर्ता अपने भूखंड को बचाकर जेडीए से नियमितिकरण कराना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि अदालत ने इस जनहित याचिका के साथ जेम्स कॉलोनी के सभी याचिकाकर्ताओं की सभी याचिकाओं को अदालत में पेश कराने के आदेश दिये थे।

अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि नियमितिकरण करने के लिये याचिकाकर्ता के पिता ने याचिका दायर की है और उन्होंने स्वयं नहीं की है। उन्होंने कहा कि उनके पिता और अन्य 20 याचिकाकर्ता अतिक्रमणकारी नहीं हैं और ये सुप्रीम कोर्ट तक इस मामले को जीत चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि जेडीए ट्रिब्युनल ने 2012-13 में याचिकाकर्ता के पिता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा था कि जेम्स कॉलोनी में उनके भूखंड को नियमित कर दिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह सब तथ्य जानने के बावजूद जेडीए उनके पिता और जेम्स कॉलोनी के अन्य याचिकाकर्ताओं को अतिक्रमणकारियों की श्रेणी में ही देखती है।

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी याचिका में से यह भाग कि "जेम्स कॉलोनी का नियमितिकरण कराया जाये" को हटाने को तैयार हैं, परंतु अदालत इस पूरे क्षेत्र में से अतिक्रमण हटाने और अवैध धंधों को बंद कराने पर दायर याचिका पर सुनवाई करे।

विमल चौधरी ने कहा कि जयपुर में 1982 से, जब जेडीए की स्थापना हुई थी, तब से ही लगभग 80 प्रतिशत

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

प्रकृति, पर्यावरण और आयुर्वेद का अद्भुत संगम

सचमुच प्रकृति, पर्यावरण और आयुर्वेद का अद्भुत संगम है। मानव जीवन के लिए तीनों कारकों के एकाकार होने की आज के समय महती जरूरत है। इससे प्रकृति को जहाँ साफ सुथरा रखा जा सकता है वहां पर्यावरण भी हमारे अनुकूल होगा जिससे आयुर्वेद को भी संरक्षित रखा जा सकेगा। जो मनुष्य प्रकृति के जितना अधिक अनुकूल है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वह व्यक्ति उतना ही अधिक निरापद एवं व्याधियों के आक्रमण से दूर होगा। मनुष्य का आहार-विहार हो या रहन-सहन, वह सर्वथा प्रकृति सापेक्ष होता है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए काफी धन व्यय किया जा रहा है। फिर भी आशानुकूल सफलता नहीं मिल रही है। वनौषधि गारंटी है। समुचित संरक्षण के अभाव में विभिन्न वनौषधियों का धीरे-धीरे लोप होता जा रहा है और हम जाने-अनजाने में अपनी बहुमूल्य संपदा को खोते जा रहे हैं। इससे सर्वाधिक हानि आयुर्वेद की हुई है।

मनुष्य का प्रकृति से अटूट सम्बंध है। प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प प्रत्येक मानव का है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यत: पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

भारतीय संस्कृति प्रकृति और पर्यावरण का बहुत आदर करती है और आयुर्वेद की तरफ रुझान इसका सबूत है। आयुर्वेद को समग्र मानव विज्ञान कहा जा सकता है। 'पेडों से लेकर प्लेट तक, शारीरिक बल से मानसिक स्थिति तक' आयुर्वेद का गहरा प्रभाव होता है।

आयुर्वेद प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य की पुरातन भारतीय पद्धति है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना होगा। औषधीय पेड़-पौधे लगाने होंगे। जिससे पर्यावरण दूषित होने से तो बचेगा ही, साथ ही आयुर्वेद का प्रसार भी होगा।

हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं।

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेडछाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हम प्रकृति की चिंता नहीं करते और यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिंता छोड़ दी है। हमनें बिना सोचे-समझे संसाधनों का दोहन किया है। यही वजह है कि अब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। बरसों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति से साथ इंसान का लगातार खिलवाड़ एक भयानक विनाश को आमंत्रण दे रहा है, जहां किसी को बचने की जगह नहीं मिलेगी।

प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय-समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं। ऐसे में यह समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने आसपास के प्रकृतिक संसाधनों की रक्षा करे।

भारतीय संस्कृति प्रकृति और पर्यावरण को जो सम्मान देती है उससे आयुर्वेद का गहरा नाता है। इसे पौधों से लेकर आपकी प्लेटों तक एक समग्र मानव विज्ञान के रूप में वर्णित किया जा सकता है। मौजूदा वक्त में विभिन्न देशों के छात्र आयुर्वेद और पारंपरिक दवाओं का अध्ययन करने के लिए भारत आ रहे हैं। यह दुनिया भर में लोक कल्याण के बारे में सोचने का सबसे माकूल वक्त है। आयुर्वेद पूरे शरीर को सुरक्षित रखता है। आयुर्वेद भारत की संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा हुआ है। आयुर्वेद और योग भारत द्वारा पूरे मानव समाज और पृथ्वी को दिया अनमोल उपहार है। यह स्वस्थ्य रहने के उन स्थाई उपायों में है जो हमारी पृथ्वी की देखभाल करते हैं। हमें स्वस्थ रहने के लिए, न केवल अपने शरीर बल्कि अपने पर्यावरण का भी ध्यान रखना चाहिए। हमारी प्रकृति और पर्यावरण ने आयुर्वेद को संरक्षित कर मानव जीवन को बचने का कार्य किया है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

प्रकृति में अंक सात का जीवन में क्या रहस्य है?

जल, थल और आकाश में जब हम देखते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रमुख प्रकृतिदत्त अवस्थाएं, संरचनाये अथवा क्रियाएं सात के अंक पर ही ठहरती हैं। क्या ये सब अनायास ही हैं अथवा इनमे कहीं मानव या प्राणी जगत को प्रवाभित करने के रहस्य भी समाहित हैं? मैं कोई ज्योतिषी नहीं और न ही भूगोलिक तत्ववेता, केवल प्रकृति के निरन्तन निहारने और तत्पश्चात चिंतन से जो विचार मस्तिष्क में उपजे, उन्हें सजोकर एकत्रित कर यह प्रसंग उठा कि क्यों न इन सभी संकलित सूत्रों को क्रमबद्ध कर लेख लिखने का प्रयास कर प्रकाशित करवाया जाय? यह लेख इसी विचार एवं अवधारणा की उत्पत्ति है। पाठकों को यदि इसमें कुछ नया लगे और उनके ज्ञान वर्धन में कुछ बढ़ोतरी हो सके तो मेरा प्रयास फलीभूत होगा अब विषय को आगे पढ़िए जिसको जानने के लिए आप उत्सुक होंगे।

1.सप्त ग्रह मंडल –आकाश में तारामंडलों में उत्तर दिशा में अवस्तिथ सप्त ग्रह मंडल जिसमे सात तारे हैं यह एक ऐसा तारों का समूह है जो सदैव साथ ही रहते हैं। ध्रुव तारा हम सभी जानते हैं कि यह सदैव उत्तर दिशा में ही विध्यमान रहता है। कहते हैं समुद्र में नाविक रात के समय ध्रुव तारे से ही दिशा बोध करते थे। सप्त ऋषि मंडल के सातों तारों का नाम ऋषिओं के नाम पर रखा गया है। एक क्रम के अनुसार भृगु, वशिष्ठ, अंगिरा, अत्रि, पुलस्त्य क्रतु और पुकाश; वही एक अन्य स्त्रोत के अनुसार महृषि अत्री, भारद्वाज, गौतम, जमदाग्नि, कश्यप, विश्वामित्र और वशिष्ठ। इस सप्त मंडल की विशेषता है कि ये कभी बिखरते नहीं, हमेशा एक ही डिज़ाइन में ध्रुव तारे के चारों ओर घूमते प्रतीत होते हैं।

2. सात महाद्वीप- पृथ्वी का थलीय क्षेत्र सात महाद्वीपों में बंटा है जैसे– उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, नूज़ीलैण्ड, अंटार्टिका। ये सातों महाद्वीप एक-दूसरे से अलग होते हुए, जलवायु, मृदा वनस्पति, जीव-जंतु आदि अनेक विशेषताओं में भिन्न हैं।

3. सात समुद्र- अंग्रेजी में सी, ओसियन नाम प्रयुक्त होते हैं। समुद्र से मेरा आशय महासागर से है। उदाहरण ; एटलांटिक उत्तरी प्रशांत, दक्षिणी प्रशांत, आर्कटिक, अरब सागर, हिन्द महासागर, दक्षिणी महासागर, छोटे-मोटे सागर पृथ्वी पर और भी हैं जैसे– भूमध्य सागर, लाल सागर, कप्सेसीन, काला सागर आदि,

4. सात ग्रह- उदाहरण ; बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि और केतु। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन सभी ग्रहों का प्रभाव प्राणी जगत पर पडता है।

ज्योतिष एक बड़ा एवं समृद्ध विषय है। मैं तो इतना जानता हूँ कि ज्योतिष प्राचीन काल से ही सभी तरह के विषयों व् जिज्ञासाओं की सफल पूर्ती में सक्षम है। हमारे अनेक सनातनी अपने बच्चो की कुंडली (जनम पत्री) अपने पुरोहित से बनवा लेते हैं। कई

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह

पुरोहित या ज्योतिषाचार्य शहरों में ज्योतिष के कार्यालय खोल लेते हैं और सेवा के साथ अपनी आजीविका भी इसी कार्य से वहन करते हैं। सूर्य और चंद्र ग्रहण के घटित होने की गणना प्राचीन काल से हमारे तत्ववेता ऋषि करते रहे हैं जिसकी सटीकता अब पढ़े-लिखे अंतरिक्ष वैज्ञानिक भी सराह रहे हैं। ग्रहण का समय, कहाँ दिखेगा और कहाँ नहीं, कितना होगा खंडग्रास या खांग्रास यह सब ज्योतिष ज्ञान से पूर्णत: संभव होता रहा है।

5.सात आध्यात्मिक चक्र– मानव शरीर में सात आध्यात्मिक चक्र– ध्यान और आध्यात्मिक उन्नित के लिए कई लोग ध्यान योग का अभ्यास करते हैं। योग विशेषज्ञों की देख रेख में यह क्रिया करना वांछित है। तत्पश्चात साधक दूसरे चक्र जिसे स्वाधिष्ठान कहते हैं वहां ध्यान केंद्रित करता है। यह केंद्र जननेद्री के ठीक ऊपर (पेडू) के मध्य स्तिथ है, इसके बाद नाभि के ठीक नीचे मणिपूरक चक्र होता है।

6. संगीत में भी सात स्वर– स, रे, ग, म, प, द, और नी.. इन्ही सात स्वरों से पूरा संगीत सवरत है, चाहे पाश्चात्य हो अथवा भारतीय संगीतज्ञ इनको किसी को भी भलीभांति समझा सकते हैं।

7. इंद्र धनुष के सात रंग- में सात रंगों के अर्ध गोल। वर्षा ऋतु में आकाश में सूर्य की विपरीत दिशा में जल की सूक्ष्म बूंदों से सूर्य किरणे परावर्तित हो सात रंगों के अर्ध गोल एक के ऊपर एक ऐसे बनते हैं कि उनका रंग अलग-अलग व् अर्ध चंद्राकार वृत में दीखता है। रंगीन व्रताओं का कभी क्रम बदलता नहीं देखा। पैराबोला में सबसे ऊपरी व्रत लाल रंग का, उसके नीचे सटा हुआ नारंगी, फिर पीला, फिर हरा, उनके बाद नीला, इंडिगो और आखिर में बैंगनी। जीवन में रंगों का सटीक महत्व है।

8. सप्ताह में सात दिन- रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार। सभी दिनों के नाम ग्रहों के नाम पर यथा सूर्य, चन्द्रमा, मंगल, बुध,....शनि रखे गए हैं।

9.सात फेरे – विवाह बंधन के समय सात फेरे; सनातनी परंपरा में वर-वधु को पुरोहित मन्त्रों के साथ अग्नि के सात चक्कर लगवाता है, जो समर्पण और सात जन्मों की सपथ के साथ संपन्न होती है।

10. मुसलमानों में 786 एक पवित्र अंक अथवा सूचक माना जाता है जैसे– हिन्दुओं में ॐ ।

11. सातवें दिन पूजा - शारदीय नव रात्रि में माँ काली की पूजा-अर्चना ध्यान आदि सातवें दिन किया जाता है।

12. रामायण के साथ काण्ड- अथवा रामचरित मानस में भी सात काण्ड : राम कथा बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किंधा काण्ड होती हुई सुंदर काण्ड, लंका काण्ड और आखिर में उत्तरकाण्ड, जिसमे भगवान् श्री राम सभी शंकाओं और प्रश्नों का समुचित उत्तर देकर समाधान करते हैं, का विस्तृत वर्णन किया गया है और इस प्रकार राम कथा को सात कांडो में समाजित कर समाप्त किया गया है।

मेरा इस लेख को लिखते समय आशय था कि सम्बंधित विषय विशेषज्ञ उपरोक्त सभी पहलुओं पर विस्तृत अनुसन्धान करें और इनके पीछे छिपे या जुडे रहस्यों से पर्दा उठाकर जानकारी से विषय सामग्री को सुदृढ करें।

उपरोक्त अंक 7 के सम्बंधित प्रकरण जो मुझे याद थे यहां लेख में परोस दिए गए हैं, पाठक पढ़े, ज्ञानवर्धन करे और अपने चिंतन से मुझे भी लाभान्वित करने का कष्ट करें।

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ
एम.पी.यू.ए.टी .उदयपुर

शहरी रोजगार गारंटी: रेहाना रियाज के गृह नगर चूरू में महिलाओं को नहीं मिली मजदूरी!

- **कांग्रेस की मनोनीत पार्षद बाली बाई के आरोपों से आयुक्त मघराज डूडी ने कन्नी काटी**
- **'370 जॉब कार्ड बने हैं, जबकि काम 40 से 50 ही करते हैं'**
- **सड़कों पर झाड़ू निकाली है, उसके बाद भी आज तक कुछ भी नहीं मिला : तायरा बानो**

चूरू, (कासं)। राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज के गृह नगर चूरू में शहरी रोजगार गारंटी के तहत महिलाओं को आज तक मजदूरी नहीं मिली है यहां महिला मजदूर प्रताड़ित हो रही हैं। उनकी कोई सुनवाई भी नहीं हो रही है। नगर परिषद चूरू में कांग्रेस की मनोनीत पार्षद बाली बाई ने आज शहरी रोजगार गारंटी योजना में भारी अनियमितता होने के आरोप लगाए हैं। बाली बाई ने कहा कि दर्जनों महिला मजदूरों को आज तक एक रुपए का भी भुगतान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि महिला मजदूरों को पहले इंद्रमणि पार्क में बुलाया जाता है, वहां से कभी जयपुर रोड पर पुलिया के पास तो कभी पंखा सर्किल, कभी और दूरदराज के क्षेत्र में पैदल ही भेजा जाता है।

बाली बाई ने कहा कि 370 जॉब कार्ड बने हैं, जबकि काम 40 से 50 ही करते हैं। काम नहीं करने वालों को घर बैठे पैसे मिल रहे हैं। यहां कलैक्ट्रेट में सफाई कार्य कर रही तायरा बानो ने कहा कि सड़कों पर झाड़ू निकाली है, उसके बाद भी आज तक कुछ भी नहीं मिला है। सुशील शर्मा ने कहा कि वह रोज 50 रुपए किराया लगाकर आता है। यहां रुपए अभी तक नहीं मिले हैं। इसी प्रकार अन्य दर्जनों महिलाओं ने यहां कलेक्ट्रेट में सफाई करते हुए मजदूरी के रुपए दिलवाने की गुहार लगाई।

उल्लेखनीय है कि चूरू में प्रभारी मंत्री बृजेंद्र ओला, पूर्व विधायक हाजी मकबूल मंडेलिया, सभापति पायल सैनी, कलैक्टर सिद्धार्थ सिहाग आदि ने जॉब कार्ड वितरित करके योजना का शुभारंभ किया था जिसकी अब पोल खुलकर सामने आ गई है। योजना का शुभारंभ करने वालों ने एकदम से चुप्पी साध रखी है। इन सबने योजना का शुभारंभ करके पीछे मुड़कर ही नहीं देखा कि मजदूरों को रुपए मिले हैं या नहीं मिले। उनको किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां राज्य सरकार की ओर से मनोनीत पार्षद द्वारा राज्य सरकार की योजना को कटघरे में खड़े किया जा रहा है।

उधर नगर परिषद आयुक्त मघराज डूडी ने भुगतान नहीं होने की बात को नकारते हुए कहा कि तीन पखवाड़े का रुपया जिसने काम किया, उसके खाते में जमा हो गया है। डूडी ने कहा कि एक दो का बैंक खाता सही नहीं होने से भुगतान नहीं हुआ होगा।

सरकार का अन्न दाता को ऊर्जा उत्पादन कर्ता बनाने का सपना कैसे साकार होगा?

पी एम कुसुम कंपोनेंट सी योजना को पिछले 3 वर्षों से तीनों डिस्कॉम धरातल पर वास्तविकता में अमली जामा नहीं पहना सके हैं। डिस्कॉम की इस असफलता को छुपाने के लिए सरकार ने सौर कृषि आजीविका योजना प्रदेश को समर्पित की है। इस नई योजना के कारण किसानों को पी एम कुसुम कंपोनेंट सी योजना से मिलने वाले अनेक लाभों से वंचित किया जा रहा है। इसमें किसानों को मिलने वाली अतिरिक्त आय, विद्युत छीजत में कमी, वितरण हानि में कमी आदि सम्मिलित है।

क्या कारण रहे ही सरकार द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन से संबंधित तीन वर्ष पूर्व बड़े प्रचार-प्रसार के साथ किसानों के हितों को ध्यान में रखकर देश को समर्पित की गई योजना अब ठण्डे बस्ते में डालकर पार्ट सी की संशोधित योजना राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में समर्पित की गई है। जिससे प्रदेश का किसान भ्रमित है तथा वह समझ नहीं पा रहे है कि क्या यह योजना उनके लिए निम्न बिन्दुओं के मध्यनजर हितकर है :-

1. कुसुम योजना कंपोनेंट सी में विद्युतीकृत कुओं पर स्वीकृत भार से दो गुना अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगाकर विकेंद्रीकृत पावर उत्पादन करने से किसान को मुफ्त की बिजली मिल जाती। इस अतिरिक्त पावर को डिस्कॉम को सप्लाई करके किसान अपनी आय में वृद्धि कर पाता और इस प्लांट की स्थापना के लिए बैंकों से जो लोन लेता उसको समय पर चुका भी देता। इस प्रकार स्वत: ही विद्युत छीजत पर अंकुश लग जाता एवं चोरी की संभावनाएं भी समाप्त हो जाती। इस प्रकार किसानों को होने वाली इस अतिरिक्त आय को रोकने का एक कुत्सित प्रयास यह सौर कृषि आजीविका योजना है।

2. राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा से 4000 मेगा वाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक हासिल करने का निर्धारित किया गया है। इस नई योजना से 4000 मेगा वाट में से कितनी सौर ऊर्जा का उत्पादन इस नई में योजना होगा, यह स्पष्ट नहीं किया गया है।

3. किसान को उसकी भूमि लीज पर देने पर लीज राशि 80,000/- रुपये प्रतिवर्ष से प्रति हेक्टेयर डिस्कॉम किसान को 26 वर्ष तक देगा। लेकिन 26 वर्ष बाद 80,000/- रुपये की वैल्यू नगण्य होगी। इसे मध्यनजर रखते हुए किसान अपनी जमीन सोलर पावर उत्पादन करने के लिए विकास कर्ता को देगा, इसकी सम्भावना कम है।

4. जहाँ पर 33 केवी सब स्टेशन है, वहां पर एग्रीकल्चर लोड विकसित है, इसका मतलब वह जमीन कृषि योग्य है, लेकिन कुछ जमीन पर पानी के अभाव में सिर्फ बरसात की फसल होती है उसे राजस्थान में बंजर भूमि की श्रेणी में डाला गया है। राजस्थान में बंजर भूमि अधिक होने की परिस्थिति में कोई भी किसान 80,000/- रुपये प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष के हिसाब से अपनी जमीन के पेड कटवा कर सोलर प्लांट लगाने के लिए देगा, ऐसी सम्भावना कम है। इस प्रकार इन जमीनी हकीकतों में यह योजना धरातल पर आ पाएगी, इसकी संभावना नगण्य है।

5. कुसुम योजना 3 वर्ष पूर्व राष्ट्र को समर्पित की गई थी, उसका मुख्य लक्ष्य किसानों को मुफ्त स्वच्छ बिजली देना, विद्युत क्षति पर अंकुश लगाना, दिन में ग्रामीण कुटीर उद्योग, फूड इण्डस्ट्री को विद्युत उपलब्ध कराकर विकसित करना एवं पलायन रोकना, किसानों की आय में वृद्धि करना आदि था। लेकिन पिछले 3 वर्षों में जिस प्रकार से सरकार द्वारा इस योजना को लेकर प्रगति की जा रही है, उससे तो कोई आशा नहीं दिख रही है कि योजना को सफल बनाने के लिए कोई सार्थक प्रयास किया जायेगा।

6. कुसुम योजना ए और सी को धरातल पर लाने के लिए विद्युत विभाग व आर.आर.ई.सी. में हजारों इंजीनियर कार्यरत है। जबकि कुसुम योजना बी को धरातल पर लाने के लिए एक भी विद्युत इंजीनियर काम नहीं कर रहा है। उसके बावजूद भी यह योजना अपने लक्ष्य की तरफ निरंतर बढ़ती जा रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वितरण निगमों एवं सरकार में बैठे हुए अधिकारियों का इस योजना के सफल क्रियान्वयन के प्रति उत्तरदायित्व नहीं है।

हम यह स्पष्ट करना चाहते है कि उद्योगपतियों से डिस्कॉम 2 रुपये 11 पैसे में विद्युत खरीदती है एवं 1.25 रुपए से 1.50 रुपए प्रति यूनिट दर से रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट के प्रावधान (4 प्रतिशत से समय-समय पर बढ़कर 8 प्रतिशत हो गया है) डिस्कॉम से 3.43 रुपए से 4.08 रुपए ओपन एक्सेस से बिजली खरीदता है। प्रसारण छिजत भी करीब 8 प्रतिशत वहन करना पड़ता है।

जबकि कुसुम 'ए' योजना में वर्तमान दर 3.14 रुपये निर्धारित है। समय पर भुगतान करने पर 7 पैसे प्रति यूनिट एस.पी.जी. से 40 पैसे प्रति यूनिट दर से भारत सरकार द्वारा रिवेट दे दिया जाता है। 1.72 रुपया से 1.97 रुपया तक आर.ई.सी. से प्राप्त हो जाता है। डिसेंट्रलाइज्ड पावर जेनरेशन से छिजत नगन्य है। इस प्रकार डिस्कॉम को कुसुम योजना कंपोनेंट्स से 1.17 रुपये से 1.42 रुपये में ही कम खर्च में विद्युत उपलब्ध हो जाती है। कुसुम 'सी' योजना में और ही कम लागत में विद्युत डिस्कॉम को उपलब्ध हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों में हम यह कैसे कह सकते है कि यह 'ए' और 'सी' कुसुम योजना (किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाअभियान) किसानों एवं सभी के लिए आर्थिक रूप से सम्बल प्रदान करने वाली साबित होगी।

राशिफल गुरूवार 10 नवम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, रोहिणी नक्षत्र शुक्रवार प्रात: 5:08 तक, परिद्य योग रात्रि 9:12 तक, गर करण सांय 6:33 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-मीन, शुक्र-तुला, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रोहिणी व्रत, ग्रहण वैध।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:07 तक, चर 10:50 से 12:11 तक, लाभ-अमृत 12:11 से 2:53 तक, शुभ 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:46, सूर्यास्त 5:35

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष
मन:स्थिति ठीक रहेगी। वर्तमान में चल रहे मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धन प्राप्त होगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है और घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
अष्टम भाव में चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले सुसंदेश प्राप्त होंगे।

विदेशी मेहमान पक्षी तिलोर का आगमन

पोकरण, (निसं)। परमाणु नगरी पोकरण सहित जैसलमेर जिले में इन दिनों विदेशी पक्षियों मेहमानों का आवागमन सर्दी की गुलाबी दस्तक के साथ शुरू हो गया है। अरब, चीन ,मंगोलिया देशो से पाए जाने वाले तिलोर बस्टर जाति के पक्षियों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। गोड़ावण पक्षी की तरह दिखने वाला तिलोर बहुत ही आकर्षक मनमोहक पक्षी है सीमावर्ती क्षेत्र रामगढ एवं खेतोलाई, घोलिया क्षेत्रों में विदेशी पक्षी मेहमानों का आवागमन शुरू हो गया है।

पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि विदेशी पक्षी मेहमानों का सर्दी के मौसम में यहां पर डेरा डला रहता है। तिलोर प्रजाति के पक्षी सांप, बिच्छू, टीड, मकोडे खाकर पर्यावरण का संतुलन रखते हैं। विश्नाई ने जानकारी देते हुए बताया कि तेज गति से उड़ान करने वाला यह पक्षी पलक झपकते ही नजरों से गायब हो जाता है। वहीं कुदरत की बनावट ही बालू मिट्टी की जैसी होने के कारण आमतौर पर नजर नहीं आता है। पर्यावरण प्रेमी राधेश्याम पेमानी लगातार पशु पक्षी एवं पर्यावरण एवं संरक्षण को बचाने की मुहिम को लेकर जंगलों में अधिकांश समय बिताते हैं।

रामगढ़, खेतोलाई क्षेत्र में विदेशी पक्षियों का आगमन शुरू हो गया।

आप भी आइए,
म्युचुअल फ़ंड्स के मैदान में!

करोड़ों लोग आ चुके हैं, म्युचुअल फ़ंड्स के मैदान में.
अब आप भी उतरिए!

MUTUAL FUNDS सही है

म्युचुअल फ़ंड्स की अधिक जानकारी के लिए अपने **म्युचुअल फ़ंड डिस्ट्रिब्यूटर** या **इंवेस्टमेंट एडवाइज़र** से संपर्क कीजिए, आज ही!

mutualfundssahihai.com पर विज़िट करें

फ़ॉलो करें:

म्युचुअल फ़ंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

भाई-बहन को बंधक बना जूतों की माला पहनाई, भाई की नाक काटी

तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर नौ जनों के विरूद्ध मामला दर्ज किया

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के भोपलावजी के जंगलों में भाई-बहिन को बंधक बना मारपीट करते हुए जूतों की माला पहना चाकू से नाक काटने तथा गर्म लोहे से माथे पर दागने के सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद लाम्बाहरिसिंह थाने पहुंचे पीड़ित भाई-बहिन की दी रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर तीन जनों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित युवक कालू व बहिन मीरा निवासी मूण्डयाकलां हाल निवासी तसवारियां द्वारा दी रिपोर्ट में बताया कि बीते दिनों समाज की पंचायत के बीच झिरोता निवासी नवरतन ने उसकी बेटी सावित्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाने पर समाज की पंचायत द्वारा उसके परिवार पर आर्थिक दण्ड किया गया था तथा तय समय में दण्ड राशि देने की बात कही गई थी।

सात नवम्बर को रिण्डलिया निवासी नोरती ने दूरभाष पर भोपलावजी के यहां समाज की पंचायत में बुलाया। जब दोनों भाई-बहिन भोपलावजी पहुंचे तो समाज के पंचों ने पिता भोजाराम व परिवारजनों को साथ लाने की बात कहते हुए पांच दिन बाद पुन: पंचायत बुलाने की बात कही। तो पंचों के जाने के बाद वहां मौजूद झिरोता निवासी नवरतन पत्नी गीता, बेटा शंकर, बेटी सावित्री सहित भोपलावजी निवासी पारस व संतरा से वीडियो बना सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आठ नवम्बर को उक्त लोग दोनों भाई-बहिन को डरा धमकाकर मालपुरा कोर्ट पहुंचे जहां स्टाम्प पर जबरन लिखाई पढ़ाई भी की गई। लोकलाज से बचने के लिए दोनों भाई-बहिन अपने रिश्तेदारों के यहां मैवदा चले गये।

समाज के बदमाशों द्वारा प्रताड़ित किए गए भाई-बहिन।

- समाज के पंचो के जाने के बाद कुछ लोग भाई-बहिन को जंगल में ले गए और यातनाएं दीं
- पीड़ित परिवार पर लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया

रिश्तेदारों के साथ नौ नवम्बर को लाम्बाहरिसिंह थाने पहुंचे पीड़ित भाई-बहिन ने सारी आप बीती एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान व एसएचओ भागीरथ सिंह को बताई। मारपीट व मानसिक एवं शारीरिक यातनाओं का वीडियो देखने तथा मामला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सुर्खिया बनने के बाद पुलिस ने दोनों भाई-बहिन का मेडिकल करवा बयान ले मामला दर्ज करते हुए देर शाम तक तीन जनों को गिरफ्तार किया।

डीवाईएसपी सुशील मान ने बताया कि वीडियो में दिख रहे महिला-पुरूषों की पहचान कर सम्पूर्ण घटनाक्रम की सभी पहलुओं पर जांच कर शेष आरोपियों की गिरफतारी के लिए भी प्रयास जारी है।

एवं लाम्याजूनारदार निवासी गोरधन मोग्या ने दोनों भाई-बहिन को पकड़ जबरन मोटरसाईकिल पर बिठा कर जंगल में ले गये। जहां बंधक बना मारपीट करते हुए जूतों की माला पहना गर्म लौहे की राड से माथे पर दाग चाकू से नाक काट उसे शारीरिक व मानसिक यातनाएं दी।

सम्पूर्ण घटनाक्रम का मोबाइल

प्रधानमंत्री आवास नहीं बनाने पर नौ लाभार्थियों के खिलाफ मामला दर्ज

कई मर्तबा समझाइश के बाद भी चवा ग्राम में नहीं बनवाए आवास

बाड़मेर, (निसं)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवास निर्माण नहीं करवाने पर बाड़मेर के चवा ग्राम पंचायत निवासी नौ लाभार्थियों के खिलाफ सदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है।

आवास निर्माण के लिए नोटिस जारी करने एवं कई मर्तबा समझाइश के उपरांत भी आवास निर्माण नहीं करने पर यह कार्यवाही की गई है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत चवा ग्राम पंचायत में गंवरी देवी पत्नी भीखाराम, लक्ष्मी देवी पत्नी मेघाराम, तुलसी देवी पत्नी टीकमा राम, देवी पत्नी रामा राम, कमला पत्नी पुखराज, पालू देवी पत्नी पूरा राम, पप्पू देवी पत्नी विशनाराम, जेठी देवी पत्नी तेजा राम एवं टीपू देवी पत्नी ठाकरा राम के आवास स्वीकृत हुए थे। इनके खाते में राशि हस्तांतरित होने के बाद आठ लाभार्थियों ने दो किश्तों के 60-60 हजार एवं एक लाभार्थी एक किश्त के तौर पर 15 हजार रूपए उठा लिए। इसके उपरांत भी इन्होंने आवास निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं करवाया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्नोई ने बताया कि इन लाभार्थियों को नोटिस जारी करने के साथ जन प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों के माध्यम से समझाइश की गई। इसके बावजूद इनकी ओर से न तो संतोषनक जबाव दिया गया और न ही आवास निर्माण करवाया गया। इसको गंभीरता से लेते हुए उनके निर्देश पर चवा ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी ने इन लाभार्थियों के खिलाफ सदर पुलिस स्टेशन में सरकारी राशि के दुरूपयोग एवं गबन का मामला दर्ज करवाया है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण करवाने को लेकर राज्य सरकार बेहद गंभीर है। अपूर्ण एवं आवास शुरू नहीं करने वाले लाभार्थियों से लगातार समझाइश की जा रही है। उनके मुताबिक जन प्रतिनिधियों के माध्यम से समझाइश करने के साथ संबंधित बीट कांस्टेबल ने भी मौके पर पहुंचकर लाभार्थियों को आवास निर्माण करवाने के लिए पाबंद कर रहे है। उन्होंने बताया कि जिले के अन्य स्थानों पर आवास निर्माण करने एवं सरकारी राशि का गबन अथवा दुरूपयोग करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाने के निर्देश संबंधित विकास अधिकारियों को दिए गए है।

गिरदावर को 3500 रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा

बयाना में एसीबी की कार्रवाई

एसीबी ने आरोपी गिरदावर को गिरफ्तार किया।

बयाना, (निस)। शहर में बुधवार को एसीबी ने कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग के भू राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र धाकड़ को 3 हजार 500 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के एडिशनल एसपी महेश मीणा ने बताया कि सादपुरा निवासी लव कुमार से उसके पिता की मृत्यु के बाद नामांतरण दर्ज हुआ। तस्दीक कराने की एवज में सुरेंद्र कुमार धाकड़ गिरदावर ने नामांतरण दर्ज तस्दीक करने की एवज में 3500 रिश्वत मांगी।

इस रिश्वत की सत्यापन कराए जाने के बाद एसीबी ने बयाना में बुधवार की रात कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरेंद्र गिरदावर को रिश्वत की राशि सहित गिरफ्तार किया। एसीबी की इस कार्रवाई से सरकारी महकमों में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों ने हलचल मच गई। आरोपी खिलाफ विभिन्न धाराओं मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

रिफाइनरी क्षेत्र में निषेधाज्ञा लगाई

बाड़मेर, (निसं)। जिला मजिस्ट्रेट लोक बन्धु ने निषेधाज्ञा जारी कर एचपीसीएल आरआरएल रिफाइनरी ग्राम साजियाली, रूपजी कण्डवाडा व सांभरा तहसील पचपदरा की चारदिवारी के तीन किलोमीटर क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के समूह के विचरण पर प्रतिबन्ध लगा दिया है।

उन्होंने बताया कि एचपीसीएल आरआरएल रिफाइनरी ग्राम साजियाली, रूपजी कण्ठवाडा व सांभरा तहसील पचपदरा भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार का अति महत्वपूर्ण संस्थान है। जिला पुलिस अधीक्षक बाड़मेर से प्राप्त रिपोर्ट अनुसार असामाजिक तत्वों द्वारा कानून एवं शान्ति व्यवस्था भंग करने की पूर्ण आशंका है। उक्त परिस्थितियों पर विचार एवं पूर्ण सन्तुष्ट होने के बाद इस प्रकार के आदेश प्रसारित किए गए। इस दौरान पांच से अधिक व्यक्ति समूह में एकत्र नहीं हो सकेंगे तथा लोक शान्ति भंग करने वाले जूलूस, प्रदर्शन, पुतला जलाना, नारेबाजी करना, भडकाऊ भाषण व ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं हो सकेगा।

मावठ से किसानों के चेहरे खिले, सर्दी बढ़ी

गेहूं, सरसों और चना की फसल को बारिश से भारी राहत मिली

चाकसू, (निसं)। मंगलवार को देर रात को क्षेत्र में बूंदाबांदी के साथ रिमझिम बरसात हुई जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे व ठंडक में बढ़ोतरी हुई। किसानों ने कहा है कि इस बरसात से भी राहत मिल सकेगी। उपखंड क्षेत्र में हुई बारिश से किसानों को लाखों का फायदा हुआ है। किसानों की मानें तो फसलों पर बारिश की बूंदें सोना बनकर बरसी हैं ऐसे में बारिश से रबी की खेती और ज्यादा संवर सकेगी। खासकर गेहूं की फसल के साथ सरसों और चना को भी बारिश से भारी राहत मिली है।

चाकसू उपखंड के किसान गोपाल, नाथूलाल माली आदि ने बताया कि मौसम के गर्म होने के कारण किसानों को गेहूं की फसल के पकने को लेकर चिंता की स्थिति बनी हुई थी लेकिन मंगलवार शाम को मौसम ने अचानक पलटी खाई और कुछ समय बाद बारिश की हल्की बूंदें पड़नी शुरू हो गई। रात होते-होते बादल पूरे इलाके में बरसे। किसान शंकर सैनी ने बताया कि रात को हुई बारिश से इलाके के किसानों को फसलों की सिंचाई पर डीजल बिजली खर्च के रूप में होने वाली लागत का फायदा हो गया।

मावठ के बाद फसल को देखता किसान।

कांस्टेबल निलम्बित

जयपुर, (कासं)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा के निर्देश पर पाली जिले के आनन्दपुर कालू थाना क्षेत्र के बलाड़ा गांव की अस्थायी चौकी में तैनात हैड कांस्टेबल उमराव खान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मिश्रा ने बुधवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार पर संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। इसके बाद वृद्धा को लात मारने वाले हैड कांस्टेबल को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए।

ऑनलाइन ठगी

चाकसू, (निसं)। शातिरों ने ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम देते हुए करीब 1 लाख 4747 रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार कस्बा स्थित वैशाली नगर कॉलोनी निवासी मुरारी शरण शर्मा चाकसू विद्युत विभाग में कार्मिक है। पीड़ित का बचत खाता एयू बैंक में खुला हुआ है। उन्होंने कुछ दिनों पूर्व बैंक से क्रेडिट कार्ड लिया था। जिसका पिन जनरेट करने के लिए गूगल अकाउंट पर लिंक क्लिक करने पर मोबाइल हैक होने के बाद बैंक अकाउंट और कार्ड हैक हो गया। जिसके बाद बैंक से 97632 और 7115 रुपए निकलने का मैसेज मिला।

दिव्यांग ने ए.ई.एन. के खिलाफ मामला दर्ज करवाया

उनियारा, (निसं)। उनियारा में एक दिव्यांग ने उनियारा विद्युत विभाग एईएन बृजराज मीणा के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया। वहीं थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं करने पर उनियारा उपखंड अधिकारी नेहा मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए न्याय की गुहार लगाई।

उपखंड अधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में दिव्यांग शंभू दयाल बैरवा वह 3 नवंबर को सुबह 10:30 बजे भाई सरदारमल बैरवा उनियारा ए.ई एन से मिलने गए थे। घरेलू कनेक्शन करवाने के लिए फाइल लगाकर उसका डिमांड जमा करवा दिया था। जिसका आर्डर 17 अक्टूबर 2022 को निकाल दिया गया था। लेकिन कनेक्शन नहीं होने से वह दोबारा से मिलने खिड़की पर पहुंचा तो उसके साथ दुर्व्यवहार कर अपमानित शब्दों का प्रयोग किया।

उसी दौरान विभाग के कर्मचारी द्वारा भी उसको बाहर निकालने के लिए कहा गया तथा विधुत विभाग के ए.ई .एन बृजराज मीणा द्वारा गाली गलौज करने एवं मारपीट करने की धमकी देने का गंभीर आरोप भी लगाया है। वही कार्यवाही नहीं होने से परेशान दिव्यांग ने अंत में उनियारा उपखंड अधिकारी को न्याय के लिए गुहार लगाई। मामले की जानकारी फैलने पर क्षेत्र के दिव्यांगो में रोष व्याप्त है।

वॉट्सऐप पर भाई को सुसाइड नोट भेजकर लगाया फंदा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। फाइनेंस कंपनी चलाने वाले युवक ने मंगलवार रात अपने किराए के मकान में सुसाइड कर लिया। मरने से पहले अपने बड़े भाई को व्हाट्सऐप पर सुसाइड नोट भेजा। जिसमें दो युवकों पर कस्टमरों को 15 लाख रुपए पेमेंट नहीं करने का दबाव बनाकर रूपए डुबाने व उससे उधार लिए गए 17 लाख रूपए नही चुकाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामला सीकर के श्रीमाधोपुर का है।

श्रीमाधोपुर थाने के एएसआई जयप्रकाश ने बताया कि 24 साल के मनीष यादव पुत्र बनवारीलाल यादव ने कमरे में फांसी का फंदा लगा लिया। श्रीमाधोपुर की ढाणी पाट्यायावाली में नाथूराम सैनी के मकान में किराए पर रहता था।

- दो युवकों द्वारा उधार लिए 17 लाख रूपए नहीं चुकाने व मारने की घमकी देने का मामला
- भाई ने दी पुलिस को जानकारी, पंखे से लटका मिला युवक

परिवार शाहपुरा पावटा के पास भाभरू में रहता है। मृतक अजीतगढ रोड पर दीपक निधि फाइनेंस के नाम से माइक्रो फाइनेंस की कंपनी चलाता था। मृतक के बड़े भाई ने बुधवार सुबह सुसाइड नोट देखकर अपने जीजा सुरेश यादव निवासी घासीपुरा मनोहरपुर को फोन किया। सुरेश ने श्रीमाधोपुर में मनीष की फाइनेंस में काम करने वाले कौशल चौधरी को फोन कर जानकारी दी जिस पर कौशल जालपाली पहुंचा जहां पुलिस की मौजूदगी में देखा तो मनीष का शव पंखे से लटका था। पुलिस ने कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद किया है। मृतक के भाई दिनेश ने आरोपी सोनू खटाना, शिंभू खटाना और मुन्ना गुर्जर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

युवक ने सुसाइड नोट में सोनू खटाना व उसके भाई शिंभू खटाना पर उसके कस्टमरों को पेमेंट नहीं देने का दबाव बनाने, शाहपुरा के मार्केट में उसके 15 लाख रुपए डुबाने और जान से मारने की धमकी देकर देने का आरोप लगाया है। मामले में यादव समाज के लोग बुधवार सुबह श्रीमाधोपुर सीएचसी पहुंचे और मांग की है कि मृतक मनीष यादव के रुपए आरोपियों से दिलवाकर गिरफ्तार किया जाए।

गला रेत हत्या के मामले में आजीवन कारावास

आठ साल की सुनवाई के बाद अपर सैशन न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

बीकानेर, (कासं)। छतरगढ़ में एक युवती की गला रेत कर हत्या करने के मामले में स्थानीय अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वर्ष 2014 के इस मामले में अदालत ने आईपीसी की दो धाराओं के तहत अभियुक्त को सजा सुनाई है।

दस दिसम्बर 2014 को छतरगढ़ में रहने वाले अतु खां ने मामला दर्ज कराया था कि उसकी बेटी बशीरा की शौकत नामक युवक ने हत्या कर दी है। बशीरा गाय को संभाल रही थी, तभी शौकत ने उसे पकड़कर चाकू से उसका गला रेत दिया। जिससे वह मौके पर ही गिर गई। उसे संभाला तो मृत थी। इस मामले में पुलिस ने शौकत को गिरफ्तार कर लिया था।

पिछले आठ साल से इस मामले में अदालत में सुनवाई चल रही थी। अब अपर सैशन न्यायाधीश संख्या सात ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सजा सुना दी है। बशीरा की हत्या करने वाला युवक शौकत न सिर्फ उनका पड़ौसी था बल्कि रिश्तेदार भी था। दोनों के बीच हुई अनबन के चलते उसकी हत्या कर दी गई। शौकत को आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास के साथ दस हजार रूपये का अर्थदंड दिया गया है। अर्थदंड नहीं देने पर तीन महीने अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। वहीं आईपीसी की धारा 450 के तहत सात वर्ष की सजा दी गई है। इस धारा के तहत तीन हजार रुपए का अर्थ दंड लगाया गया है। अर्थदंड नहीं देने पर एक महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

- बशीरा का हत्यारा पड़ौसी और रिश्तेदार था

हरियाणवी डांसर का प्रोग्राम नहीं देख पाने पर तोड़ी कुर्सियां

शरद महोत्सव में प्रांजल दहिया को देखने आए हजारों लोग

धौलपुर, (निसं)। बलम थानेदार सॉन्ग फेम हरियाणवी डांसर प्रांजल दहिया के कार्यक्रम के दौरान धौलपुर पुलिस को मेला ग्राउंड में मंगलवार रात खासी मशक्कत करनी पड़ी। मेला ग्राउंड में नगर परिषद द्वारा शरद महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मंगलवार को हरियाणवी धमचक नाइट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हरियाणवी डांसर प्रांजल दहिया धौलपुर पहुंची। हरियाणवी डांसर के स्टेज पर आते ही लोग नगर परिषद द्वारा लगाई गई बल्लियों पर चढ़ ने लगे। मेले में अव्यवस्थाओं को देखते ही मौके पर मौजूद जिला कलेक्टर अनिल अग्रवाल और एसपी धर्मेंद्र सिंह ने मोर्चा संभाल लिया। कार्यक्रम के बीच में जहां जिला कलेक्टर अनिल अग्रवाल ने लोगों से पांडाल के लिए लगी गई बल्लियों पर ना चढ़ने की अपील की, तो वही शरारती तत्वों के उत्पात मचाने पर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस की मदद से कुछ लोगों को मेले से राउंड ऑफ कर लिया। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने पर पूरा मेला ग्राउंड जाम हो गया। पसंदीदा स्टार का डांस ना देख पानी से नाराज लोगों ने अतिथियों के लिए रखी गई कुर्सियों में जमकर तोड़फोड़ कर दी।

कार्यक्रम के बाद मेला ग्राउंड में टूटी पड़ी कुर्सियां।

- मेले में अव्यवस्था को देखते ही कलेक्टर अग्रवाल और एसपी धर्मेंद्र सिंह ने मोर्चा संभाला

कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद द्वारा सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए। हजारों की तादाद में लोग मेला ग्राउंड पहुंच गए। लोगों की भीड़ को देखते हुए महज 200 मीटर की पैदल दूरी एक से डेढ़ घंटे में पूरी हुई। कार्यक्रम के दौरान बनाई गई पत्रकार दीर्घा में पार्षदों के मिलने वाले लोगों को बैठा दिया गया। इसी दौरान पत्रकार एक कोने में खड़े होकर फोटो वीडियो कवरेज करने लगे। तभी नगरपरिषद के एक जनप्रतिनिधि ने पुलिसकर्मियों को इशारा कर पत्रकारों को हटाने के लिए पुलिस से कह दिया। जिस पर पुलिसकर्मियों ने कुछ पत्रकारों को धक्के देकर हटा दिया। जिसके बाद पत्रकार भी कार्यक्रम छोड़कर बीच में ही चले गए।

चार तस्करों को सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) बृजमाधुरी शर्मा ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में चार तस्करों को 6-6 साल के कठोर कारावास व 60-60 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक कैलाशचंद्र चौधरी ने बताया कि तत्कालीन सदर थाना प्रभारी 14 जुलाई 2017 को गश्त के दौरान सुवाणा बाईपास पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक बोलेरो को पुलिस ने रुकवाकर चेक किया। उसमें चार व्यक्ति बैठे थे।

पूछताछ में चालक ने खुद को महुआ, मांडलगढ निवासी कृष्ण गोपाल पुत्र लादू लौहार, उसके साथी सत्यनारायण पुत्र मथुरा जाट वि-लपुरा, रतन पुत्र रामचंद्र गुर्जर गोपालपुरा पारसोली व मुकनगढ़ मांडलगढ़ निवासी सांवरमल पुत्र राधाकिशन मीणा बताया। बोलेरो में दो बोरे रखे थे, जिनके बारे में वे कोई जवाब नहीं दे पाये। थाना प्रभारी ने बोरे खोलकर चेक किये तो उनमें डोडा-चूरा मिला। वजन करवाने पर 39 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने डोडा-चूरा सहित बोलेरो बरामद कर चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चार्जशीट पेश की।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

Mo. No. 9461118470 / 9414319459 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ( )/कृअकें/2022-23/483-87 दिनांक 09.11.2022

निविदा सूचना (2022-23)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 24.11.2022 दोपहर 1.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा की जाकर अपरान्ह 2.30 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट, बांसवाड़ा (लगभग 16 हेक्टर) तथा फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा (लगभग 7 हेक्टर) पर किये जाने वाले विभिन्न कृषि कार्य	755000/-	15,100/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

बाड़ेबंदी से निकलकर पार्षद आज चुनेंगे ग्रेटर निगम की नई महापौर

भाजपा की रश्मि सैनी और कांग्रेस की हेमा सिंघानिया के बीच होगा मुकाबला

-कार्यालय संवाददाता-

- दोनों ही दलों के नेता अपने-अपने पार्षदों से बातचीत कर नाराजगी दूर करने में जुटे
- सांगानेर के निर्दलीय पार्षद जय वशिष्ठ ने भी बाड़ेबंदी में पहुंचकर भाजपा ज्वॉइन की

जयपुर । ग्रेटर नगर निगम की नई महापौर चुनने के लिए भाजपा-कांग्रेस के पार्षद गुरूवार सुबह बाड़ेबंदी से बाहर निकलेंगे। भाजपा से रश्मि सैनी और कांग्रेस से हेमा सिंघानियां चुनावी मैदान में है। उधर जैसे-जैसे चुनावी वक्त नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे दोनों ही दलों के नेता अपने-अपने क्षेत्र के पार्षदों से समझाइश कर नाराजगी दूर करने में जुटे हैं।

उधर राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर को भले ही मेयर पद से बर्खास्त कर दिया है, लेकिन उनके केस पर भी हाईकोर्ट में गुरूवार को सुनवाई होगी। ऐसे में फिलहाल कशमकश का माहौल बना हुआ है।

सूत्रों की मानें तो बीजेपी ने अपने पार्षदों को विशेष तौर पर सहेजकर रखा है, क्योंकि नेताओं को डर है कि प्रत्याशी चयन को लेकर पिछले दिनों उभरी नाराजगी कहीं क्रॉस वोटिंग जैसे नतीजे के तौर पर सामने न आ जाए। क्योंकि पिछले बोर्ड में भी बीजेपी के बागी विष्णु लाटा ने पार्टी उम्मीदवार मनोज भारद्वाज को पटखनी देते हुए मेयर की कुर्सी हासिल कर ली थी। जिसके चलते पार्टी नेताओं की जमकर किरकरी हुई थी।

वहीं दूसरी ओर पिछले दो दिन से लगातार होटल चौमूं पैलेस में विधायकों की बाड़ेबंदी के बीच बड़े नेताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया भी बाड़ाबंदी में पहुंचेंगे। उधर बुधवार को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय पार्षद जय वशिष्ठ विधायक अशोक लाहोटी के साथ बाड़ेबंदी में पहुंचे और भाजपा में शामिल हो गए।

इस अवसर पर राजस्थान भाजपा की सह प्रभारी विजया राहटकर, सांसद रामचरण बोहरा, विधायक कालीचरण सर्राफ, नरपत सिंह राजवी, रामलाल शर्मा , शहर भाजपा अध्यक्ष राघव शर्मा, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह, कैलाश बोहरा, जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, उप महापौर पुनीत कर्णावत, प्रदेश मंत्री लक्ष्मीकांत भारद्वाज, कृष्ण मोहन और नवरतन नाराणिया मौजूद थे।

राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं है कि बीजेपी में महापौर प्रत्याशी तय होने के बाद से कई पार्षदों में नाराजगी है, जिसे दूर करने में पार्टी के नेता जुटे हुए है। माना जा रहा है कि कुछ पार्षदों को महापौर चुनाव के बाद समिति अध्यक्ष बनाकर नाराजगी दूर करने की कोशिश की जायेगी।

चर्चाएं है कि महापौर के टिकट के लिए जो दावेदार थे, उनकी नजर विधानसभा चुनाव पर है। कार्यवाहक मेयर शील धाभाई और सुखप्रीत बंसल समेत अन्य प्रत्याशियों ने विधानसभा टिकट पर नजर लगाई है। अंदरखाने कुछ नेताओं से उन्हें आश्वासन मिलने की जानकारी सामने आई है। ज्ञात रहे कि शील धाभाई पहले भी कोटपूतली से चुनाव लड़ चुकी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि महापौर का टिकट नहीं पाने वाले प्रत्याशियों की नाराजगी पार्टी इस तरह भी दूर कर सकती है।

देखा जाये तो पिछले 8 सालों में जयपुर नगर निगम में गुरूवार को सातवां महापौर चुना जायेगा। वर्ष 2014 से अब तक यहां 8 साल में 6 महापौर बन चुके हैं। अगला महापौर 10 नवम्बर को बनेगा। इससे पहले 2014 में निर्मल नाहटा जयपुर के महापौर बने थे। दो साल बाद उन्हें हटाकर अशोक लाहौटी को महापौर बनाया गया। इसके बाद वर्ष 2018 में सांगानेर विधायक बनने के बाद लाहौटी ने इस्तीफा दिया। इसके बाद उपमहापौर मनोज भारद्वाज को यह प्रभार संभलाया गया। इसके कुछ समय बाद दोबारा से महापौर के चुनाव हुए। जिसमें विष्णु लाटा नए महापौर बन गए।

इसके बाद जयपुर में दो नगर निगम बनने के बाद सौम्या गुर्जर ग्रेटर निगम की महापौर बन गई। मगर विवादों के फंसने और निलंबन के चलते शील धाभाई को उनके बाद कार्यवाहक महापौर बनाया गया। शील धाभाई इस दौरान छठवीं महापौर बनी। अब 10 नवम्बर के चुनाव के बाद नगर निगम को सातवां महापौर मिलेगा।

पत्नी को चाकू घोंपने वाला पति गिरफ्तार

जयपुर । करधनी पुलिस ने पत्नी पर चाकू से हमला करने वाले आरोपित पति को गिरफ्तार कर उसके पास से वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

डीसीपी (वेस्ट) वंदिता राणा ने बताया गिरफ्तार पति जितेन्द्र शर्मा (24) नगर जिला भरतपुर का रहने वाला है। आरोपित की शादी साल 2008 में हुई थी और उसके एक लडका व एक लडकी है। उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक होने के कारण पूर्व में भी कई बार झगडे हो चुके हैं। इस कारण से वह पिछले एक-डेढ साल से दोनों ही अलग ही रह रहे थे, लेकिन घटना से चार दिन पहले वापस एक साथ रहने लगे थे। 29 अगस्त के दिन उसने अपनी पत्नी को किसी बाइक पर आते देख शक हो गया और कई बार पूछने पर भी झूठ बोलने पर फिर से झगडा होने पर हाथ में चाकू आने पर गुस्से में उसने अपनी पत्नी के पेट में चाकू घोंप दिया। पत्नी को लहूलुहान देख आरोपित पति घबरा गया और फिर वहां से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने दबोच लिया।

करधनी में प्रोपर्टी डीलर पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला

- दो हिस्ट्रीशीटर और कार सवार आधा दर्जन बदमाशों ने सरिये-डंडों से युवक के हाथ-पैर तोड़े

जयपुर (कासं)। राजधानी के करधनी इलाके में बुधवार दोपहर एक प्रॉपर्टी डीलर पर कातिलाना हमला हुआ। बोलेरो कैम्पर और स्विफ्ट गाड़ी में सवार होकर आए दो हिस्ट्रीशीटर समेत आधा दर्जन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

करीब 20 दिन पहले हुई मारपीट का बदला लेने के लिए बदमाश पीड़ित की स्कॉर्पियो को टक्कर मारकर काफी दूर तक घसीट ले गए। इसके बाद बदमाशों ने पीड़ित को कार से बाहर निकाल उस पर लाठी-डंडो और लोहे के सरियों से हमला कर दिया। हमले में कारोबारी के हाथ-पैर टूटे है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी की, लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। फ़िलहाल पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

एसीपी झोटवाड़ा प्रमोद स्वामी ने बताया गुलाबवाड़ी का रहने वाला विजेंद्र राठौड़ (40) प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। वह बुधवार दोपहर को नाड़ी का फाटक के पास निर्मल विहार में अपनी स्कॉर्पियो कार में बैठा हुआ था। इसी दौरान एक बोलेरो कैम्पर ने आकर उसकी स्कॉर्पियो को टक्कर मारी और काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई। पीड़ित की स्कॉर्पियो एक चबूतरे पर चढ़कर टेढ़ी खड़ी हो गई। बोलेरो के पीछे ही एक स्विफ्ट कार आई। इसके बाद बोलेरो और स्विफ्ट सवार बदमाशों ने विजेंद्र पर लाठी-डंडो और लोहे के सरियो से हमला बोल दिया। बदमाशों ने उसके साथ जमकर मारपीट की, जिससे उसके दोनों पैर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित के पर्चा बयान के आधार पर जितेंद्र, अजय, भगवान् सिंह, सागर सहित 3-4 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। हमलावर जितेंद्र और सागर हिस्ट्रीशीटर हैं।

पुलिस के अनुसार पीड़ित विजेंद्र और जितेंद्र आपस में अच्छे परिचित हैं। दीपावली से दो दिन पहले सभी दोस्तों की शराबपार्टी हुई थी, जिसमें किसी बात को लेकर विजेंद्र और जितेंद्र के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है तब विजेंद्र और उसके साथियों ने जितेंद्र से मारपीट की थी। इसी का बदला लेने के लिए जितेंद्र ने बुधवार को विजेंद्र पर हमला कर हाथ-पैर तोड़ दिए।

महिला दो माह से लापता

जयपुर । दिल्ली से जयपुर के रास्ते में गायब हुई विवाहिता की रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए उसका पति दो माह तक थानों के चक्कर काटता रहा, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली। आखिरकार कोर्ट के दखल के बाद मानसरोवर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। अब पुलिस लापता विवाहिता की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार स्वर्ण पथ निवासी परिवादी पुनीत राजोरिया का विवाह 2019 सितंबर माह में संजू कुमारी जाटव के साथ हुआ था। उसके बाद से पति-पत्नी मानसरोवर में किराए के मकान पर रह रहे थे। 28 अगस्त को परिवादी की पत्नी संजू कुमारी दिल्ली में रहने वाले अपने धर्म भाई से मिलने के लिए गई थी। 2 सितंबर को शादी की सालगिरह मनाने के लिए पुनीत भी दिल्ली चला गया। संजू 5 सितंबर को दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना हुई थी।

डीएनए रिपोर्ट के आधार पर दुष्कर्मी को सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त विनोद सिंह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने नागौर निवासी इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भले की पीड़िता ने दुष्कर्म से इनकार किया हो, लेकिन डीएनए जांच से साबित है कि उसके साथ अभियुक्त ने संबंध बनाए हैं। इसके अलावा नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व भी नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 26 जनवरी 2020 को पीड़िता की मां ने गोविन्दगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसकी बेटी ब्यूटी पार्लर का कोर्स करने के लिए खेजरोली जाती है। एक दिन पहले वह खेजरोली जाने के लिए घर से निकली, लेकिन वहां नहीं पहुंची। उसे आशंका है कि विनोद उसे अपने साथ ले गया है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पीड़िता को जोधपुर से बरामद कर अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने कहा कि वह परिजनों को बिना बताए अकेली जोधपुर गई थी। वहां विनोद ने उसके साथ कोई गलत काम नहीं किया। करीब पन्द्रह दिन रहने के बाद पुलिस आकर उसे ले गई थी। वहीं डीएनए जांच में आया कि अभियुक्त ने पीड़िता के साथ संबंध बनाए थे।

जेडीए ने वीकेआई में 300 करोड़ की सरकारी जमीन से हटाया 40 वर्ष पुराना अवैध कब्जा व अतिक्रमण

अतिक्रमियों ने इस भूमि पर श्री सृष्टि इंटरनेशनल स्कूल, कार सर्विस सेंटर, 100 से ज्यादा झुग्गी-झौपड़ियां और 20 कमरें और गोदाम बनाकर कब्जा कर रखा था

जयपुर (कासं)। जेडीए की प्रवर्तन विंग ने शहर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वीकेआई) में बड़ी कार्रवाई कर 300 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन पर कब्जा लिया। मल्होत्रा नगर के खसरा नंबर 15/1 की इस 11 बीघा 19 बीस्वा जमीन पर लोगों ने पिछले 40 वर्षों से अवैध कब्जे और अतिक्रमण कर रखे थे। बुधवार सुबह तीन पुलिस थानों, रिजर्व पुलिस लाइन और जेडीए के जाप्ते समेत पुलिस के करीब 200 अधिकारी और जवान जैसे ही कार्रवाई करने पहुंचे तो लोगों में हड़कंप मच गया। एक-एक करके लोग अपने-अपने गोदाम और ऑफिस खाली करने लगे।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जेडीए की टीम ने जेसीबी और पोकलेन मशीन की मदद से कबाड़ के पांच गोदाम, मार्बल-पत्थर के 6 गोदाम, मारूति ऑटो मोबाईल सर्विस सेंटर, श्री सृष्टि इंटरनेशनल स्कूल के 13 कमरे, 5 ऑफिस और दो दुकानें ध्वस्त की। इसके अलावा करीब 100 झुग्गी-झोपड़ियां, तारबंदी, 8 लोहे के गेट व 10 बाउंड्रीवाल को भी हटाया।

उधर जेडीए की इस कार्रवाई के विरोध में एक व्यक्ति पानी की टंकी पर चढ़ गया। थोड़ी देर बाद जब उस पर मधुमक्खियों ने हमला किया तो वह नीचे उतर गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए कावंटिया हॉस्पिटल में पहुंचाया।

रघुवीर सैनी ने बताया कि इस जमीन को खाली करवाने के लिए अक्टूबर माह में 15 से ज्यादा नोटिस जारी किए गए। बुधवार सुबह जब जेडीए की टीम और पुलिस जवानों का जाब्ता मौके पर पहुंचा तो लोगों ने इसका विरोध किया। इस दौरान छोटू मीणा समेत 2 अन्य व्यक्ति यहां बनी एक पानी की टंकी पर चढ़ गए और विरोध करने लगे। छोटू टंकी के ऊपर चढ़ गया, लेकिन बाकी दो लोग सीढ़ियों पर ही रुक गए। हालांकि बाद में मधुमक्खी के हमले के कारण ये लोग खुद ही नीचे उतर गए।

छोटू मीणा ने ही इस बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जा करके व्यवासियों और झुग्गी-झौपडी के लोगों को किराये पर दे रखा था। इस कार्यवाही में एक एडिशनल एसपी, दो डिप्टी, 7 से ज्यादा सीआई रैंक के अधिकारी के अलावा 200 से ज्यादा पुलिस और होमगार्ड के जवान मौजूद रहे।

रघुवीर सैनी ने बताया कि जेडीए ने जब अतिक्रमियों को नोटिस थमाया तो लोग इसके खिलाफ जेडीए ट्रिब्यूनल कोर्ट में भी गए, लेकिन वहां से भी इनको कोई राहत नहीं मिली। इस जमीन के मामले में वर्ष 2018 में राजस्थान हाईकोर्ट में मामला भी चला था, इसमें कोर्ट ने अतिक्रमियों को जमीन खाली करने और उन पर जमीन पर कब्जा करने के मामले में 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इसी को जेडीए की ओर से ट्रिब्यूनल में पेश किया गया, जिसके बाद ट्रिब्यूनल ने स्टे देने से मना कर दिया।

सैनी ने बताया कि इन अतिक्रमियों ने साल 2018 में इस जमीन पर स्टे लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में भी स्पेशल लीव पीटीशन (एसएलपी) दायर की थी, लेकिन वहां से भी इन्हें कोई राहत नहीं मिली थी। वर्ष 1997 में जब ये जमीन जेडीए के खाते में दर्ज हुई थी, तब से अब तक लगातार इस मामले में अतिक्रमियों ने हर कोर्ट स्तर (एसडीएम, रेवेन्यू, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट) पर अपीलें दायर की, लेकिन कहीं भी इन्हें राहत नहीं मिली। इसके चलते बुधवार सुबह जेडीए ने इस 11 बीघा 19 बीस्वा जमीन पर कब्जा लिया।

जेडीए की प्रवर्तन विंग ने वीकेआई स्थित मल्होत्रा नगर में 11 बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा और अतिक्रमण ध्वस्त किये।

- जेडीए की प्रवर्तन टीम ने तीन थानों और रिजर्व पुलिस लाइन के 200 से ज्यादा पुलिस अधिकारी व जवानों की मौजूदगी में हटाया कब्जा
- जेडीए की कार्रवाई के विरोध में अतिक्रमी छोटू मीणा और दो अन्य युवक पानी की टंकी पर चढ़े, लेकिन मधुमक्खियों के हमले के कारण नीचे उतर आए

प्रदेश में सात दिन बाद करोना से फिर एक संक्रमित की मौत

राज्य में बुधवार को 31 नए करोना संक्रमित रोगी मिले

जयपुर । प्रदेश में सात दिन बाद बुधवार को करोना संक्रमण से एक मरीज की और मौत हुई है। वहीं इस दौरान 31 नए संक्रमित मिले हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 78 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर तीन सौ से कम हो गए हैं। प्रदेश में बुधवार को 9 जिलों में 31 नए संक्रमित सामने आए हैं। वहीं इससे पहले मंगलवार को भी इतने ही रोगी पाए गए थे। इधर आज सबसे अधिक 7 मरीज जयपुर में मिले। इसके अलावा उदयपुर में 6, जोधपुर में 5, अजमेर व राजसमंद में 4-4, कोटा में 2 तथा झालावाड़, नागौर और पाली में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 2291 जांचे की गई।

प्रदेश में बुधवार को रिकवरी में बढ़ोत्तरी हुई है। इस दौरान राज्य में 78 नए मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 295 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी पिछले चौबीस घंटों में 36 संक्रमितों के स्वस्थ होने से एक्टिव केस घटकर 77 रह गए हैं। प्रदेश में बुधवार को करोना से बीकानेर में एक मरीज की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9647 लोगों की जान जा चुकी है। राजधानी में बुधवार को बरकत नगर में 2 तथा गोपालपुरा, जगतपुरा, फागी, सांगानेर और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

वरिष्ठ अध्यापक के तबादले पर स्टे

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर ने वरिष्ठ अध्यापक महेन्द्र कुमार मोर्य का तबादले पर स्थगन आदेश (स्टे) दिया हैं। याचिकाकर्ता के वकील सुरेश कुमार मीणा ने बताया कि मोर्य का तबादला नवलपुरा, शाहपुरा, जयपुर से लक्ष्मण डूंगरी, जयपुर में कर दिया था। इसे अधिकरण में चुनौती पेश कर इस स्थानांतरण आदेश में पुरानी अपील विचाराधीन होते हुए कर्मचारी का स्थानांतरण नहीं किया जा सकता हैं इस पर अधिकरण ने मीणा के तर्कों को सही ठहराते हुए चुनौती अपील में स्टे आदेश पारित कर दिया।

'तिब्बती शरणार्थियों के पास जयपुर में हो स्थाई आवास'

तिब्बती शरणार्थी अपनी जरूरत बताएंगे तो आवासन मंडल तैयार करेगा आवासीय योजना : पवन अरोड़ा

तिब्बती धर्म गुरू साक्या हिन्जेन ज्ञाना बज्र रिन्पोछे ने आवासन आयुक्त को महात्मा बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर आशीर्वाद दिया।

जयपुर । हाऊसिंग बोर्ड कमिश्नर पवन अरोड़ा ने कहा कि सर्दियों में हर साल गर्म कपड़ों के व्यापार के लिये जयपुर आने वाले तिब्बती शरणार्थी व्यवसायी वर्ष पर्यन्त यहां रहकर अपना व्यवसाय कर रोजी-रोटी कमा सकें, इसके लिये जरूरी है कि जयपुर में उनके पास स्थाई आवास सुविधा हो। आवासन मंडल, तिब्बती शरणार्थियों की जयपुर में आवास संबंधी समस्या दूर करने में मदद कर सकता है। इसके लिये तिब्बती शरणार्थी अपनी आवश्यकता से अवगत कराएं। हाऊसिंग बोर्ड उनकी जरूरतों के अनुरूप योजना बनाने को तैयार है।

पवन अरोडा ने यह बात बुधवार को श्री झूलेलाल तिब्बती मार्केट मानसरोवर में तिब्बतीयन रिफ्यूजी होजरी रेडीमेड सेलर यूनियन के निमंत्रण पर आयोजित अभिनन्दन समारोह में कही। समारोह में तिब्बती धर्म गुरू 43वें साक्या हिन्जेन ज्ञाना बज्र रिन्पोछे भी मौजूद थे। आवासन आयुक्त ने शॉल ओढाकर तिब्बती धर्म गुरू के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किया। धर्मगुरू रिन्पोछे ने आवासन आयुक्त को महात्मा बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर आशीर्वाद दिया।

तिब्बती धर्म गुरू ने कहा कि जिन 266 तिब्बती शरणार्थी दुकानदारों को श्री झूलेलाल तिब्बती मार्केट में दुकानें आवंटित कर मुख्यमंत्री, यूडीएच मंत्री और आवासन आयुक्त ने उनकी रोजी-रोटी की समस्या का स्थाई समाधान किया है। सम्पूर्ण तिब्बती समाज इसके लिये उनके प्रति कृतज्ञता महसूस करता है और इसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है।

'विधिक जागरूकता का घर-घर पहुंचना जरूरी'

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल ने कहा कि आज अस्पृश्यता और बाल अपराधों को लेकर ध्यान देना जरूरी है। कुछ सपने बच्चों के होते हैं और हमें इसी दिशा में काम करने का प्रयास करना होगा। इसलिए जरूरी है कि विधिक जागरुकता घर-घर पहुंचे। सीजे मित्थल विधिक सेवा दिवस पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से छुआछूत और बाल अपराधों पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने छुआछूत को खत्म करने का बीड़ा उठाया था और ऐसे लोगों को हरिजन की संज्ञा दी थी। छुआछूत को लेकर मुंशी प्रेमचंद की ओर से लिखी कहानी भी समाज में छुआछूत को इंगित करती है। उन्होंने कहा कि पोस्टर और प्रचार से ही पॉक्सो के मामले दूर नहीं होंगे। इसके लिए अच्छे चरित्र का निर्माण करना होगा। जब व्यक्ति में चरित्र निर्माण होगा तो राष्ट्र का निर्माण भी दूर नहीं होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जस्टिस पंकज भंडारी ने कहा कि जातिगत दीवार समाज से खत्म नहीं हुई है। उन्होंने पॉक्सो अपराध के मामलों को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि छोटी बालिकाओं के लापता होने पर पुलिस का रोल अच्छा नहीं होता। पुलिस ऐसे मामलों में पॉक्सो एक्ट के बजाए सिर्फ अपहरण का मामला दर्ज करती है।

सार-समाचार

जहां-ए-खुसरो संगीत महोत्सव 19 से

जयपुर । पर्यटन विभाग, राजस्थान द्वारा वार्षिक विश्व सूफी संगीत समारोह जहां-ए-खुसरो का आयोजन जयपुर में 19 व 20 नवम्बर को होगा। इस समारोह में हमेशा की तरह सूफी संगीत की मधुर ध्वनियां गूंजेगी। अल्बर्ट हॉल में आयोजित इस महोत्सव में राजस्थान की संस्कृति की झलक दिखाई देगी। बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रमुख सचिव, पर्यटन गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान की अपनी सांस्कृतिक समृद्ध परंपरा रही है और इस तरह के आयोजन से देश विदेश में राजस्थान की सांस्कृतिक समृद्धता की गूंज होती है। उन्होंने बताया कि जहान ए खुसरो एकता के रंग का प्रतीक है और महोत्सव में गूंजने वाली आवाज दूर तक सुनाई देगी। जहान ए खुसरो हर साल आध्यात्मिक जागृति की एक नई छाया मनाता है और इस साल यह राजस्थान की एक दंत कथा मूमल को एक स्टेज शो के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मूमल हर धर्म को साथ लाने की किंवदंती न केवल राजस्थान के लोक कथाओं में बल्कि सिंध में सूफी कवि संत शाह अब्दुल लतीफ भिताई की कविता और संगीत में और गुजरात के रेगिस्तान में भी प्रतिध्वनित हुई।

77 वां उर्स मुबारक कल होगा

जयपुर । संसार चंद्र रोड स्थित मीर कुर्बान अली के बाग में हजरत सैयद अनवार उर रहमान चिश्ती नियाजी के 77 वां उर्स मुबारक 11 नवंबर से शुरू होगा। 3 दिन के उर्स मुबारक में देशभर के नामचीन कव्वाल अपनी पेशकश करेंगे। दरगाह सज्जादा नशीन डॉ.सैयद हबीबुर्रहमान नियाजी ने बताया की हर साल हजरत सैयद अनवर उल रहमान चिश्ती नियाजी के उर्स जोशो खरोश के साथ में मनाए जाते हैं। कोविड-19 के 2 सालों बाद में इस बार और पूरी रस्म के साथ मनाए जाएंगे। इस मौके पर देश भर से अक़ीदत मंद इसमें शिरकत करने पहुंचते हैं। 3 दिन के उसमें 11 नवम्बर को कुरान खानी, मिलाद शरीफ और रात को महफिल ए कव्वाली का आयोजन होगा। 12 नवंबर को 2 बजे कुल वक्त ए विसाल, शाम को चादर पेश की जाएगी और मगरिब की नमाज के बाद लंगर होगा और रात 10 महफिल ए समा जिसमें देशभर के नामचीन कव्वाल करेंगे। तीसरे दिन 13 तारीख को चरागा किया जाएगा जिसमें खासतौर पर महिलाओं शिरकत करने पहुचेंगी। उन्होंने बताया कि 9 नवंबर को उर्दू डे मनाया जाता है इस मौके पर दिल्ली के गालिब एकेडमी में अंतर्राष्ट्रीय अल्लामा इकबाल अवार्ड से उन्हें नवाजा जाएगा।

पांडुलिपि का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

जयपुर । राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं श्री वीरेश्वर वैदिक हेरिटेज एवं शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 11 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय पांडुलिपि प्रशिक्षण कार्यशाला आज से प्रारंभ हुई। श्री वीरेश्वर भवन, गणगौरी बाजार, जयपुर में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए अकादमी की अध्यक्ष डॉ. सरोज कोचर ने कहा कि राजस्थान संस्कृत अकादमी ने अपने स्तर पर राज्य में एक लाख पांडुलिपियों का पता लगाया है, इनमें खगोल, भूगोल, गणित रसायन और आयुर्वेद की दुर्लभ पांडुलिपियां सम्मिलित हैं। इसी प्रकार राज्य में कहीं भी किसी भी स्थान पर उपलब्ध पांडुलिपियों के लिए एक सर्वे प्रक्रिया के अंतर्गत अकादमी द्वारा एक गूगल फॉर्म अपनी वेबसाइट पर जारी किया गया है, गूगल फॉर्म भरने के पश्चात अकादमी पांडुलिपियों के संग्रहण, सूचीकरण, संरक्षण एवं डिजिटलाइजेशन का कार्य वृहद स्तर पर प्रारंभ करेगी। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी ने कहा कि पांडुलिपियां भारतीय ज्ञान विज्ञान की अमूल्य धरोहर हैं। इनमें निहित ज्ञान भारत को विश्व गुरु के रूप में पुनः स्थापित करने में सहायक होगा।

खालिद हुसैन प्रदेश सचिव नियुक्त

जयपुर (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन हरसहाय यादव ने चांदपोल में तोपखाने का रास्ता निवासी खालिद हुसैन को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। उन्हें यह नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव के निर्देश पर दी गई है।

सामूहिक विवाह समारोह 17 दिसंबर को

जयपुर (कासं)। शेखावाटी रंगरेजान वेलफेयर सोसायटी जयपुर की ओर से इज्तेमाई शादी (सामूहिक विवाह समारोह) 17 दिसंबर को होगा। कार्यकारिणी सदस्य इस्लाम कांमा वाला ने बताया कि आगामी 20 नवंबर को सुबह 10 बजे जयपुर में रामगढ़ मोड स्थित कर्बला में लग्न चाय-पानी होगा। इसके बाद 17 दिसंबर को सुबह 8 बजे निकाह की रस्म होगी।

जरूरतमंदों को जैकेट व राशन वितरित

जयपुर (कासं)। डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक शाह मस्ताना महाराज के 131वें जन्मदिवस का पावन भंडारा जयपुर ब्लॉक की ओर से विधाधरनगर स्टेडियम में धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां उत्तरप्रदेश के जिला बागपत स्थित शाह सतनाम जी आश्रम बरनावा से ऑनलाइन गुरुकुल के माध्यम से साध-संगत से रूबरू हुए। राजस्थान के 45 मैंबर कुलभूषण इन्सां ने बताया कि इस अवसर पर 777 जरूरतमंद बच्चों को जैकेट व ट्रैकशूट, 131 गरीब परिवारों को एक माह का राशन दिया गया। वहीं इस दौरान पूज्य गुरु जी ने साईं शाह मस्ताना जी महाराज से नाम शब्द लेने वाले पुराने सत्संगी बहन-भाईयों को प्रेम निशानी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आई हुई समस्त साध-संगत को मूंग का हलवा, गुलदाना सहित तीन प्रकार के प्रसाद भी दिए गए।

ARBiT
it happens here...

International Accounting Day

While accounting may seem like a boring profession, it's vital to every business out there. Without accountants, people won't get paid promptly nor be able to understand their debits and credits. Even with an accountant, these can still be hard to understand. Accounting is work that isn't something many people enjoy. Accountants enjoy the prospects of so much that they form their whole career around managing numbers and company finances. That's why, for those mathematicians out there in the industry, there is International Accounting Day to celebrate!

राष्ट्रदूत
THURSDAY
10 November 2022
A-B

#TRENDING

Beer O' Clock

With more and more microbreweries opening up in Jaipur, the city now has an eclectic mix of craft beers available. However, are the beer lovers embracing this new variant of beer or still sticking to the good old bottled ones? Let's find out.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Who doesn't love a good beer, especially on a hot day? It's chilled, it's fizzy, it's light..what's not to love? Till not so long ago, a beer lover in Jaipur had limited options to choose from. In fact, when I was studying in Delhi over a decade ago, the only thing my friends back in Jaipur asked me to bring them was cans of Budweiser beer.

Cut to April 2021. For the first time ever in the history of Rajasthan, licenses for microbreweries began to be given to hotels and clubs to set up their brewing equipment and manufacture their own beer. Forresta at Devraj Niwas was one of the pioneers in setting up a microbrewery in Jaipur and giving the beer lovers of Pink City their first sip of craft beer. Yes it's called craft beer and not draught beer, as most of us old school beer lovers would wrongly assume. Soon after, many more breweries sprung

up and now it is safe to say that beer lovers are spoilt for choice. In fact, if you are a craft beer lover, there is no better time than now to be in the Pink City as there is a brewery at a stone's throw from all prominent localities of the city.

Craft Beer vs. Draught Beer

Let's begin from the beginning. What exactly is craft beer? Craft beers are produced with the most premium quality ingredients in small batches by a small and independent brewery. Draught beers, which were quite popular over a decade ago, went through the processes of filtration and pasteurization and essentially made like regular canned or bottled beer but stored in a cask or pressurized kegs. Craft beers are usually made with traditional ingredients but now breweries are experimenting with a host of ingredients, colours, flavour profiles and not to forget, shapes of glasses.

The newest addition to the list of microbreweries in Jaipur has been at one of Pink City's popular party destinations, Diona. From German Wheat and Belgian Wheat to Pale Ales and the classic Lager, there is something to please everyone's palate. In fact, they recently also hosted the popular German style beer fest in which a special brew 'Oktober Marzen' was introduced for a limited time period. The innovation brewers can bring in from time to time is what really makes craft beer so sought after these days.

At a nascent stage in Jaipur

However, Namokar Jain, who is the Managing Partner (Founder) of Diona Jaipur, says that the craft beer is still at a nascent stage in Jaipur. "Many people still prefer bottled beer over craft beer. Those who have had exposure to craft beer in cities like Mumbai, Bangalore, etc. still like to experiment and try new varieties of beer. For those who order bottled beer, we send free samplers of our craft beer so that they cantry it out. Even though the prices for the latter are lower in our brewery than most other places, it will take another year or two for craft beer to become the mainstay of beer lovers in Jaipur. For those who do order craft beer here, Lager, Belgian Wit and fruit flavours like Mango are the most popular ones here."

Elevated Jaipur's F&B Scene

Having lived in Germany for several years, Aridaman Singh Rathore, a Jaipur-based restaurateur has had the opportunity to try some of the best beers in the world as well as attend the famous Oktoberfest. On being asked about the microbreweries and craft beer scene in Jaipur, he says: "With the introduction of craft beer and microbreweries to Jaipur's F&B scene, there is a lot of excitement to try out the new styles of beer. Two of my favorite places to have craft beer in Jaipur are SOUL & Forresta. The tasting options are good for people who want to try out all craft beer options available before settling for a favourite. The Belgian bite and Kokum beer at SOUL are my current favourites."

Not everyone's Mug of Beer

However, craft beer is not everyone's mug of beer. Nimit Mathur, a hotelier and the man behind opening 'Orca' – the first-ever Kingfisher beer lounge in the city back in 2009 says: "I don't mind trying different varieties of craft beer once in a while because of their freshness and flavours but I love my Kingfisher lager, Heineken and Budweiser. I am still quite old-school that way!"

At the end of the day, it's all about what makes you HOPPY!

Morally and legally the Hanification of the Tibetan population is genocide by another name. Linguistically, racially, culturally, and genetically the Tibetan are a different race from the Han Chinese and so are the Mongols, Manchurians, and many other ethnic minority groups . Millions of these minority races have been killed in the process of Hanification and yet the apologists of the Chinese amongst the Indian left and intelligentsia completely ignore this genocide and hold up the Maoist doctrine of governance and development as the ideal role model for the people of India to follow.

The 'Panipat' Of Ladakh (...2)

Maj Chandrakant Singh VrC *(Retd)*
Military Historian

#1962

One of the canards spread by the Chinese is that Tibet was always a part of China which in reality it never was; of course they had diplomatic, religious and trade relations which are but natural amongst neighbours. In fact the reality was the other way around, for large parts of its history large areas of China were under Tibetan suzerainty. Chinese claims on Tibet are premised on the fact that during the reign of the Mongol Emperor Changez Khan and his heirs particularly Kublai Khan when Marco polo visited China, Tibetan representatives were seen in the Court at Peking. At that time China itself was a part of the Mongolian Empire and Tibet and Mongolia have always had close relations which continue even till today and the relationship between Mongolia and Tibet was never between master and vassal. The Mongolians always acknowledged the Tibetans as their superiors and so if the same logic was to be applied, the Tibetans can claim to be masters of China.

Indo China War-Historical Backgraound

Much of Chinese claims are based on the Anglo-Chinese conventions of 1890 and 1893 some details of which were kept hidden from the public by the British authorities at the time and which even our present day scholars are unaware of. The facts of these conventions are that Durrand who represented British India was not negotiating directly with the Chinese. He was instead negotiating with another Englishman who represented the Imperial Chinese Customs Department. The British were keen to obtain further trading privileges in Hong Kong and Shanghai for opium and other goods. They were also demanding that the New Territories be added to Kowloon in Hong Kong. To obtain these very lucrative concessions Britain acknowledged China's non-existent limited suzerainty over Tibet which was of no economic value to them. The Chinese claim that diplomatic gifts received by them from neighbouring nations was tribute by a subject people is a canard, on the contrary the Chinese paid such huge sums as tribute to Tibet and Tibetan Monasteries that they ran out of gold and silver and were forced to introduce paper currency and made payments in bolts of silk cloth for their imports. The price of a horse was twenty bolts of silk cloth and that of a young and beautiful slave girl fifteen bolts! As recently as the installation of the present Dalai Lama the KMT Government of China under Chaing Kai-shek paid a tribute of 4,00,000 pieces of silver to Tibet. Masters do not pay tribute, only vassals do. The Chinese have always complained that the nation was bankrupted by the payment of tribute to Tibet and sometimes when the opportunity arose particularly during the long period of the minority years of newly installed Dalai Lamas which followed his installation whilst still a child when Tibet would be ruled by a regency council, they sent out expeditions to loot some of the monasteries located in the eastern border provinces of Tibet namely Kham and Amdo. Some of these expeditions resulted in disastrous defeats of the Chinese Armies.

The procedure that was followed on the death of a Dalai Lama for a successor to be appointed was unique and cumbersome. When an incarnation of the old Dalai was found and he was installed on the throne most likely at an age between three to five years this would be followed by several years of rule by a regency council, this system was a great weakness for it sometimes led to anarchy that was taken advantage of by the opponents of Tibet.

Morally and legally the Hanification of the Tibetan population is genocide by another name. Linguistically, racially, culturally, and genetically the Tibetan are a different race from the Han Chinese and so are the Mongols, Manchurians, and many other ethnic minority groups . Millions of these minority races have been killed in the process of Hanification and yet the apologists of the Chinese amongst the Indian left and intelligentsia completely ignore this genocide and hold up the Maoist doctrine of governance and development as the ideal role model for the people of India to follow.

Few people know that prior to the adoption of Buddhism as a state religion and its emphasis on ahimsa as a guiding principal for state policy and individual conduct the Tibetans were the most powerful and warlike people who dominated an immense swath of land starting from Western China, including Central Asia and right up to the Middle East. There were times when other armies entered Tibet but the cold and rarefied air of the high plateau of Central Tibet combined with stubborn resistance by Tibetans forced them into ignominious retreat leaving behind their horses and their dead. When the Chinese Army invaded Tibet in 1950 they found themselves short of food even after having ransacked the countryside of all food supplies. They would have starved to death like the earlier invaders had not Nehru agreed to supply huge quantities of rice from India via Jalep La Pass in Sikkim. This is at a time when India itself was suffering from food shortage.

In 1952 Nehru agreed to downgrade India's representation in Tibet to consul-general, implicitly conceding that Tibet's foreign relations were controlled by China. Two years later he agreed to withdraw the Indian Military posts and trade representative from the Chumbi Valley that had been established by Younghusband. During the hasty and ill planned withdrawal from Yatung several lives were lost including that of the Company Commander of the 2nd Battalion Jat Regiment Major Nagal the father of my friend Lt Gen BS Nagal the present Director of the Center for Land Warfare Studies the Indian army's premier think tank. With great difficulty and persuasion was a team from 1Mahratha Light Infantry under 2Lt Bulbul Brar allowed to proceed to Yatung and recover the bodies. (Gen Brar was later given the thankless task to clear the Golden Temple of terrorists) Nehru also had the telegraphic link to Lhasa and other facilities handed over to China.

> The three tier concept of defence of NEFA as formulated by Gen Umrao Singh was tactically sound. Had it been properly implemented, there would have been no question of our troops being caught off balance. As it was the troops and equipment that was required were not made available nor were the plans adhered to.

Lt Gen Umrao Singh.

Gen Umrao Singh in NEFA with his staff officers.

By all these actions he effectively not only gave up all Indian claims in Tibet but also surrendered Tibet's rights to have independent relations with the outside world. Our trade representatives at Kashgar, Gartok, Yatung and Gyantse were withdrawn cutting off our centuries old links to Tibet. The following year at the Bandung Conference whatever residual interests and rights that we had in Tibet were signed away on a piece of paper called the Panchsheel agreement.

A shameful act that has been kept hidden from the Indian public- In 1951 just after the relics of the Buddha's disciples which had been returned by UK had been exhibited in Gangtok and Kalimpong and are now housed at Sanchi. India not only facilitated the journey to Lhasa but played host to the newly appointed Chinese Military Governor of Tibet General Chang Chin Wu even after having received reports of atrocities being committed by the first batch of Chinese invaders led by General Liu Po Cheng. At this point in time access to Tibet from China was very difficult, so much so that the Chinese Military Governor of Tibet had to proceed to Lhasa via Calcutta and Sikkim like Younghusband before him. If one Chinaman found it difficult to go to Lhasa directly how much more difficult it would have been to move an entire Army and then support it.

Summary of events leading to the 1962 War:

(a) In October 1959, the Indo-Tibetan Border became the responsibility of the Army. This was as a result of Chinese aggressive action on Longju in NEFA and Kongkala in Ladhak.
(b) Rasing of XXXIII corps under Lt Gen Umrao Singh 1960
(c) The introduction of the 'forward policy' in 1961.
(d) The surrounding of the Galwan Post in Ladakh on 10 July and Dhola Post in NEFA on 8 Sep 1962.
(e) Raising of IV Corps under Lt Gen Kaul at Tezpur and reassignment of area of responsibility of XXXIII Corps under Lt Gen Umrao Singh.. 4 Oct 1962
(f) Outbreak of hostilities- 20 Oct 1962
(g) Ceasefire- 21 Nov 1962.

After the war, both the Defence Minister Krishna Menon and the Army Chief Gen Thappar resigned and their place taken by YB Chavan as Def Min and Gen JN Chowdhuri as Army Chief. The new Army chief on 14 Dec 1962 constituted an operational review under Lt Gen Henderson-Brooks and Brig PS Bhagat VC to go into the reverses suffered by the army, particularly in NEFA. Their report is still classified but parts of it have been leaked and are in the public domain on the internet. I have taken extracts of what is now in the public domain to show how the government pushed Army HQ to take actions for which the Army was not prepared and Army HQ instead of taking a firm stand, pushed HQ Eastern Command which in turn passed the buck to XXXIII Corps and Lt Gen Umrao Singh.

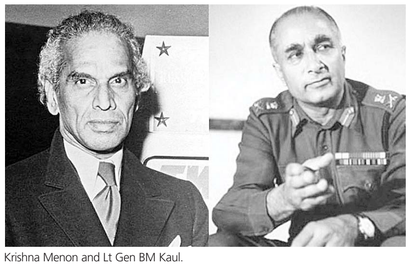

Krishna Menon and Lt Gen BM Kaul.

Here the buck stopped. Gen Umrao refused to be hustled and made his position clear that he would take action on the instructions only once his troops were ready and the preconditions he laid down fully met.

The extracts of the Henderson-Brooks report makes the position taken by Gen Umrao Singh clear:-

(a) The Defence Ministry, on the request of the Army Chief issued the following instructions:-The Army should prepare and throw the Chinese out, as soon as possible. The Army Chief was accordingly directed to take action for the eviction of the Chinese from NEFA.
(b) In November 1959 Policy to be followed by our forces which was based on the intelligence reports of the possible strength of Chinese forces, and this was approximately one division, in reality it was three divisions. Facing them was the newly raised xxxiii Corps under Lt Gen Umrao Singh with a force of one division responsible for Sikkim, Bhutan, NEFA (Arunachal) Burma and East Pakistan borders.
(c) Based on Army HQ intelligence summary of enemy strength Gen Umrao Singh made his own plans for the defence of NEFA. This was a three tier defence line. On the border itself small border outposts mainly manned by Assam Rifles, behind them regular army positions guarding vulnerable points to which if attacked the forward outposts could retreat and put up an organised resistance. In the rear of the vulnerable points would be the main defences on dominating features, manned by the army in strength and where the main battle would be fought and from where counter-attacks could be launched on the Chinese positions in Tibet.
(d) It was essential for Army HQ at this stage to carry out a major appraisal of the border situation and on the preparation and timing of the operation. They should not have allowed themselves to be hustled into ill-prepared operations that could only lead to disaster.
(e) Normal planning, detailed staff work and coordination, prerequisites of proper military functioning, balance and posture were progressively abandoned. It was more a question of acting on whims and suppositions. This had repercussions down the line; with the result our forces were ill-prepared to meet any military situation.
(f) Army HQ orders to the far flung and isolated posts were -if attacked they will fight it out and inflict maximum casualties on the enemy. 'Fight it out' to these far flung isolated and tactically unsound and uncoordinated small posts brings out vividly how unrealistic these orders were. It is orders like these which bring out, how out of touch with ground realty the authorities were.
(g) The three tier concept of defence of NEFA as formulated by Gen Umrao Singh was tactically sound. Had it been properly implemented, there would have been no question of our troops being caught off balance. As it was the troops and equipment that was required were not made available nor were the plans adhered to.

Panchsheel Agreement.

Conflict between Tibet & China.

The Defence Minister held a meeting and the border situation was reviewed. Gen Thappar considered that any action by us in Dhola area may result in a Chinese reaction in Ladakh.

Subsequent Events

(a) On 9 September HQ Eastern Command ordered XXXIII Corps to take firm action for 7 Brigade under Brig Dalvi to link up with Dhola out post. This order had little practical basis and seems hard to understand. When General Umrao Singh protested to the Army Commander Lt Gen LP Sen, he was told that that he had received these orders personally from the COAS Gen Thappar. However Gen UMRAO Singh would not be moved and said that he would move his troops only after proper reconnaissance and preparation. This was not taken kindly by his superiors.
(b) The Defence Minister held a meeting on 22 September 1962 and the border situation was reviewed. Gen Thappar considered that any action by us in Dhola area may result in a Chinese reaction in Ladakh. The Foreign Minister however was of the view that the Chinese would not react very strongly against us in Ladakh. The COAS was accordingly directed to evict the Chinese.

Gen Umrao Singh's superior Commanders, seeing that Gen Umrao Singh could not be hustled into taking military unsound actions, decided to replace him with a more compliant and ambitious general BM Kaul. Knowing well that the position taken by Gen Umrao Singh was militarily correct, they could not sack him, so they moved XXXIII Corps out of the theatre and raised a new Corps, IV Corps at Tezpur under command of Lt Gen Kaul. Kaul was from a non-fighting branch of the army and had spent his entire career in administrative and supply duties. But he was ambitious and close to Nehru, the result was as expected. In a month's time the Chinese had overrun the whole of NEFA and parts of Ladakh-it was a re-run of the several of the several Panipats we have suffered.

After some time General Umrao retired and returned to his home in Jaipur, denied future promotion but his honour intact- the only senior commander who did not kow-tow to his superiors and put the interests of the nation and the army first. After about thirty years of service he was free to indulge in his hobbies of playing the accordion and keeping connected to his friends world-wide on his ham-radio.

NOTE

Part 3 of the 1962 War account will cover the events and battles in NEFA. Of the people living now, I and maybe a couple more are perhaps the only ones still around who personally knew the key participants, Brigs Dalvi and Rawlley were former Commanding Officers of my battalion 4 Guards, Brig Hoshiyar Singh had served under my uncle in the Second World war and was the Deputy Commandant of NDA when I was a cadet and Brig RN Mishra was my 1971 Wartime brigade commander. In 1962 he was CO 9 Punjab at the Battle of Namkachu and managed to extricate the major part of his battalion as a fighting unit back to India. I have also walked over almost every inch of the ground where these tragic events were played out during the years 1969-70 just a few years after the war.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Indo-Tibetan Border Police.

THE WALL

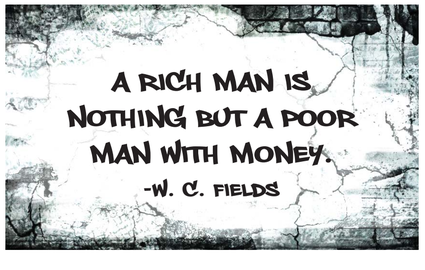

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

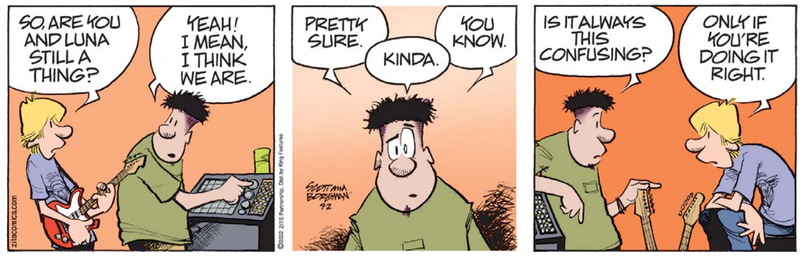

सीवरेज निर्माण में जुटी कंपनी ने सड़कों के पेचवर्क में लीपापोती बरती

घटिया क्वालिटी और घटिया सामग्री की भेंट चढ़ी सड़क, सड़क के निकले कंकर

डीडवाना, (निसं)। शहर में सीवरेज परियोजना के द्वितीय चरण का कार्य तेजी से जारी है। इसके तहत जगह जगह सड़कों को तोड़ा जाकर सीवरेज लाइन बिछाई जा रही है, वहीं क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत में लीपापोती

- **सड़क के क्षतिग्रस्त होने व गड्ढ़े होने से वाहन चालक हो रहे परेशान**
- **सालासर रोड पर सीवरेज निर्माण में जुटी कंपनी ने सड़कों के पेचवर्क में घटिया सामग्री का उपयोग किया**

सालासर रोड पर सड़क पर कई जगह से कंकर निकल रहे हैं।

बढ़ती जा रही है।

ऐसा ही मामला सालासर रोड पर सामने आया है जहां सीवरेज निर्माण में जुटी कंपनी ने सड़कों के पेचवर्क में भारी लीपापोती बरती है। कंपनी ने पेचवर्क में घटिया सामग्री का उपयोग किया जिससे सड़क 10 दिनों ही दिनों में फिर से उधड़ गई है। जानकारी के अनुसार डीडवाना के चुंगी नाका से सालासर रोड तक जाने वाली सडक पर पिछले दिनों सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य किया गया था। इस दौरान समूची सड़क अनेक स्थानों से क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। मगर लाइन बिछाने के बाद कम्पनी ने पेचवर्क में लीपापोती कर मरम्मत की इतिश्री कर दी। हालात यह है कि पूरी सडक से कंक्रीट पत्थर और कंकर निकलकर फैल गए हैं। इससे जहां वाहनों के टायर फूट रहे हैं, वहीं वाहनों के पार्ट्स को भी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा कंकरों के कारण कई दुपहिया वाहन चालक फिसल कर गिर चुके हैं और कई वाहन चालक चोटिल भी हो चुके हैं।

एलएनटी के अधिकारी सूरज सिंह का कहना है कि चूक हुई है इस सडक को जल्द दुरुस्त कर दिया जाएगा।

बालोतरा के लूणी नदी में हेलिकॉप्टर मंडराये, जांच शुरु

बालोतरा, (निसं)। समदड़ी कस्बे के पास स्थित लूणी नदी में बुधवार को पांच से छह हेलिकॉप्टर का मंडराना व दो का लैंडिंग करना चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक समदड़ी के नजदीक लूणी नदी के ऊपर बुधवार को अचानक पांच से छह सेना के हेलीकॉप्टर काफी देर आसमान में मंडराने के बाद अचानक दो हेलीकॉप्टर लूनी नदी में लेंडिंग को लेकर नीचे आ गए और अचानक लेंडिग करने से पहले ही वापस उडान भर ली। इस तरह हेलीकॉप्टरों को नीचे आते देख आसपास के लोग भी हेलीकॉप्टरों को देखने उमडने लगे। साथ ही अचानक लेंडिग की सूचना को लेकर पुलिस व

- **पांच से छह हेलिकॉप्टर का मंडराना व दो का लैंडिंग करना चर्चा का विषय बना**

प्रशासन जानकारी लगाने में जुट गया हैं। बताया जा रहा हैं कि इस तरह पहले भी सेना के हेलीकॉप्टर अभ्यास को लेकर जोधपुर से उडान भरने के बाद सीमावर्ती जिले बाडमेर में आते जाते हैं। लूणी नदी में पिछली बार भी हेलीकॉप्टर उतारने का प्रयास किया था। इस बार भी उतारने का प्रयास किया मगर एकदम नीचे लाकर वापस उडान भरकर बाडमेर की तरफ पांच से छह हेलीकॉप्टरों ने उडान भरी जो लोगों के बीच कोतुहल का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों द्वारा अलग-अलग बातें कही जा रही है। वहीं अधिकारियों को इसको लेकर कोई सूचना नहीं थी।

समदडी तहसीलदार हनवंत सिंह देवडा, थानाधिकारी दाऊद खान ने कहा कि हमारे पास इसके संबध में कोई जानकारी नहीं हैं। हो सकता है जोधपुर में सेना का युद्ध अभ्यास चल रहा है। इसलिए नजदीक सीमावर्ती बाडमेर जिले का समदडी क्षेत्र जोधपुर बोर्डर से सटा है। इसके लिए किसी कारणवश हेलीकॉप्टरों को लेंडिग कराने का प्रयास किया हो और यह भी युद्धभ्यास का हिस्सा हो। इसको लेकर प्रशासन व पुलिस जानकारी में जुटा हुआ है।

सर्पदंश से 7 वर्षीय बालिका की मौत

भुसावर, (निसं)। थाना भुसावर के गांव मजाजपुर निवासी एक 7 वर्षीय बालिका सर्प दंश का शिकार हो गई जिसे परिजन अचेत अवस्था में भुसावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाए जहां उपस्थित चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गांव मजाजपुर निवासी ऋषि की 7 वर्षीय बेटी आरुषि कृषि कार्य में लगी अपनी मां के साथ हाथ बंटा रही थी। तभी सर्प ने उसे दंश मार दिया। जिससे वह अचेत होकर गिर गई जिसे देख मां की चीख निकल पड़ी और मां ने उपस्थित परिजनों को बात बताते हुए तुरंत अचेत अवस्था में बेटी को भुसावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। जहां परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा का कांचीपुरम से शुभारंभ

जयपुर, (कासं)। श्री विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी भगवान परशुराम के अरुणाचल प्रदेश स्थित सबसे बड़े तीर्थस्थल से सम्पूर्ण देश को साक्षात करवाने के उद्देश्य से निकाली जा रही "परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा" बुधवार को कांचीपुरम से रवाना हुई। भगवान परशुराम के समरसतामूलक कार्यों के बारे में जन-जन को अवगत करवाने वाली इस यात्रा का संयोजन विप्र फाउंडेशन कर रहा हैं। यात्रा के लिए "अमृत भारत रथ" तैयार किया गया हैं जिसे आज आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित कांची कामकोटि मठ और कामाक्षी मंदिर से पूजन व वैदिक अनुष्ठान कर परशुराम कुंड क्षेत्र के विधायक कारिखो क्रि ने रवाना किया।

'परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा' कांचीपुरम से रवाना हुई।

भारत की विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने वाली इस 61 दिवसीय यात्रा का पहला चरण आठ जनवरी 2023 को जयपुर में पूरा होगा। जयपुर से ये यात्रा अन्य प्रदेशों में जन जागृति करते हुए अरुणाचल स्थित परशुराम कुंड तीर्थ पहुंच सम्पन्न होगी। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश होते हुए राजस्थान के जयपुर पहुंचने वाले इस अमृत भारत रथ के मुख्य सारथी तपोवन के स्वामी चिरंजीवी रामनारायण दास हैं। परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा के शुभारंभ अवसर पर विफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीकांत पाराशर, राधेश्याम सिखवाल, राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, राष्ट्रीय मंत्री हरिराम सारस्वत, तमिलनाडु के अध्यक्ष श्रवण वोहरा, महामंत्री किशोर शर्मा, रथ यात्रा समिति सदस्य सुरेश सारस्वत सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। पर्यटक के साथ मारपीट करने एवं रेस्टोरेंट में घुस कर पर्यटक व होटल मालिक के साथ मारपीट करने वाले दो आरोपियों को अम्बामाता थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 6 नवंबर को यम्मी योगा रेस्टोरेंट भीम परमेश्वर मार्ग चांदपोल निवासी विजेन्द्रसिंह पुत्र नारायणसिंह राठोड़ ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मैं हनुमान घाट के पास स्थित यम्मी योगा रेस्टोरेंट संचालित करता हूं। रोशन, मनीष व साथियों ने रेस्टोरेंट में आकर चाकूबाजी कर मारपीट शुरू कर दी। जिससमें मेरे रेस्टोरेंट का माहौल खराब हुआ तथा मै घायल हो गया। इसको देख आरोपी फरार हो गए। प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर के चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक अभिषेक शिवहरे के सुपरविजन में अम्बामाता थानाधिकारी रविन्द्र चारण के नेतृत्व में टीम ने अभियुक्त मनीष, रोशन पुत्र धर्मदास को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया।

सीएमएचओ के निरीक्षण में आठ कर्मचारी गायब मिले

झुंझुनूं, (निसं)। सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने बुधवार को विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. डांगी ने दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरजगढ़ औचक निरीक्षण करने पहुंचे। जहां पर आठ कार्मिक

- **अनुपस्थिति कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा**

हस्ताक्षर करने के बाद मौके पर अनुपस्थिति मिले। जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगते हुए चेतावनी दी गई।

सीएमएचओ ने बताया कि निरीक्षण में एएनएम सुनिला कुमारी, संतोष चौधरी, डीईओ राजेंद्र, संजना, अभिषेक एनएचएम लेखाकार झाबरमल, स्वीपर शंकरलाल व मुन्नीदेवी अनुपस्थिति मिले। सीएमएचओ डॉ. डांगी ने सीएचसी प्रभारी डॉ. हरेंद्र को समुचित साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए। साथ चिरंजीवी योजना में ज्यादा से ज्यादा मरीजों की टीआईडी बुक कर निशुल्क उपचार देने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने सभी कर्मियों को निर्देशित किया कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब रेगुलर औचक निरीक्षण किए जाएंगे। जिसमें फिर से अनुपस्थित मिलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी (बांये से प्रथम) ने विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया।

इससे पूर्व सीएमएचओ ने न्यू कॉलोनी डिस्पेंसरी और पुलिस लाइन डिस्पेंसरी का औचक निरीक्षण किया। जहां पर स्टाफ मौजूद मिला। डिस्पेंसरी पर नाम लिखवाने, साइन बोर्ड लगवाने सहित अन्य व्यवस्था सुधार के लिए निर्देश दिए।

अवैध रिश्ते में बाधक बन रहे बालक की हत्या में मां भी थी शामिल, गिरफ्तार

नागौर, (निसं)। अवैध रिश्ते में बाधक बन रहे एक 11 वर्षीय बालक की छोटीखाटू के समीप रेलवे ट्रेक पर हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में बुधवार को पुलिस ने मृतक बालक की मां को भी गिरफ्तार किया है। यह कलियुगी मां भी अपने 11 वर्षीय मासूम बेटे की हत्या में अपने प्रेमी के साथ शामिल थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कलियुगी मां को लाडनूं थाना क्षेत्र के गांव तितरी निवासी पाना कंवर पत्नी राजूसिंह रावणा राजपूत को गिरफ्तार कर लिया।

जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने बताया कि परिवादी चांदसिंह पुत्र कानसिंह रावणा राजपूत निवासी तितरी ने दी रिपोर्ट में बताया कि उसके

- **हत्या के मामले एक दिन पूर्व आरोपी को किया था गिरफ्तार**
- **पटरियों पर बालक का शव मिलने के बाद जांच में हुआ था खुलासा**

भाई राजूसिंह के 11 वर्षीय पुत्र नवदीपसिंह को 7 नवंबर को सीताराम पुत्र मदनलाल मेघवाल मोबाइल दिलाने का लालच देकर अपहरण कर ले गया था।

उसके बाद बालक का शव छोटीखाटू के आगे रेल पटरियों पर मिला। खुनखुना पुलिस शव को कब्जे में लेकर राजकीय चिकित्सालय बड़ीखाटू में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया था। हत्या का मामला संज्ञान में आते ही जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने डीडवाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विमलसिंह नेहरा व डीडवाना सीओ गोमाराम के सुपरविजन में लाडनूं थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह व खुनखुना थानाधिकारी बनवारीलाल के नेतत्व में दो टीमों का गठन कर प्रकरण का खुलासा करने के निर्देश दिए।

जिला पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी ने 11 वर्षीय बालक के अपहरण कर उसकी हत्या करने को गंभीर प्रवृत्ति का मामला मानते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस पर दोनों पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध सीताराम उर्फ सुरेश पुत्र मदनलाल मेघवाल निवासी छोटूखाटू को अनुसंधान के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर दस्तयाब कर पूछताछ की तो उसने बालक नवदीप सिंह का अपहरण कर हत्या करना स्वीकार कर लिया।

इस पर आरोपी सीताराम उर्फ सुरेश मेघवाल को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार मृतक का पिता विदेश में जॉब करता है। बुधवार को पुलिस ने बालक की हत्या में सहयोगी रही उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया।

पुष्कर। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला संपन्न होने पर जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कांस्टेबल को मिठाई बांटकर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस बार पुलिस के लिए पुष्कर मेला एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि अन्य मेलों के अलावा शासन यह मान रहा था कि इस बार भीड़ ज्यादा आएगी। हालांकी भीड़ ज्यादा नहीं आई। एसपी का यह मानना है कि राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं डीजीपी उमेश मिश्रा भी पुष्कर आए और यहां की व्यवस्था से संतुष्ट दिखे इसके बाद ब्रह्म घाट पर सिर्फ परीक्षण ट्रस्ट की ओर से उनका स्वागत किया गया। मेला सानंद संपन्न होने पर पुष्कर राज की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान पुरोहित संघ ट्रस्ट के विमल पाराशर उर्फ बादल बैजनाथ पाराशर सहित कई तीर्थ पुरोहित मौजूद रहे।

लाखों का माल हड़पा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने बैंगलोर की कंपनी के प्रबंधकों के खिलाफ लाखों का माल हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार पीडित कंपनी मैसर्स इस्प्रीट स्टोन प्रा. लि. उद्योग विहार सुखेर जरिये सिद्धांत लुणावत ने पुलिस थाने में बैंगलोर कर्नाटक स्थित वेस्टर्न ग्लोब वर्क प्लेस कंपनी के मंजू सिरसी, संजय पूरण, पंकीदास निवास, भरतनगा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि हमारी कंपनी आर्टिफिशियल क्वार्ट्ज बनाती है।

आरोपियों को दो वर्ष पूर्व 24 लाख 46 हजार 523 रूपये का माल भेजा था। निर्धारित समय पर आरोपियों ने नकदी का भुगतान नहीं किया। संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

नील गाय को बचाने में कार पलटी, एक की मौत

4 जने घायल, अस्पताल में भर्ती

हनुमानगढ़, (कासं)। पल्लू थाना क्षेत्र में नील गाय को बचाने के चक्कर में अल्टो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 4 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए हनुमानगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। दो घायलों को गंभीर हालत में बीकानेर रैफर कर दिया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार अल्टो गाड़ी में सभी एक ही परिवार के सदस्य सवार थे।

थाना प्रभारी एसआई गोपीराम ने बताया कि शीशपाल पुत्र मुलगर गौंसाई निवासी बरमसर ने थाने में मर्ग दी है। उसने बताया कि उसके पास एक अल्टो कार है। रमेश पुत्र पवन कुमार उसकी कार लेकर न्योलखी गांव से बरमसर जा रहा था। गाड़ी में उसके उसके माता-पिता, उसकी पत्नी और बेटा भी था। इस दौरान उनकी कार जैसे ही झेदासर से मायला के बीच पहुंची तो सड़क पर अचानक नील गाय आ गई और कार

- **अल्टो गाड़ी में सभी एक ही परिवार के सदस्य सवार थे**
- **पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा**

अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में पवन कुमार निवासी बरमसर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 4 अन्य लोग घायल हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में कमला देवी पत्नी पवन कुमार, रमेश कुमार पुत्र पवन कुमार, सुमन पत्नी रमेश कुमार, नवीन कुमार पुत्र रमेश कुमार घायल हो गए। उनको इलाज के लिए हनुमानगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर होने पर सुमन पत्नी रमेश और रमेश पुत्र पवन कुमार को बीकानेर रैफर कर दिया गया। कमला देवी व नवीन का हनुमानगढ़ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने पवन कुमार के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मजदूर की करंट से मौत

बीकानेर, (कासं)। अंडर ग्राउंड हाई वोल्टज लाइन कितनी खतरनाक हो सकती है। इसका उदाहरण देखने को मिला। लूणकरनसर में एक युवक जमीन की खुदाई कर रहा था तभी ग्यारह हजार केवी की लाइन की चपेट में आ गया। बुरी तरह झुलसे मजदूर को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। दरअसल कपूरीसर के पास भारतमाला इंटरचेंज पुल के नीचे से पाइपलाइन डालते समय 39 वर्षीय मजदूर लालदास इसकी चपेट में आ गया। कपूरीसर निवासी लालदास जल जीवन मिशन के तहत कपूरीसर के पास भारतमाला इंटर चेंज के नीचे खाई खोदकर पानी की पाइपलाइन डाल रहा था। बताया जा रहा है कि कपूरीसर की तरफ जाने वाली 11 हजार वोल्टेज लाइन जमीन से महज 1 से 2 फीट गहराई पर थी। इतनी कम गहराई पर बिजली की लाइन होने की संभावना नहीं थी। ऐसे में मजदूर उसकी खुदाई करता गया।

इसी बीच उसका औजार 11 केवी लाइन की चपेट में आ गया। जिससे करंट मजदूर तक जा पहुंचा। बताया जा रहा है कि आमतौर पर 6 फीट की जगह 3 फीट गहरी लाइन बिछाई जा रही है। कई जगह ये महज एक से दो फीट गहरी है।

उदयपुर में चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कांफ्रेंस 'नेपकोन-2022' का आगाज आज से

उदयपुर, (कासं)। चेस्ट विशेषज्ञों का 24वां चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस नेपकोन-2022 का आगाज गुरूवार से रविवार तक उदयपुर के गीतांजली मेडिकल कॉलेज और रबीन्द्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज में होने जा रहा है। नेपकोन-2022 की इस बार की थीम इनकरेज प्रिसिशन मेडिसिन है जिसका अर्थ है सही जांच करके सही दवा प्रदान करना। इतना बड़ी मेडिकल कांफ्रेंस दक्षिण राजस्थान में पहली बार हो रहा है। इस कांफ्रेंस में देश विदेश से लगभग 2200 श्वास रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे। पहले दिन गुरुवार को प्रात: 8 बजे से सायं 5 बजे तक आरएनटी मेडिकल कॉलेज में 13 विषयों पर वर्कशॉप का आयोजन किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस अंतर्गत 60 विदेशी डेलीगेट्स जिनमें 4 महाद्वीपों से 14 देश जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, एशिया, यूरोप इत्यादि प्रमुख हैं व लगभग 475 नेशनल फैकल्टी इसमें भाग लेंगे। इन वर्कशॉप्स में प्रतिभागीयों डॉक्टर्स को हैंड्स -ऑन- ट्रेनिंग भी दी जायेगी।

इस कांफ्रेंस का आयोजन डॉ. एसके लुहाड़िया विभागाध्यक्ष वक्ष एवं क्षय रोग विभाग, गीतांजली मेडिकल

उदयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कांफ्रेंस 'नेपकोन-2022' के संबंध में पत्रकार वार्ता में जानकारी दी गई।

कॉलेज की अध्यक्षता में गठित आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है। इस समिति में जे. पी. अग्रवाल मुख्य संरक्षक, डॉ. लाखन पोसवाल संरक्षक, डॉ. महेन्द्र कुमार बैनारा एव डॉ.अतुल लुहाड़िया आयोजन सचिव, डॉ. ऋषि कुमार शर्मा कोषाध्यक्ष, डॉ. गौरव छाबड़ा, डॉ. शुभकरण शर्मा, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. नितिन जैन, डॉ. महेश माहिच, डॉ.जी. एल. डाड, डॉ. दिवाक्ष ओझा आदि प्रमुख हैं। पत्रकार वार्ता में अंकित अग्रवाल(पैट्रन, नेपकोन-2022), डॉ. एफ एस मेहता (पैट्रन, नेपकोन- 2022), डॉ. लाखन पोसवाल (पैट्रन, नेपकोन- 2022), डॉ. एस.के लुहाडिया (आर्गेनाइजिंग चेयरमैन, नेपकोन- 2022), प्रतीम तम्बोली (सीईओ, गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल), डॉ. महेंद्र कुमार, डॉ. अतुल लुहाडिया, (आर्गेनाइजिंग सेकेट्री नेपकोन-2022), डॉ. जे.के छापरवाल (चेयरमैन मीडिया मैनेजमेंट कमिटी, नेपकोन-2022) आदि मौजूद रहे।

कांफ्रेंस का उद्घाटन सत्र गुरूवार सांय 7 बजे से 8.30 बजे तक गीतांजलि मेडिकल कॉलेज में रखा गया है इसमें डा. राजीव जैन - कुलपति राजस्थान यूनिवर्सिटी (जयपुर), डॉ. सुधीर भण्डारी-कुलपति राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (जयपुर) एवं प्रो. आई. वी. त्रिवेदी - कुलपति सुखाड़िया यूनिवर्सिटी (उदयपुर), जे.पी. अग्रवाल, चेयरमैन गीतांजली ग्रुप व चीफ पैट्रन, नेपकोन-2022 विशिष्ठ अतिथि होंगे। साथ ही एन.सी.सी.पी. के अध्यक्ष डॉ राकेश भार्गव, सचिव डा. एस. एन. गॉड, आई.सी.एस. के अध्यक्ष डा. डी. जे. रॉय , सचिव डा. राजेश स्वर्णकार एवं साइंटिफिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ.एस.के.कटियार आदि भाग लेंगे।

उद्घाटन सत्र में देश के चुनिंदा वक्ष रोग विशेषज्ञों को विभिन्न अवार्ड्स के साथ से सम्मानित किया जाएगा।

उक्त कांफ्रेंस में देश विदेश से ख्याति प्राप्त चेस्ट विशेषज्ञ भाग लेंगे। इनमें अमेरिका से डॉ. अतुल सी मेहता 'लंग ट्रांसप्लांट', डॉ. आशुतोष सचदेवा, डॉ. वैनकीम होल्डन 'मैनेजमेंट ऑफ न्युमोथोरैक्स', डॉ. पॉल ट्रेवलोस, इंग्लैण्ड से डॉ. एम. मुनावर, डॉ. राकेश पंचाल, होंगकोंग से डॉ. डेविड लैम, तुर्की से डॉ. नूरदन कौकतूर्क 'हाउ टू अप्लाई प्रिसिशन मेडिसिन इन सीओपीडी' एवं 45 अन्य विदेशी फैकल्टी व्याख्यान देंगी एवं भारत के दिल्ली एम्स के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ. रणदीप गुलेरिया इनसाइड स्टोरी ऑफ इंडोर एयर पलयूशन, पटेल चेस्ट इंस्टीटयूट के वर्तमान निदेशक डॉ. राजकुमार, पद्मश्री डॉ. दिगम्बर बोहरा भाग लेंगे।

निश्चित तौर पर टीम के सामने बहस का सिर्फ यही मुद्दा है। यह देखना रोचक होगा कि अंत में किसे मौका मिलता है। मुझे यकीन है कि बाकी टीम में कोई बदलाव नहीं होगा।

- एम.एस.के. प्रसाद

पूर्व भारतीय राष्ट्रीय चयनकर्ता, अंतिम एकादश में ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक के चयन को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव

भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल कर ली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार 869 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 190 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 225 रन बना चुके हैं। टूर्नामेंट में तीन अर्द्धशतक जड़ चुके सूर्यकुमार को जिम्बाब्वे के खिलाफ 25 गेंदों पर नाबाद 61 रन की विस्फोटक पारी खेलने के लिये प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

इतिहास दोहरने से सिर्फ एक कदम दूर पाकिस्तान

सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से मात दी

सिडनी, 9 नवंबर। पाकिस्तान ने फॉर्म में लौटे कप्तान बाबर आज़म (53) और मोहम्मद रिज़वान (57) के अर्द्धशतकों की बदौलत बुधवार को टी20 विश्व कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को सात विकेट से मात दी। न्यूज़ीलैंड ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 153 रन का लक्ष्य दिया, जिसे बाबर की टीम ने पांच गेंद रहते हुए हासिल कर लिया।

कप्तान बाबर और रिज़वान ने पूरे टूर्नामेंट के रनों के सूखे को सेमीफाइनल मैच में समाप्त करते हुए टी20 विश्व कप 2022 में पहली बार 50 रन का आंकड़ा छुआ। बाबर ने 42 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 53 रन बनाये, जबकि रिजवान ने 43 गेंदों पर पांच चौकों के साथ 57 रन का योगदान दिया। बाबर-रिजवान ने पहले विकेट के लिये 105 रन की शतकीय साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे प्रतिभावान युवा बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने 26 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाकर 26 रन बनाये, जबकि शान मसूद (03 नाबाद) ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाकर पाकिस्तान को फाइनल में पहुंचाया।

मेलबर्न में रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में पाकिस्तान का सामना भारत या इंग्लैंड में से किसी एक टीम से होगा। पाकिस्तान इससे पहले यूनुस खान की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2009 जीत चुका है। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में भी आमने-सामने थे, जहां महेंद्र सिंह धोनी के धुरंधरों ने मिस्बाह-उल-हक़ की टीम को हराया था। इसके अलावा भारत ने अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत भी पाकिस्तान को हराकर की थी। उल्लेखनीय है कि फाइनल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा, जहां पाकिस्तान ने इमरान खान की कप्तानी में एकदिवसीय विश्व कप 1992 का फाइनल खेलकर शीर्ष टूर्नामेंट जीता था। न्यूज़ीलैंड ने आज टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन उसने महज 49 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद डेरिल मिचेल (53 नाबाद) और केन विलियम्सन (46) ने 68 रन की साझेदारी करके कीवी टीम को मुसीबत से उबारा।

विलियम्सन ने अपनी 46 रन की पारी में 42 गेंदें खेलकर एक चौका और एक छक्का लगाया। दूसरी ओर, टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड के नायक रहे मिचेल ने यहां भी 35 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ 53 रन बनाये। इसके अलावा डेवन कॉनवे ने 21(20) रन जबकि जेम्स नीशम ने 12 गेंदों पर नाबाज 16 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान ने शुरुआती 10 ओवरों में न्यूज़ीलैंड को सिर्फ 59 रन बनाने दिये, लेकिन मिचेल-विलियम्सन की साझेदारी की मदद से न्यूज़ीलैंड ने अंतिम 10 ओवरों में 93 रन जोड़कर पाकिस्तान को सिडनी की धीमी पिच पर चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया।

पंत, कार्तिक दोनों सेमीफाइनल का हिस्सा होंगे : रोहित शर्मा

एडिलेड, 9 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक से जुड़ी बहस को विराम देते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में दोनों विकेटकीपर निश्चित रूप से खेलेंगे।

उल्लेखनीय है कि टीम में फिनिशर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक सुपर-12 के शुरुआती चार मैचों में एकादश का हिस्सा रहे थे, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछले मैच के लिये पंत को टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां संवाददाताओं से कहा, ऋषभ एकमात्र खिलाड़ी है, जिसे इस दौरे पर खेलने का मौका नहीं मिला था, सिवाय उन दो मैचों के जो हमने पर्थ में खेले। वह भी एक अभ्यास मैच था। हम उन्हें विकेट पर समय देना चाहते थे और सेमीफाइनल या फाइनल में बदलावों के लिये एक विकल्प भी रखना चाहते थे।

कार्तिक ने जहां अपनी तीन पारियों में 4.67 की औसत से रन बनाये, वहीं पंत जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ तीन रन का योगदान दे सके थे। उन्होंने कहा, यह हमारी रणनीति भी थी क्योंकि हम यह नहीं जानते थे कि जिम्बाब्वे के मैच के बाद हम किस टीम से सेमीफाइनल में खेलेंगे, इसलिए हम एक बाएं हाथ के बल्लेबाज को न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड के स्पिनरों स्पिनरों का मुकाबला करने का मौका देना चाहते थे। कल क्या होने वाला है यह मैं आपको आज नहीं बता सकता, लेकिन दोनों विकेटकीपर खेल का हिस्सा होंगे।

भारतीय कप्तान ने इस अवसर पर सूर्यकुमार यादव के विस्फोटक अंदाज की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें बड़े मैदानों पर खेलना पसंद है। सिर्फ 20 माह पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार भारत के प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भारत के लिये अपना पहला मैच इंग्लैंड के खिलाफ ही खेला था और सेमीफाइनल में भी भारत को इंग्लैंड का सामना करना है।

रोहित ने कहा, सूर्यकुमार इसी तरह बल्लेबाजी करना पसंद करता है, चाहे हमारा स्कोर 10/2 या 100/2 हो। वह बाहर जाकर खुद को अभिव्यक्त करना पसंद करता है और शायद यही कारण है कि वह पिछले (टी20) विश्व कप में टीम में था। हमारा विश्व कप बहुत अच्छा नहीं गया, लेकिन जैसा कि उसने विश्व कप के बाद प्रदर्शन किया है, उसके लिये कोई बंदिश नहीं है। उन्होंने कहा, उसने काफी परिपक्वता दिखाई है। उसने अपने खेलने के तरीके से बहुत से लोगों से दबाव हटाया है। जो लोग उसके साथ बल्लेबाजी करते हैं उनपर भी इसका असर पड़ता है।

इस हार को पचाना मुश्किल : विलियमसन

सिडनी, 9 नवंबर। न्यूज़ीलैंड के हताश कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में हार को पचाना आसान नहीं है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि बुधवार को यहां उनकी टीम कहीं बेहतर प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान को चुनौती देने के लिए पर्याप्त अनुशासित नहीं थी।

विलियमसन ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, "बेहद निराशाजनक है कि हम पाकिस्तान को कड़ी चुनौती नहीं दे पाए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हमें पछाड़ दिया। हमारे लिए इस हार को पचाना मुश्किल है। बाबर (आजम) और (मोहम्मद) रिजवान ने हमें दबाव में डाल दिया।"

पाकिस्तान ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के धीमे विकेट पर न्यूज़ीलैंड को चार विकेट पर 152 रन पर रोकने के बाद कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों से 13 साल बाद टी20 विश्व कप फाइनल में जगह बनाई।

विलियमसन ने कहा, "उन्होंने हम पर जल्दी दबाव बना दिया। पाकिस्तान ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। हम (डेरिल) मिशेल की अविश्वसनीय पारी के साथ कुछ लय वापस पाने में कामयाब रहे। हम महसूस कर रहे थे कि यह एक प्रतिस्पर्धी स्कोर है। इस विकेट पर खेलना थोड़ा कठिन था।"

सलामी बल्लेबाजों फिन एलेन (04) और डेवोन कॉनवे (21) के विकेट जल्दी गंवाने के बाद न्यूज़ीलैंड की टीम तेजी से रन नहीं बना सकी। विलियमसन (46) और मिशेल (53) ने चौथे विकेट के लिए 68 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। विलियमसन ने ने कहा, "अगर हम ईमानदार हैं तो हम और अधिक अनुशासित होना चाहते थे। पाकिस्तान निश्चित रूप से विजेता बनने का हकदार था। बहुत अच्छा क्रिकेट खेल गया।" पाकिस्तान के कप्तान बाबर ने जीत दर्ज करने के लिए अपने गेंदबाजों की सराहना की।

लेग स्पिनर हसरंगा बने टी-20 के नंबर एक गेंदबाज

दुबई, 9 नवंबर। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज वानिंदु हसरंगा ने टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में राशिद खान को पछाड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार हसरंगा 704 रेटिंग पॉइंट के साथ टी20 गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर हैं, जबकि राशिद 698 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि राशिद ने दो हफ्ते पहले ही ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड को पछाड कर शीर्ष स्थान काबिज किया था। हेजलवुड फिलहाल 690 अंकों के साथ तीसरे नंबर के टी20 गेंदबाज हैं। दूसरी ओर, भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 869 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 190 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 225 रन बना चुके हैं।

विराट को अभ्यास के दौरान लगी चोट लेकिन फिट, रोहित ने अपटन के साथ बिताया समय

एडीलेड, 9 नवंबर। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अभ्यास के दौरान मंगलवार को चोटिल होने के बाद बुधवार को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नेट अभ्यास के दौरान हर्षल पटेल की गेंद ग्रोइन के पास लगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को होने वाले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले टीम ने हालांकि उस समय राहत की सांस ली जब चोट लगने के कुछ ही मिनटों के बाद कोहली दोबारा मैदान पर अभ्यास करते हुए दिखे।

यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था जिसमें कोहली ने अलग-अलग नेट में 40 मिनट तक बल्लेबाजी की। उन्होंने शुरुआत में रघु से करीब 25 मिनट तक थ्रोडाउन लिया और फिर हर्षल तथा दूसरे नेट गेंदबाजों के खिलाफ अभ्यास किया। हर्षल की तेज गति की गेंद कोहली के कमर के अंदरूनी हिस्से में लगी जिससे वह थोड़े असहज दिखे। इसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर उनके पास पहुंचे। कोहली हालांकि इसके कुछ मिनटों के बाद ही 'स्पॉट जंपिंग (एक ही जगह पर कूदने का अभ्यास) करते हुए दिखे। इस दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन के साथ चर्चा करते देखा गया।

रोहित शायद अपनी बल्लेबाजी में आ रही मानसिक बाधा को दूर करने की कोशिश कर रहे थे। हरफनमौला हार्दिक पंड्या अपनी फिटनेस के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते। वह शायद पहले भारतीय क्रिकेट हैं, जिनके साथ एक निजी शेफ (रसोइया) दौरे पर गया है। पंड्या के शेफ आरिफ आमतौर पर उन शहरों में अपार्टमेंट में रहते है जहां भारतीय टीम होती है। वह पंड्या की जरूरत के मुताबिक पोषक आहार तैयार कर के टीम होटल में पहुंचाते हैं। आरिफ ने कहा, " मुझे यह सुनिश्चित करना होता है कि बड़े टूर्नामेंटों के दौरान खाने को लेकर उनकी सभी जरूरत पूरी हों। लंबे टूर्नामेंट के लिए फाइनल या अंत तक लगातार फिटनेस और ऊर्जा की जरूरत होती है और केवल अच्छा खाना ही यह सुनिश्चित कर सकता है।"

उन्होंने कहा, "हार्दिक मैचों के दौरान अपनी ताकत और शरीर की मांसपेशियों कीमजबूती बरकरार रखने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उसकी ऊर्जा में कमी नहीं आये। मैं नाश्ते से लेकर रात के खाने तक उनके पूरे आहार का ध्यान रखता हूं।"

राजधानी

'पायलट को सीएम नहीं बनाया तो कांग्रेस के विधायक एक फॉर्च्यूनर में आ जाएंगे'

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा का दावा, "राजस्थान में कांग्रेस के 10 से कम विधायक जीतेंगे"

जयपुर, (का.प्र.)। लंबे समय से अपनी अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए सचिन पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा है कि यदि सचिन पायलट को अब भी मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो सरकार रिपीट होने के चांस हैं। वरना एक फॉर्च्यूनर में कांग्रेस के सारे विधायक आ जाएंगे और मिलकर चारों धाम करेंगे। गुढ़ा के बयान को समर्थन देते हुए इस बयान के बहाने कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने एक बार फिर ब्यूरोक्रेसी को निशाने पर लेते हुए कहा है कि ब्यूरोक्रेसी ने ऐसा करने का पढ़ ले रखा है।

- **दिव्या मदेरणा ने लिखा, "नौकरशाही की कार्यशैली से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार को एक फॉर्च्यूनर में बैठाने का कोई अखंड संकल्प ले चुकी है"**

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने अपने बयान के जरिए चुनावों में कांग्रेस से 10 से भी कम विधायक जीतकर आने का दावा किया है। गुढ़ा ने कहा है कि सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाया तो चुनावों में कांग्रेस के एक कार में बैठने जितने ही विधायक जीतेंगे। गुढ़ा के बयान का कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने भी समर्थन किया। 25 सितंबर के बाद से ही राजेंद्र गुढ़ा और दिव्या मदेरणा कांग्रेस सरकार के खिलाफ तथा ब्यूरोक्रेसी को लेकर काफी मुखर है।

अपने ताजा बयान में राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट को बहुत पहले सीएम बना देना चाहिए था। पायलट को सीएम बनाने बहुत लेट हो गए। अब भी पायलट को सीएम बना दिया जाए सरकार रिपीट हो सकती है। अगर सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाया तो कांग्रेस के विधायक एक फॉर्च्यूनर में आ जाएंगे। उसमें बैठकर सारे विधायक सबसे पहले चार धाम की यात्रा करेंगे।

गुढ़ा का बयान सामने आने के बाद कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने उनका समर्थन किया है। गुढ़ा की ओर से दिए गए बयान वाले वीडियो को शेयर करते हुए दिव्या मदेरणा ने ट्वीट कर ब्यूरोक्रेसी पर निशाना साधा और लिखा, "नौकरशाही की कार्यशैली से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार को एक फॉर्च्यूनर में बैठाने का कोई अखंड संकल्प ले चुकी है।"

उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं होने और समानांतर बैठक के बाद तीन नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस मिले थे। अब डेढ़ महीना गुजर जाने के बावजूद इन तीन नेताओं पर किसी तरह की कार्यवाही नहीं हुई है। ऐसे में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से बयानबाजी नहीं करने की हिदायत की सीमा अब फिर से टूटने लगी है और सचिन पायलट खेमे के नेताओं के बयान एक बार फिर खुलकर आने लगे हैं।

पहली बार एसएमएस अस्पताल में हुआ स्टेम सेल प्रत्यारोपण

11 साल की बहन के खून से लाल कोशिकाएं निकाल कर 7 साल के छोटे भाई के प्रत्यारोपित की गई

जयपुर,(कासं)। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में पहली बार स्टेम सेल ट्रांसप्लांट किया गया है। इस दौरान करीब छह घंटे चले ऑपरेशन में डॉक्टरों ने 11 साल की बच्ची के खून से लाल रक्त कोशिकाएं निकालकर उसके कैंसर पीड़ित 7 साल के छोटे भाई के प्रत्यारोपित की है। फिलहाल दोनों बच्चों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि अलवर जिले के आंधी निवासी सात वर्षीय नक्श ब्लड कैंसर बीमारी से ग्रस्त है। वह एसएमएस अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग में भर्ती है। मरीज को लाल रक्त कोशिकाएं बनना बंद हो गई थी। उसे एप्लास्टिक एनीमिया कहा जाता है।

इस स्थिति में मरीज को स्टेम सेल प्रत्यारोपण की जरुरत थी। इसके लिए उसकी 11 साल की बहन नेहा को तैयार किया गया। उसकी आवश्यक जांचे करवाई गई। इसके बाद बुधवार को ट्रोमा सेंटर में ट्रान्सफ्यूजन मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित शर्मा के निर्देशन में नेहा ने भाई के लिए रक्त कोशिकाओं का डोनेशन किया।

- **ट्रांसफ्यूजन की पूरी प्रक्रिया में करीब 6 घंटे का समय लगा**

मरीज की बहन के शरीर से पूरा खून निकालकर 200 पैरिफिरल ब्लड स्टेम सेल लिए गए। इसे छोटे भाई की बॉडी में ट्रांसफ्यूजन किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 6 घंटे का समय लगा। इस दौरान एसएमएस मेडिकल कॉलेज के इम्यूनो हेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन डिपार्टमेंट के डॉक्टरों की टीम लगातार मॉनिटरिंग करती रही। साथ ही इस पूरी प्रक्रिया के दौरान ऑन्कोलॉजी और एनेस्थीसिया डिपार्टमेंट से भी डॉक्टर्स की टीम मौजूद रही। इसमें सबसे ज्यादा डर डोनर के लिए रहता है। डोनर के पूरे शरीर का ब्लड बाहर लेकर उसमें से जरूरी कॉम्पोनेंट्स को बाहर निकाला जाता है। फिर वापस ब्लड चढ़ाया जाता है। इस दौरान डोनर के बीपी, हार्ट फेलियर, अचानक कैलशियम की कमी होने समेत कई तरह के समस्या आने की आशंकाए रहती है। अब बच्चे और डोनर दोनों पर 4-5 दिन तक रेगुलर मॉनिटरिंग की जाएगी। दोनों को ऑन्कोलॉजी वार्ड में शिफ्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह ट्रांसप्लांट राज्य में किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं हुआ है। यह मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना के तहत पूरी तरह नि:शुल्क किया गया।

ऐसे मरीज का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 30 लाख रुपए तक का खर्च आता है। इस बीमारी में जो मरीज और डोनर होता है, उसे कुछ दिन ऐसी दवाईयां दी जाती हैं, जो बहुत महंगी होती है। डोनर को दी जाने वाली दवाईयों से उसके बोन मेरो सिस्टम की वर्किंग सिस्टम को बढ़ाया जाता है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर और डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि जिस बच्चे का आज स्टेम सेल ट्रांसप्लांट किया गया वह 8 महीने पहले बीमार हुआ था। जांच में पता चला कि उसे प्योर रेड सैल एप्लासिया नाम की बीमारी हुई है। इसमें मरीज के बोन मेरो सिस्टम में रेड ब्लड सैल बनना बंद हो जाता है। इससे मरीज को 4-5 दिन में खून की जरूरत पड़ने लगती है। ये बीमारी एक तरह से थेलेसीमिया जैसी ही होती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने जनता के साथ नंगे पांव चलकर किया पैदल मार्च

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी आमेर शहर की टूटी सड़कों, पेयजल आपूर्ति, मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं से संबंधित, सफाई एवं रोड लाइट्स व फेज वायर संबंधित मांगों को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं आमेर विधायक डॉ. सतीश पूनिया ने स्थानीय जनता व कार्यकर्ताओं के साथ नंगे पांव पैदल मार्च किया।

डॉ. पूनिया कुण्डा तिराहे से आमेर तहसील तक लगभग तीन किलोमीटर जनता के साथ पैदल चलकर आमेर तहसील पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर टूटी सड़कों को बनाने और पेयजल आपूर्ति सहित विभिन्न मांगें पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि, अगर यह मांगें पूरी नहीं होती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पूनिया ने कहा कि आमेर शहर की प्रमुख सड़क जो तहसील कार्यालय से कुण्डा तक लगभग तीन किलोमीटर की है, वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर है। यहीं पर हैरिटेज साइट भी है, जिसके कारण देशी-विदेशी पर्यटकों का इस सड़क पर निरंतर आवागमन बना रहता है और स्थानीय लोगों को भी बड़ी परेशानी होती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बुधवार को आमेर की समस्याओं को लेकर पैदल मार्च किया।

पूनिया ने कहा कि निगम, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पत्र एवं दूरभाष द्वारा उक्त सड़क के निर्माण हेतु कई बार वार्ता कर अवगत करवाया है, परंतु सड़क जर्जर हालात में है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा 2021-22 के अन्तर्गत नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र की सड़कें तहसील ऑफिस से कुण्डा मोड तक बनवाने की घोषणा की थी, लेकिन वह घोषणा करने के बाद भी इस सड़क को बनाने के प्रति उदासीन हैं और मुख्यमंत्री आमेर के विकास कार्यों को लेकर निरंतर भेदभाव कर रहे हैं।

- **विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी आमेर शहर की टूटी सड़कों को बनवाने की मांग**

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन को 4 साल होने जा रहे हैं, लेकिन सरकार ना तो पानी दे रही है, ना सड़कें बना रही है और पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति सबके सामने है, मैंने विधायक कोष से आमेर शहर में कैमरे लगवाने के लिए पैसे दिए, लेकिन वह कैमरे भी अभी तक नहीं लगाए हैं।

पैदल मार्च में जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, हरदेव यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भगवान शर्मा, मण्डल अध्यक्ष दौलत सिंह शेखावत सहित स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिवों को जिलों में भेजा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में ब्यूरोक्रेसी को लेकर मंत्री-विधायकों की ओर से हमलावर रुख लगातार जारी है। पिछले 6 महीने में अधिकारियों को लेकर कांग्रेस के कई विधायकों ने तीखी बयानबाजी की है कि अधिकारी सुनते नहीं हैं। वहीं वहीं मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और राजेंद्र गुढ़ा ने आईएएस अधिकारियों की एसीआर भरने की मांग भी उठाई है। तमाम बयानबाजी के बीच अब राजस्थान सरकार के सचिवों को जिलों का प्रभारी लगाकर उन्हें 3 दिन तक जिलों में भेज दिया गया है। 3 दिन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन सचिवों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर जिलों का फीडबैक लेंगे। खास बात यह है कि सचिवों को विशेष रूप से कहा गया है कि जिलों में जाने की औपचारिकता नहीं निभाएं, बल्कि विधायक या अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करें और सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की क्या स्थिति है, उसके बारे में भी पूरी जानकारी करें।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे पर जाने से पहले प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी सचिवो को जिलों में रवाना होने के आदेश दिए थे। ऐसे में सभी प्रभारी सचिव बुधवार शाम को जिलों के लिए रवाना हो गए।

'कांग्रेस कार्यकर्ता के भरोसे सत्ता में आती है, मंत्री-विधायकों के भरोसे हार जाती है'

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव तथा युवक कांग्रेस के पूर्व महासचिव रहे नवीन यादव ने कांग्रेस सरकार बनाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भूमिका रहने तथा बाद में मंत्री-विधायकों के रवैये के कारण पार्टी की हार को लेकर निशाना साधा है।

- **प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव तथा युवक कांग्रेस के पूर्व महासचिव ने साधा निशाना**
- **'कांग्रेस में सिटिंग गैटिंग फार्मूले से सभी को फिर टिकट बिना आंकलन के दे दिया जाता है'**

नवीन यादव का कहना है कि राजस्थान में कांग्रेस जब विपक्ष में रहती है, तो कांग्रेस कार्यकर्ता सम्पूर्ण क्षमता से राजस्थान की जनता से जुड़ाव रखकर कार्य करता है। चुनावों में कांग्रेस को बहुमत दिलाने के लिए दिन-रात मेहनत कर कामयाब होता है। इस दौरान विधानसभा चुनाव में पहले तो टिकट बंटवारों में और फिर सत्ता आने पर मुख्यमंत्री से मिलकर विधायक, मंत्री कार्यकताओं को हाशिए पर पटक देते हैं।

यादव ने कहा कि वर्ष 1998 से यही सिलसिला चलता आ रहा है। इस नई परम्परा से कार्यकर्ताओं में निराशा का भाव पैदा होता जा रहा है। इसके बाद पार्टी सत्ता में रहते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नहीं बल्कि नेताओं, विधायक, मंत्री के भरोसे चुनाव में जाती है और वहाँ कांग्रेस फिर चुनाव हार जाती है। कांग्रेस के लगभग 80 प्रतिशत मंत्री व विधायक चुनाव हार जाते है, क्योंकि कांग्रेस द्वारा सिटिंग गैटिंग का फार्मूला लाकर सभी को पुन: टिकट बिना आंकलन के दे दिया जाता है।

संक्षिप्त

विशाखा ने नाम रोशन किया

बहरोड़/अलवर, (निसं)। राठ की बेटी विशाखा पुत्री सहदेव यादव का भारतीय रिजर्व बैंक में अधिकारी के पद पर चयन हुआ है। जिसमें विशाखा ने भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में ग्रेड बी ऑफिसर के पद पर नियुक्ति का गौरव प्राप्त किया। अलवर जिले के नीमराणा तहसील के गांव कान्हावास की बेटी विशाखा यादव ने भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया डायरेक्ट रिक्रूटमेंट परीक्षा में ऑल इंडिया लेवल की कुल 236 में से 105 वी रैंक प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है।

छात्राओं को स्वच्छता की जानकारी दी

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। चौंमू बाईपास रोड पर स्थित पीयूष कॉलेज में प्रयास फाउंडेशन के तत्वावधान में अभियान 'छोड़ो लाज खुलकर करो बात' के अन्तर्गत सेमीनार आयोजित किया गया। सेमीनार में डॉ. शिखा मील ने 375 से अधिक छात्राओं को स्वच्छता एवं महावारी के विषय में जानकारी दी। सेमीनार में छात्राओं को स्वयं के पोषण , खान - पान के महत्व पर बताया गया ।वहीं उपस्थित सभी छात्राओं को प्रयास फाउंडेशन की और से निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन भी वितरित किये। पीयूष कॉलेज की प्रबन्ध निदेशक नीलम शर्मा ने प्रयास फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. शिखा मील को मोमेन्टो (प्रतीक चिन्ह) भेंटकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

रामनिवास महामंत्री नियुक्त

पावटा, (निसं)। कांग्रेस अन्य पिछडा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव ने पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया। नियुक्ति पर प्रदेश के कई नेताओं ओर पदाधिकारियों ने बधाई दी। पावटा सोनी समाज अध्यक्ष संतोष सोनी, सैनी समाज से गोकुल सैनी पूर्व सरपंच, पूर्व सरपंच मालीराम कुमावत, जांगिड समाज अध्यक्ष भागीरथ मल, जिला सरपंच संघ अध्यक्ष मेहरसिंह धनकड, यादव समाज पावटा अध्यक्ष भैरू लाल यादव, विराटनगर यादव समाज अध्यक्ष रमेश खोला, गोरधनपुरा सरपंच रघुवीर यादव आदि ने दूरभाष के जरिये बधाई दी।

30 घंटे बाद बनी सहमति, धरना हुआ समाप्त

- मंडा ग्राम के युवक की हत्या का मामला

खाटूश्यामजी, (निसं)। थाना अंतर्गत मंडा ग्राम के युवक की हत्या के मामले में 30 घंटे बाद जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के वार्ता के बाद बनी सहमति से धरना समाप्त हो गया।

धरना स्थल से 9 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल ने वार्ता में अपना पक्ष रखा। मृतक की पत्नी रीटा कंवर को खाटूश्यामजी नगरपालिका, भूमि विकास बैंक या आंगनबाड़ी में से किसी एक में संविदा पर नौकरी, पीड़ित प्रतिपक्ष योजना के तहत 5लाख रूपए का सहयोग, मुख्यमंत्री सहायता कोष से सहयोग से आर्थिक सहायता, पालनहार योजना सहित सभी पर एक महीने में कार्रवाई पर सहमति बनी। हत्या की जांच एएसपी रतन लाल भार्गव करने पर समझौता बना। सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर घोषणा की तब जाकर धरना समाप्त हुआ।

खाटूश्यामजी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर दांतारामगढ़ न्यायालय में पेश किया गया। न्यायाधीश ने सभी आरोपियों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेजने के आदेश दे दिए गए। आरोपी शंकरलाल अग्रवाल उसकी पत्नी सुनीता उर्फ वसुंधरा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, महेंद्र सिंह शेखावत व विकास नायक से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि 12 जुलाई को श्रवण सिंह शेखावत लापता हुआ था और परिजनों ने अपहरण का नामजद मुकदमा के लिए शिक़ायत दी थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की उसी दिन आरोपियों ने श्रवन सिंह की हत्या कर शंकर अग्रवाल के मकान के पीछे बने गटर की कुई में शव को डालकर उस पर नमक व मिट्टी डालकर कुई को बंद कर दिया गया था। पुलिस के बीट कांस्टेबल राजेंद्र सिंह के साथ सतर्कता बरतते हुए आरोपियों को हिरासत में लेकर कठोरता से पूछताछ की तो आरोपी टूट गए। हत्या करने का जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर ही मृतक के कंकाल हड्डियों को गटर की कुई से निकाला गया।

खाटूश्यामजी थाना के मंडा ग्राम के युवक की हत्या के मामले में 30 घंटे बाद जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन की वार्ता के बाद बनी सहमति से धरना समाप्त हो गया।

वार्ता में पूर्व विधायक अमराराम, गोगावास सरपंच प्रभु सिंह शेखावत, उपसरपंच हनुमान सिंह, सरपंच प्रतिनिधि व मृतक के रिश्तेदार वार्ता टीम में सुझाव रखें जिसमें एडीएम रतन कुमार, एएसपी रतनलाल भार्गव,उपखंड अधिकारी प्रतिभा वर्मा, तहसीलदार विपुल चौधरी, रींगस डीवाईएसपी विजय सिंह,थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव, दांतारामगढ़ थाना अधिकारी मदन लाल कड़वासरा से वार्ता हुई।

युवक का छह दिन बाद खाई में मिला सड़ा गला शव

- परिजनों ने कराया हत्या का मामला दर्ज, चार जनों को लिया हिरासत में
- युवक 4 नवंबर को शादी समारोह के लिए घर से निकला था

मालपुरा, (निसं)। केकडी थाना क्षेत्र के बघेरा गांव की हरीरामपुरा कॉलोनी निवासी जीतराम पुत्र नानूलाल गुर्जर जो कि शादी समारोह के लिए घर से निकला था। जिसका छह दिन बाद लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के देवल से दतोब सड़क मार्ग पर दाताजी के पास खाई में सड़ा गला शव मिलने पर परिजनों ने लाम्बाहरिसिंह थाने में हत्या का मामला दर्ज करवाया।

बुधवार को जरिए राहगीरों के लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस को दाताजी के पास सड़क किनारे खाई में एक कार लावारिस पड़ी होने तथा कार से सडांध उठने की मिली सूचना पर एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, थानाधिकारी भागीरथ सिंह मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे।

घटना स्थल पर एकत्रित ग्रामीणों के सहयोग से कार को खाई से बाहर निकाला गया। कार से उठती संडाध पर कार की की गई जांच में सडा गला युवक का शव मिला। कार से बरामद दस्तावेजों के आधार पर शव की शिनाख्त बघेरा निवासी जीतराम गुर्जर के रूप में की गई। परिजनों को दी गई सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर जमा भीड़ में शामिल ग्रामीणों ने परिजनों को बताया कि वो आसपास खेतों में काम करते हैं। लेकिन इस गड्डे में यह कार तथा दुर्गन्ध मंगलवार तक नहीं आ रही थी। जिसपर मृतक के पिता व परिजनों ने जीतराम की हत्या कर साक्ष्य मिटाने तथा दुर्घटना में तब्दील करने की नियत से कार व शव को खाई में डाल जाने का अंदेशा जता हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

जीतराम जो कि 4 नवम्बर से लापता था। केकडी थाने में गुमशुदा का मामला दर्ज करवाया गया था। मंगलवार की मध्य रात्रि बाद दो मिनट के लिए मोबाईल ऑन होकर पुनः स्वीचऑफ हो गया। शव से उठ रही दुर्गन्ध व निकल रहे कीडों के आधार पर शव पांच-छह दिन पुराना होना पुलिस मान रही है तो मंगलवार की रात को मृतक का फोन स्वीचऑफ मोबाईल दो मिनट के लिए ऑन किसने किया।

वहीं परिजनों ने बताया कि उक्त मामले में केकडी पुलिस ने चार जनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस सभी पहलूओं की बारीकी से जांच कर रही है।

एन.सी.सी. भर्ती रैली आयोजित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को एन.सी.सी. विभाग सीकर द्वारा भर्ती रैली का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र सैनी ने बताया कि 3 राज. बटालियन सीकर द्वारा इस भर्ती का आयोजन किया गया था। इस भर्ती का आयोजन कमान अधिकारी कर्नल अजयसोराम (सीओ) के सानिध्य में किया गया। भर्ती टीम के सदस्य में सूबेदार अवतार सिंह, सी.एच.एम नबाब अली, हवलदार सब्बीरअली, हवलदार सुभाषचंद मीणा के सानिध्य में इस भर्ती का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम दौड़,फिजिकल टेस्ट, पुशअप-डिप्स का आयोजन किया गया एवं मेडिकल के पश्चात लिखित परीक्षा व् साक्षात्कार का आयोजन किया गया।

समापक, प्रताप नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर एवं निरीक्षक कार्यालय उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)

क्रमांक: SP-01 **आम सभा की सूचना** दिनांक: 09.11.2022

प्रताप नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि.,जयपुर के सदस्यों के द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर समापक द्वारा निर्णय लिया गया कि समिति की आमसभा की बैठक का आयोजन दिनांक 28.11.2022 को प्रातः 11.00 बजे, 09, सिन्धी कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर में किया जायेगा, जिसमें समिति के अवसायन के संबंध में विचार किया जायेगा। समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित समय पर उक्त स्थान पर आम सभा में उपस्थित होवें। कोरम के अभाव में स्थगित आमसभा पुनः01 घण्टे बाद आयोजित होगी। (नवनीत सैनी), समापक, प्रताप नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री शिवराम मोदी पुत्र स्व. श्री रामेश्वर लाल मोदी उम्र 68 वर्ष जाति महाजन निवासी ग्राम कालाडेरा, जयपुर (राज.) के पुत्रो विमल प्रकाश पुत्र श्री शिवराम मोदी एवं नीरज कुमार पुत्र श्री शिवराम मोदी मेरे अभिभाष्य के कहने सुनने में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्य ने प्रति कृतज्ञ नहीं हैं। इसलिये मेरे अभिभाष्य ने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से दिनांक 19-10-2022 को बेदखल कर दिया है। यदि कोई भी व्यक्ति/ संस्था इत्यादि विमल प्रकाश पुत्र श्री शिवराम मोदी एवं नीरज कुमार पुत्र श्री शिवराम मोदी से किसी प्रकार का संव्यवहार करता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं की होगी एवं समस्त बैंक ऋण एवं अन्य व्यक्ति से लिये गये ऋण का जिम्मेदार विमल प्रकाश पुत्र श्री शिवराम मोदी एवं नीरज कुमार पुत्र श्री शिवराम मोदी स्वयं होंगे। मेरा अभिभाष्य किसी प्रकार का जिम्मेदार नही होगा एवं विमल प्रकाश पुत्र श्री शिवराम मोदी एवं नीरज कुमार पुत्र श्री शिवराम मोदी को चल अचल संपति का हिस्सा देकर अलग कर दिया है। अब भविष्य में इनसे मेरे अभिभाष्य का चल अचल संपति से बेदखल कर कोई वास्ता नही होगा। अतः सूचित रहें नवीन कुमार शर्मा (एडवोकेट)
जयपुर. दिनांक:9-11-22 मो. 8290973119

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्रीमती नीतू मुर्जनी, कन्हैयालाल एवं चन्दन शर्मा ने काला भवन नाहरगढ रोड चांदपोल बाजार, जयपुर में स्थित मकान नम्बर 358 के पश्चिमी हिस्से को दिनेश काला से क्रय करने हेतु विक्रय इकरार किया है। यदि किसी भी व्यक्ति को इसमें कोई आपत्ति है तो सूचना प्रकाशित होने के सात दिवस में अपनी आपत्ति मेरे को या मेरे अभिभाष्यगण को आकर प्रस्तुत कर दें। अन्यथा बाद गुजरने मियाद मेरे अभिभाष्यगण उक्त मकान का विक्रय पत्र तस्दीक करवाने में स्वतंत्र होंगे एवं आपकी आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी। सूचित रहें।
(हरिनारायण शर्मा) एडवोकेट
मो.नं. 8003712538

जनहित के कामों को त्वरित पूरा करें: बंसल

टोंक, (निसं)। जिला प्रमुख सरोज बंसल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला परिषद सभागार में साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई।

इस दौरान टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, टोडारायसिंह-मालपुरा विधायक कन्हैया लाल चौधरी, जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, उप जिला प्रमुख आदेश कंवर, सीईओ देशलदान, एएसपी भवानी सिंह राठौड, पंचायत समिति के प्रधान, उपजिला प्रमुख आदेश कंवर. जिला परिषद सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि साधारण सभा की बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने क्षेत्र के जो भी मुद्दे उठाए जाते है, वे सीधे जनहित से जुडे होते हैं।

अधिकारी जनहित के कामों को त्वरित गति से पूरा कर आमजन को राहत प्रदान करें। पात्र व जरूरतमंद व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले यह हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने कृषि विभाग के अधिकारियों से जिले में किसानों को खाद वितरण की ठीक से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि जिले में कोई भी विद्यालय शौचालय, पेयजल एवं विद्युत कनेक्शन रहित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए जिला प्रशासन एवं उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाकर सकारात्मक कार्रवाई करें।

टोडारायसिंह-मालपुरा विधायक कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि अधिकारी आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनकर उसका समाधान करें। उन्होंने कृषि अधिकारियों को नैनो यूरिया के फायदों के बारे में किसानों को जागरूक करने पर जोर दिया।जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सभी अधिकारियों को नियमानुसार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को नियत समय पर लाभ दे।

भूरी भड़ाज में दिखी पैंथर की गतिविधि

कोटपूतली/पावटा, (निसं)। विगत दिनों क्षेत्र के ग्राम कांसली, कुजोता, शुक्लावास आदि में पैंथर (तेंदुए) की चहल कदमी के समाचार सामने आये थे। क्षेत्र में लगातार पैंथर देखे जाने की सूचना पर लोगों में भय का माहौल है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के बिगडने एवं वन विभाग, पुलिस प्रशासन के लिए भी बड़ी चुनौती है। इससे वन्य जीवों के साथ-साथ आमजन के जीवन को भी खतरा है। ऐसा ही कुछ बुधवार को निकटवर्ती ग्राम पंचायत भूरी भड़ाज की ढ्राणी समदावाली व थोरावाली से गुजर रही नहर के आसपास देखा गया।

जहां एक पैंथर (तेंदुए) की मुवमेंट से हड़कम्प मच गया। पूर्व पंसस व उड़ान टीम संयोजक हरिद्वारी लाल स्वामी ने बताया कि विगत रात्रि ग्रामीणों ने नहर के आसपास खेतों में एक पैंथर (तेंदुए) की चहल कदमी देखी। सूचना मिलते ही हरिद्वारी लाल स्वामी भी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त कर उक्त सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी। हालांकि तेंदुए मिलने की सूचना से क्षेत्र में दिन भर चर्चाओं का माहौल रहा।

'प्रतिबंधित क्षेत्र में बजरी खनन से बिगड़ सकती है कानून व्यवस्था'

टोंक, (निसं)। सुप्रीम कोर्ट की रोक हटने के बाद टोंक तहसील क्षेत्र के बोरदा, अहमदपुरा, लहन गांव में बनास नदी में लीज क्षेत्र के बाहर प्रतिबंधित क्षेत्र में बजरी का खनन किए जाने की शिकायत को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम बुधवार को जिला कलेक्टर को सौंपा है।

टोंक पंचायत समिति के उपप्रधान रामकेश मीणा के नेतृत्व में लामबंद हुए ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी क्षेत्र में बजरी खनन की लीज पहले से ही जारी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिर से खनन शुरू किया है, लेकिन बनास नदी में बजरी खनन के लिए जारी खसरा नम्बर 1, 2, 11, 12, 13 व 20 के बाहर बजरी का खनन किया जा रहा है। जहां के लिए सरकार ने लीज जारी नहीं की है। कुल 571 बीघा 4 बिस्वा क्षेत्र में ही खनन किया जा सकता है, जबकि खनन इसके बाहर बनास नदी में प्रतिबंधित स्थान पर किया जा रहा है। ग्रामीण जब इसका विरोध करते हैं तो वहां मौजूद हथियारबंद लोग उन्हें डरा रहे हैं। उपप्रधान ने बताया कि बनास नदी में प्रतिबंधित स्थानों पर बजरी का खनन बंद नहीं किया गया तो ग्रामीण लामबंद होकर राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। वहीं खनन में शामिल कुछ लोग हथियारबंद होने से कानून व्यवस्था बिगडने की सम्भावना है। ऐसे में उन्होंने इस पर रोक लगाने की मांग की है।

उपप्रधान रामकेश मीणा, राजेश गुर्जर नयागांव, सुरेन्द्र मीणा, सूरतराम मीणा ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
दूरभाष संख्या-0141-4901853

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-9/L/525 मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल 67.500 वर्गगज का आवंटन श्री वासू देव आसुदानी पुत्र श्री दीपचन्द आसूदानी को किया गया था। जिसका आवंटन कम कब्जा पत्र क्रमांक 1235 दिनांक 30.06.2009 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 29.07.2009 को प्राप्त कर लिया गया। श्री वासुदेव आसुदानी की मृत्यु दिनांक 04.03.2019 को हो जाने के कारण श्रीमती पूजा आसुदानी पत्नी स्व. श्री वासुदेव आसुदानी के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती पूजा आसुदानी पत्नी स्व. श्री वासुदेव आसुदानी के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

गुरु नानक देव की जयंती मनाई

देवली, (निसं)। यहां गुरुद्वारा सिंह सभा में गुरु की साध संगत ने श्री गुरु नानक देव जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के जयघोष से शहर गुंजायमान भक्तिमय बना रहा। श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के उपलक्ष में कई कार्यक्रम आयोजित हुए। गुरुद्वारा प्रधान परमजीत सिंह ने बताया कि इस अवसर पर शहर में नगर कीर्तन यात्रा निकाली गई जो शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई शाम 7 बजे गुरुद्वारा परिसर पहुंची और कार्यक्रम रात 12 बजे तक चलता रहा। इस बीच शहर वासियों ने नगर कीर्तन यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया । इस मौके पर गुरुद्वारा कमेटी ने बताया कि गुरु नानक देव जी की जयंती के उपलक्ष में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताएं भी कराई गई। जिसमें महिला पुरुष एवं बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

चिकित्सा मंत्री ने विकास कार्यों का उद्घाटन किया

लालसोट/मंडावरी, (निसं)। स्थानीय विधायक एवं प्रदेश सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा ने दो दिवसीय दौरे के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर विकास कार्यों आदि का उद्घाटन किया गया।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय लालसोट के छात्र संघ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। छात्र संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि छात्र जीवन में प्रत्येक छात्र को अच्छी शिक्षा ग्रहण करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए। इसके बाद मंत्री मीणा दौरा मेगा हाईवे स्टेट हाईवे 24 से जमात लालसोट तक सड़क सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वहीं मंत्री मीणा ने रीको एरिया से ज्योतिबा फूले सर्किल लालसोट तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य का शिलान्यास करने के साथ बगड़ी महारिया खुर्रा मंडावरी तक सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा राज्य सरकार द्वारा दी जा रही मुफ्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इन कार्यक्रमों को प्रधान एडवोकेट नाथू लाल मीणा, नगर पालिका लालसोट के चेयरमैन रक्षा मिश्र, प्रदेश स्वायत शासन संस्था के उपाध्यक्ष व पीसीसी सदस्य पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र आदि द्वारा भी संबोधित किया गया।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

चांदोली में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम चांदोली में बीसीएमएचओ डॉ. हरि यादव के नेतृत्व में बुधवार को मेरा स्वास्थ्य मेरी जिम्मेदारी थीम पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर सभी परिवारों को योजना से जोडना है, ताकि सभी परिवारों को 10 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल सकें।

राज्य के वे परिवार जो निःशुल्क पात्र परिवारों की श्रेणी में नहीं आते एवं सरकारी कर्मचारी पेंशनर नहीं है तथा मेडिकल अटेंडेंस रूल के तहत लाभ नहीं ले रहे है वे निर्धारित प्रीमियम का 50 प्रतिशत अर्थात 850 रूपये प्रति परिवार प्रति वर्ष का भुगतान कर योजना का लाभ ले सकते हैं। वहीं शिविर में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना के तहत 48 महिला, 39 पुरूष एवं 16 बच्चों समेत कुल 103 मरीजों को लाभान्वित किया गया।

उद्योग मंत्री ने अधिकारियों की बैठक ली

- लापरवाही बरतने वालों को लगाई फटकार

नारायणपुर, (निसं)। उधोग मंत्री शकुंतला रावत ने बुधवार को ग्राम पंचायत मिनिसचिवालय में ब्लॉक स्तरीय अधिकारीयों की बैठक ली। बैठक में सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

इस दौरान उधोग मंत्री ने बास बैरिसाल, मंडी पीछे, तलुंडी, खोड मोहल्लों में पेयजल समस्या और जल जीवन मिशन योजना में पाइप लाइन डालने में लापरवाही बरतने को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को फटकार लगाई। मंत्री ने सरकारी स्कूल, श्मशान भूमि के तुरंत प्रभाव से अधिकारियों को पट्टा जारी करने के निर्देश दिए।

कस्बा स्थित धाबाई की ढाणी, हरिसिंह की जोहड़ की स्कूल के लिए भूमि आवंटन के निर्देश दिए। मंत्री ने तहसीलदार ओमप्रकाश लखेरा को सार्वजनिक रास्तों पर हो रहे अतिक्रमण को तुरंत प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं।

जनसुनवाई के दौरान उधोग मंत्री ने आमजन की समस्याओं को सुना और उनका मौके पर निपटारा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए गए । वहीं सरकारी अस्पताल में कुछ दिन पहले ध्वस्त किये गये जीर्ण-शीर्ण बिल्डिंग के कचरे को उठाने के लिए विधायक कोटे से 50 हजार रूपये की स्वीकृति दी। इस मौके पर एसडीएम सुनीता मीणा, तहसीलदार ओमप्रकाश लखेरा, नायब तहसीलदार शिवानी शर्मा, थानाधिकारी शिवशंकर चतुर्वेदी, जलदाय एईएन युवराज सैनी, पशु चिकित्सक रमेश वर्मा, वीडीओ बंशीधर गुर्जर, एसीबीओ इन्द्राज गिराटी, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सुरेश मीणा, संसार चन्द, सरपंच प्रतिनिधि भवानीशंकर सैनी, डेलीगेट प्रतिनिधि हीरालाल धाबाई सहित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे ।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 37/2022
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री अजीत जैन पुत्र श्री फूलचन्द जैन, निवासी 19, शांतिकुंज, अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर शांति कुंज, 73, शांति कुंज, अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 01.11.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 09.01.2023

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

AIR -1 सुचिता पारीक Careerwill की स्टूडेंट बनी
Assistant Section Officer (MEA) SSC CGL 2022
23 साल की सुचिता पारीक ने SSC CGL में किया Ist रैंक हासिल ।

SSC CGL का एग्जाम क्लियर करने के लिए काफी मेहनत करनी होती है । आज हम बात कर रहे हैं सुचिता पारीक की जिन्होंने मात्र 23 साल की उम्र में अपनी दृढ निष्ठा व परिश्रम के साथ दिन रात एक करके मेहनत की और Ist रैंक हासिल कर का SSC CGL एग्जाम पास किया । सुचिता ने कोविड के साथ Careerwill App के साथ ही तैयारी की सुचिता ने बताया की उन्होंने इंग्लिश, जनरल स्टडीज, रीजनिंग खुद से ही तैयार की है और गणित कैरियर विल एप के कोर्स से किया है । और सबसे बड़ी बात ये है कि उन्होंने अपनी तैयारी तब तक जारी रखी जब तक उन्हें सफलता नहीं मिली और आज अपनी दोनों छोटी बहनो व लाखो अन्य विधार्थियों को गोरवंकित कर अपने माता पिता का सम्मान बढाया है ।

खोया पाया

मेरे आवास संख्या 3-छ-13 जवाहर नगर जयपुर के सभी मूल कागजात कहीं खो गए है यदि किसी को मिले तो निम्न नंबर पर सूचित करें। मो. 9828010796

नाम परिवर्तन

मैंने विवाह के पश्चात अपना नाम शालिनी सिंगल (Shalini Singal) से बदलकर शालिनी गुप्ता (Shalini Gupta) रख लिया है। भविष्यि में मुझे मेरे नये नाम शालिनी गुप्ता (Shalini Gupta) पत्नी श्री दिनेश गुप्ता के नाम से जाना जावें। निवासी डी-002, ज्वैल ऑफ इण्डिया, Opp. राजस्थान हॉस्पिटल, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

दो महीने से रुका पड़ा है सी.सी. रोड निर्माण, हादसों को दे रहा बुलावा

- आमजन को हो रही है आवागमन में परेशानी

पावटा, (निसं)। लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके इस उद्देश्य से सड़कों का निर्माण किया जाता है, लेकिन यहां सीसी मार्ग कॉलोनियों वासियों सहित ग्रामीणों के जी का जंजाल बना हुआ है। इसका मुख्य कारण सीसी मार्ग का पूर्ण न हो पाना है।

पावटा कस्बे में स्थित राजस्थान स्कूल के पास कॉलोनी में जाने वाली मुख्य मार्ग पर सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन कार्य पूरा होने से पहले ही निर्माण कार्य अपूर्ण कर छोड़ दिया गया है। इससे ग्रामीण सहित इस मार्ग से आवागमन करने कॉलोनियों वासियों सहित ग्रामीणों व वाहन चालकों की मुसीबत बढ़ गई है।

लोगों का कहना है कि कॉलोनी में पानी के निकास की कोई व्यवस्था नहीं है। कई बार कॉलोनीवासियों ने नगरपालिका प्रशासन व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत करवाया। लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। कॉलोनीवासियों ने बताया कि कॉलोनी में स्कूल होने के कारण बड़ी संख्या में बच्चों का इधर से आना जाना रहता है।

कई बार बच्चे पानी में गिरकर चोटिल हो चुके है। बावजूद इसके नगरपालिका प्रशासन व जनप्रतिनिधियों का इस ओर कोई ध्यान नही जाता। कालोनिवासियो का कहना है कि नगरपालिका प्रशासन द्वारा कुछ दिन पूर्व कॉलोनी में सडक बनाने कार्य प्रारम्भ किया गया। निर्माण कार्य को बीच में ही रोक दिया गया है। वहीं चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी दो महीने से लगातार कह रहे हैं कि रास्ते के निर्माण कार्य के वर्क आर्डर जारी कर दिए गए हैं और कॉलोनी के निवासी दो महीने से बीच में अधर झूल पडे कार्य के पूर्ण होने की प्रतिक्षा में है।

पावटा में राजस्थान स्कूल के पास कॉलोनी में जाने वाली सीसी रोड का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर - 313001 (राजस्थान)
फोन नं. : 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673, ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com

मांग सूचना-सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अन्तर्गत

निम्नांकित ऋणियों एवं जमानतदारों को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि उन्होने बैंक से लिए गए ऋण की किश्तों एवं उसके ब्याज का समय पर भुगतान नहीं किया अतः उनका खाता एन.पी.ए. में वर्गीकृत हो गया हैं। बैंक द्वारा सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उनको बैंक रिकॉर्ड के अनुसार उनके अन्तिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किए गए थे जो कि उनके द्वारा प्राप्त नहीं किए जाने के फलस्वरूप पुनः लौटकर आ गए हैं। अतः उनको इस सामान्य नोटिस के द्वारा उक्त अधिनियम के तहत इस बारे में सूचित किया जाता है:

ऋणियों एवं जमानतदारों का नाम एवं पता	प्रतिभूत आस्तियों/बंधक सम्पत्तियों का विवरण	नोटिस 13(2) की दिनांक	बकाया राशि (नोटिस 13(2) के अनुसार)
मैसर्स वी भादू इंफ्राबिल्ड प्राईवेट लिमिटेड जिसे पहले मैसर्स लेकसिटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था 316, तीसरी मंजिल, ए-ब्लॉक, आनंद प्लाजा, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर, राजस्थान-313001 **निदेशक एवं जमानतदार- श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू एवं श्रीमती निर्मल भादू पत्नी श्री विरेन्द्र भादू** प्लॉट नं. 20-53, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान - 302020	**प्राथमिक प्रतिभूति-** (1) स्टोक एवं बुक डेब्ट्स (वर्तमान एवं भविष्य) का दृष्टिबंधक । (2) प्लांट एवं मशीनरी, कार्यालय उपकरण वर्तमान और भविष्य एवं कंपनी की अन्य अचल सम्पत्तियां (वर्तमान एवं भविष्य) का दृष्टिबंधक। अन्य द्वारा वित्तपोषित वाहनों/उपकरणो को छोड़कर। **संपार्श्विक प्रतिभूति-** (1) श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक प्लॉट नं. 1, खसरा नं. 1943 से 1945, मनवा खेड़ा, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 16425 वर्ग फीट है। **सीमाएं-**पूर्वः प्लॉट नं. 2, पश्चिमः अन्य भूमि, उत्तरः अन्य भूमि, दक्षिणः प्रस्तावित रोड 40 फिट (2) श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक प्लॉट नं. 2, खसरा नं. 1943 से 1945, मनवा खेड़ा, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 23860 वर्ग फीट है। **सीमाएं-**पूर्वः रोड 40 फीट, पश्चिमः प्लॉट नं. 1, उत्तरः अन्य भूमि, दक्षिणः प्रस्तावित रोड 40 फिट (3) श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक दुकान नं. 17, रोडवेज वर्कशॉप के सामने जो सेक्टर नं. 11, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग फीट है। **सीमाएं-**पूर्वः रोड, पश्चिमः दुकान नं. 1, उत्तरः दुकान नं. 16, दक्षिणः दुकान नं. 18 (4) श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक दुकान नं. 18, भूतल, रोडवेज वर्कशॉप के सामने जो सेक्टर नं. 11, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग फीट है। **सीमाएं-**पूर्वः रोड, पश्चिमः दुकान नं. 1, उत्तरः दुकान नं. 17, दक्षिणः दुकान नं. 19	01.11.2022 **गैर निष्पादक आस्ति (एनपीए) दिनांक** 31.10.2022	दिनांक 31.10.2022 को बकाया राशि रू. 6,01,38,274.35 (रूपये छह करोड़ एक लाख अड़तीस हजार दो सौ चौहत्तर एवं पैसे पैंतीस मात्र) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे आदि।

इस नोटिस के द्वारा उक्त ऋणियों/जमानतदारों के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही करते हुए उक्त उधारकर्ताओं/जमानतदारों को उक्त बकाया राशि इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिवस के भीतर पुनर्भुगतान हेतु आगाह किया जाता है, अन्यथा साठ (60) दिवस की समाप्ति के पश्चात सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत वसूली कार्यवाही की जाएगी। ऋणियों/जमानतदारों को यह भी सलाह दी जाती हैं कि वे बैंक के अधोहस्ताक्षरकर्ता/प्राधिकृत अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस पर 13(2) के अन्तर्गत जारी नोटिस की मूल प्रति प्राप्त कर लेवें।

कर्जदारों/जमानतदारों का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

हस्ता.
दिनांकः 09.11.2022, स्थानः उदयपुर प्राधिकृत अधिकारी

पुणे में 20,000 वर्ग में फैली यह भव्य इमारत पेशवा शैली के स्थापत्य का अनुपम उदाहरण है। इस शानदार इमारत का सबसे अद्भुत भाग है इसकी बालकनी। इस इमारत को विश्रामबाग वाड़ा कहते हैं और पेशवा वंश के आखिरी पेशवा बाजीराव द्वितीय यहां रहते थे। हालांकि पेशवा शनिवार वाड़ा में रहते थे लेकिन बाजीराव द्वितीय ने निवास के लिए विश्रामबाग वाड़ा को चुना और 11 साल तक यहां रहे। यह इमारत 1810 में बनी थी। बाद के वर्षों में यह कई कार्यों के लिए प्रयुक्त हुई। ब्रिटिश काल में यहां संस्कृत शिक्षा केन्द्र चलता था। सन् 1930 से 1960 तक इस इमारत में पुणे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन का ऑफिस था। आज यहां पोस्ट ऑफिस व कई सरकारी कार्यालय हैं। चूंकि यह तीन मंजिला इमारत है इसलिए इसे तीन चौकी वाड़ा भी कहते हैं। यहां के नक्काशी दार स्तम्भ सागवान की लकड़ी के हैं। इमारत में बड़े -बड़े चौक हैं जहां से भवन का ढांचा और स्थापत्य देखा जा सकता है। परिसर के अंदर कांच के शोकेस हैं, जिनमें पुणे की जानी मानी इमारतों, जैसे युनिवर्सिटी बिल्डिंग, महात्मा फुले मंडाई, तुलसी बाग राम मंदिर, ओहैल डेविड सिनगॉग, पुणे के आर्काइव विभाग की बिल्डिंग आदि की प्रतिकृतियां रखी हैं। यह विशाल इमारत पुणे के समृद्ध इतिहास की झलक देती है। वर्ष 1811 में पेशवा बाजीराव द्वितीय ने यह बिल्डिंग बनवाई थी। विशाल प्रवेश द्वार पर सागवान की लकड़ी के नक्काशीदार खम्भे हैं जो आज भी बेहद मजबूत हैं। सायप्रस वृक्षों के आकार के स्तम्भ, अलंकृत छतें, पत्थर का फर्श और प्रवेश द्वार के दोनों तरफ बनी सागवान लकड़ी की गैलरी, देखने वाले को बाजीराव के दौर में ले जाती है। पहली मंजिल पर विशाल दरबार हॉल है जिसकी छत पर बहुत सुंदर नक्काशी है, यहां बड़े-बड़े झाड़फानूस तथा सागवान की लकड़ी के स्तम्भ हैं। इमारत की सुंदर बालकॉनी पर अब किसी को जाने की अनुमति नहीं है, पर सुनते हैं कि यहां बाजीराव के संगीतकार अपनी कला का प्रदर्शन किया करते थे।

गुजरात में पूर्व मु.मंत्री विजय रूपाणी व उनके पांच वरिष्ठ सहयोगी चुनाव नहीं लड़ेंगे

रूपाणी के अलावा पूर्व उप मु.मंत्री. नितिन पटेल, भूपेन्द्र सिंह चुड़ासमा, सौरभ पटेल और प्रदीप सिंह जड़ेजा ने भी चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की

- **विजय रूपाणी ने कहा, मैंने सभी के सहयोग से पांच साल मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। इन चुनावों में नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाए। मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, मैंने वरिष्ठ नेताओं को पत्र भेजकर दिल्ली को अवगत करा दिया है।**
- **भूपेन्द्र सिंह चुड़ासमा ने कहा, मैं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा और पार्टी के वरिष्ठ नेता को बता दिया है। मैंने तय किया है कि, अन्य कार्यकर्ताओं को अवसर मिलना चाहिए। मैं अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुका हूँ।**

अहमदाबाद, 9 नवम्बर। गुजरात चुनाव से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। वहीं, नितिन पटेल ने गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि वे भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते। इसके अतिरिक्त रुपाणी के करबी चार अन्य मंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने भी चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि मैंने सभी के सहयोग से पांच साल मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। इन चुनावों में नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाए। मैं चुनाव नहीं लडूंगा, मैंने वरिष्ठों को पत्र भेजकर दिल्ली को अवगत करा दिया है। हम चुने हुए उम्मीदवार को जिताने के लिए काम करेंगे। नितिन भाई पटेल ने कहा कि इस बार नए कार्यकर्ताओं को मौका देने के लिए मैं और विजय रुपाणी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

इन दोनों के अलावा कुछ अन्य भी नाम सामने आए हैं जिन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। जैसे विजय रुपाणी सरकार के मंत्री मंडल में शिक्षा और राजस्व मंत्री रहे भुपेन्द्र सिंह चुडासमा चुनाव नहीं लड़ेंगे। खबरों की मानें तो विजय रुपाणी, नितिन पटेल और भूपेंद्र चुडासमा विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ ही विजय रूपानी सरकार में मंत्री रहे सौरभ पटेल और प्रदीपसिंह जडेजा के भी चुनाव लड़ने की संभावना कम है।

भूपेन्द्र सिंह चुडासमा ने कहा कि मैं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा और पार्टी के वरिष्ठ नेता को बता दिया है। मैंने तय किया है कि अन्य कार्यकर्ताओं को अवसर मिलना चाहिए। मैं अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुका हूं। मैं पार्टी का आभार व्यक्त करता हूं।

वहीं दूसरी ओर भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओ.पी.माथुर बुधवार शाम भाजपा कार्यालय पहुंचे। इसके अलावा गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल भी इस बैठक में शामिल हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया भी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि, इस दौरान हिमाचल प्रदेश और गुजरात चुनावों को लेकर रणनीति पर चर्चा हो सकती है।

गहलोत इतने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में थे, तो वे शिमला ही पहुँच गये।

उन्होंने सोनिया गांधी से समय लेने तथा उनके साथ खड़गे से मिलने की भी कोशिश की लेकिन उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली।

जब से दिल्ली की हवा ज्यादा प्रदूषित हुई है तथा उससे सोनिया गांधी को साँस लेने में परेशानी महसूस हुई है, वे मशोबरा-स्थिति प्रियंका गांधी के निवास में ही रुकी हुई हैं।

प्रियंका गांधी इस समय हिमाचल प्रदेश में प्रचार कर रही हैं क्योंकि राहुल, अपनी भारत जोड़ो यात्रा में लगे होने के कारण, वहाँ प्रचार के लिये नहीं जा सके हैं।

गहलोत ने 11 बार विधायक रहे आदिवासी नेता रथवा के साथ मीटिंग की, लेकिन फिर भी उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ ही दी।

जाहिर है, गहलोत उन्हें पार्टी में बने रहने के लिये राजी नहीं कर सके।

यह अशोक गहलोत के कार्यक्रम का एक नमूना मात्र है, जो यह संकेत देता है कि वे गुजरात विधानसभा चुनावों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं तथा वे इनका उपयोग मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कुछ समय और टिके रहने के लिये कर रहे हैं।

शिवसेना नेता संजय राउत सौ दिन बाद जेल से रिहा हुये

मनी लॉण्डरिंग के मामले में स्थानीय विशेष अदालत और मुंबई हाई कोर्ट दोनों ने संजय राउत की जमानत मंजूर की

- **राउत को बुधवार करीब 7 बजे मुंबई की आर्थर रोड जेल से रिहा किया गया। शिवसेना नेताओं ने कहा है कि, जेल से निकलने के बाद राउत को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।**

मुंबई, 9 नवम्बर (वार्ता)। मुंबई में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े मनी लॉण्डरिंग मामले में बुधवार को एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत को जमानत दे दी। इसके अलावा मुंबई हाई कोर्ट से भी संजय राउत की जमानत मंजूर हो गई। जमानत मिलने के बाद राउत को आर्थर रोड जेल से रिहा कर दिया गया। राउत को शाम करीब 7 बजे जेल से रिहा किया गया। जेल से निकलने के बाद राउत को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।

सांसद संजय राउत एक सौ दिनों तक जेल में रहे और आर्थर रोड जेल में ही दशहरा और दिवाली मनाई।

विशेष पीएमएलए अदालत के न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने दो नवम्बर को बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें पूरी होने के बाद अपना आदेश सुनाया। न्यायाधीश ने उसी मामले के सह-आरोपी प्रवीण राउत को भी जमानत दी और दोनों को दो-दो लाख रुपये की जमानत देने के लिए निर्देश दिया। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगाने के अनुरोध को भी ठुकरा दिया ताकि ईडी फैसले के खिलाफ अपील दायर कर सके। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने ईडी की याचिका पर बहस करते हुए प्रस्तुत किया। कहा हमें आदेश पढ़ने के लिए समय चाहिए, यह एक अनुचित अनुरोध नहीं है। यह अदालत का आदेश है, उसे यह कहने की शक्ति है कि आदेश को बाद की तारीख में प्रभावी किया जाए। अदालत से शुक्रवार तक का समय मांगा। फिलहाल, अदालत ने उनकी इस याचिका को खारिज कर दिया है।

राउत को इस मामले में 31 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया गया था।

नोटबंदी पर जवाब पेश नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट केन्द्र सरकार से बेहद नाराज हुआ

- **केन्द्र सरकार जवाब पेश करने के लिए, सुप्रीम कोर्ट से अभी और समय देने की मांग कर रही थी**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केन्द्र सरकार को अगले एक हफ्ते की मोहलत दी है और सरकार से जल्द से जल्द जवाब पेश करने के लिए कहा है।**
- **सुप्रीम कोर्ट नोटबंदी की वैधानिकता को चुनौती देने वाली करीब 50 से अधिक याचिकाओं की एक साथ सुनवाई कर रहा है। इस मामले में पिछली सुनवाई गत 12 अक्टूबर को हुई थी।**

नई दिल्ली, 9 नवम्बर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 की नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विस्तृत हलफनामा दायर करने के निर्देश पर केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) के अमल नहीं करने और एक बार फिर अतिरिक्त समय की मांग करने पर बुधवार को उनके प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की।

न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति बी.आर.गवई, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना, न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरथ्ना की संविधान बैंच ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि के अनुरोध पर मामले को फिलहाल स्थगित कर दिया, लेकिन एक सप्ताह के भीतर हलफनामा विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया।

अटॉर्नी जनरल ने इस मामले में एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय की मांग करते हुए पिछले निर्देश पर ऐसा नहीं कर पाने के लिए पीठ से माफी मांगी।

बैंच ने इस सुनवाई स्थगन की स्थिति को 'शर्मनाक' बताते हुए केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का फिर निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने स्थगन की अनुमति देने और अगली सुनवाई के लिए 24 नवम्बर की तारीख मुकर्रर करते हुए स्पष्ट कर दिया कि सरकार और आरबीआई को एक सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा जमा करना होगा। न्यायमूर्ति नजीर अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा,आम तौर पर संविधान पीठ इस तरह कभी भी स्थगित नहीं होती है। हम कभी ऐसे नहीं उठते। यह अदालत के लिए भी बहुत शर्मनाक है।

विद्याधर नगर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कॉलोनियां कृषि भूमि पर अवैध तरीके से सहकारी समितियों द्वारा काटी गई हैं। उन्होंने कहा कि जेडीए अगर जेम्स कॉलोनी का नियमितकरण नहीं करना चाहती तो वह जयपुर में अवैध रुप से बनी सभी कॉलोनियों को ध्वस्त क्यों नहीं कर देती और क्यों इन्हीं अवैध कॉलोनियों का नियमितिकरण करती है।

विमल चौधरी ने हाईकोर्ट में कहा कि वे पहले भी जनहित याचिका दायर कर सरकार को सरकार की ही जमीन दिलवा चुके हैं। मिसाल के तौर पर जयसिंहपुरा, जहां 75 बीघा जमीन अवैध अतिक्रमण हटाकर सरकार को वापस दिलाई। पृथ्वीराज नगर में कई बीघा जमीन लौटाई है और भट्टा बस्ती में से अवैध अतिक्रमण को हटवाया है, परंतु जेडीए सेंट्रल पार्क की जमीन जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी पार्क की जमीन घोषित किया है उस पर पहले तो बिना लैण्ड यूज चेंज किये होटल बनाने की अनुमति दे देती है और फिर उसी जमीन पर म्यूजियम बनाने की अनुमति भी दे देती है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता का मकान जेडीए के अनुसार अतिक्रमण की गई जमीन पर निर्मित हो, परंतु इस जनहित याचिका में उन्होंने अपनी कॉलोनी को नियमितकरण कराने की गुहार हटा दी है। अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि जेडीए अब से हर माह अतिक्रमण हटाने के संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट शपथ पत्र सहित अदालत में पेश करेंगे और अतिक्रमण की शिकायत दर्ज करने के लिये पोर्टल भी बनाएंगे और हैल्पलाइन नम्बर भी जारी करेंगे। अदालत ने यह टिप्पणी भी की कि अगर हर माह रिपोर्ट पेश नहीं की गई तो वे जे.डी.ए. अफसरों को "बुलाएंगे नहीं भेजेंगे।"

'आज़म खान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि "तत्काल डिसक्वालिफिकेशन के लिये लोगों का चयन नहीं किया जा सकता, जबकि कुछ अन्य मामलों में, लोगों को काफी देर से अयोग्य ठहराया गया है। चिदंबरम ने दलील दी थी कि 27 अक्टूबर को एक केस में खान की दोष-सिद्धि होने के बाद, उसके अगले दिन ही राज्य विधान सभा ने उनकी सीट को खाली घोषित कर दिया था चिदंबरम ने कहा, "इतनी तेज कार्यवाही अभूतपूर्व थी।" उन्होंने कहा कि यह कार्यवाही राजनीति प्रेरित थी।

खान को अयोग्य घोषित कर दिये जाने के बाद, राज्य भाजपा, रामपुर विधानसभा सीट तथा मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट दोनों को ही सपा से छीन लेने की रणनीतियों पर काम कर रही थी। सर्वोच्च न्यायालय का आज का फैसला सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक धक्के या आघात के रूप में आया है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश ने चुनाव आयोग द्वारा रामपुर सीट को रिक्त घोषित कर दिये जाने की गम्भीर आलोचना की है। सी.जे.आई. ने कहा, "उन्हें (आज़म खान) को युक्तियुक्त समय दीजिये। इसे (अधिसूचना) को तीन दिन रोकिये। अन्यथा, आप चयनात्मक आधार पर ऐसा कर रहे हैं, जो इस बात पर निर्भर है कि दोषी की राजनैतिक सम्बद्धाा क्या है।"

चुनाव आयोग ने शुरू में तो सर्वोच्च न्यायालय की बैंच के सुझाव पर आपत्ति की थी तथा कहा था कि अगर अपीलीय अदालत सजा पर स्टे दे देती है तो खान उपचुनाव के लिये के लिये अपना पर्चा भर सकते हैं। फैल पैनल की तरफ से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील अरविन्द दातार ने कहा ने कहा कि एक आपराधिक केस में दोष-सिद्ध हो जाने पर डिसक्वालिफिकेशन तो स्वत: सिद्ध ही था तथा इसलिये खान को राहत नही दी जानी चाहिये। किन्तु सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि चुनाव आयोग द्वारा गजट-अधिसूचना जारी किया जाना 72 घंटे टाला जाये, जिससे खान को अपनी सजा पर स्टे प्राप्त करने की कोशिश करने का अवसर मिल सके।

सौम्या केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद में कोर्ट के रुख को देखते हुए मतगणना पर अंतरिम रोक लगाने को कहा, लेकिन कोर्ट ने किसी तरह का अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि सौम्या ने अपने वार्ड के पार्षद पद के उप चुनाव को रोकने के लिए याचिका दायर की है, जबकि चुनाव मेयर पद के लिए होने जा रहे हैं। सौम्या की ओर से कहा गया कि उन्हें मेयर पद से हटाने का आदेश जारी करने में प्रक्रिया का पालना नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 23 सितंबर को राज्य सरकार को दो दिन तक कार्रवाई नहीं करने को कहा था। इसके तीन दिन तक अवकाश था, लेकिन सरकार ने इसके ठीक अगले दिन आदेश जारी कर दिया। याचिकाकर्ता को अपने विधिक अधिकारों का उपयोग करने का समय भी नहीं दिया गया। गौरतलब है कि ग्रेटर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञ मित्र देव सिंह से अभद्रता के मामले में राज्य सरकार ने सौम्या गुर्जर को मेयर पद से बर्खास्त करते हुए उन पर छह साल के लिए चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गडकरी ने पूर्व. प्र.मंत्री मनमोहन सिंह की भूरी-भूरी तारीफ की

गडकरी ने कहा, देश मनमोहन सिंह की नीतियों एवं कार्यों का सदैव ऋणी रहेगा

- **केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आर्थिक सुधारों ने देश को एक नई दिशा देने का काम किया।**

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आर्थिक सुधारों के जरिए देश को नई दिशा देने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की मंगलवार को प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके लिए देश उनका ऋणी है। गडकरी ने यहां आयोजित टीआईओएल पुरस्कार 2022 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 1991 में तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों ने भारत को एक नई दिशा दिखाने का काम किया।

उन्होंने पोर्टल टैक्सइंडिया ऑनलाइन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में कहा, उदार अर्थव्यवस्था के कारण देश को नई दिशा मिली। उसके लिए देश मनमोहन सिंह का ऋणी है। गडकरी ने मनमोहन की नीतियों से नब्बे के दशक में महाराष्ट्र की सड़कों के लिए पैसे जुटाने में मिली मदद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की तरफ से शुरू किए गए आर्थिक सुधारों की वजह से वह महाराष्ट्र का मंत्री रहने के दौरान इन सड़क परियोजनाओं के लिए धन जुटा पाए थे।

गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को एक उदार आर्थिक नीति की जरूरत है जिसमें गरीबों को भी लाभ पहुंचाने की मंशा हो। उन्होंने कहा कि उदार आर्थिक नीति किसानों एवं गरीबों के लिए है। उन्होंने उदार आर्थिक नीति के माध्यम से देश का विकास करने में चीन को एक अच्छा उदाहरण बताया।

गडकरी ने भारत के संदर्भ में कहा कि आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए देश को अधिक पूंजीगत निवेश की जरूरत होगी।

नीरव मोदी की याचिका लंदन हाई कोर्ट से खारिज हुई

नई दिल्ली, 9 नवम्बर। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने के रास्ता साफ हो गया है। ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने उसकी अर्जी खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि नीरव मोदी का प्रत्यर्पण गलत नहीं होगा। बता दें कि विशेष पीएमएलए कोर्ट द्वारा दिसंबर 2019 में भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के अनुसार नीरव मोदी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। इस वक्त वह लंदन की जेल में बंद है। भारत लंबे वक्त से नीरव मोदी का प्रत्यर्पण चाहता है लेकिन ब्रिटेन में शरण लिए बैठा नीरव मोदी उस एक्शन से बचने के लिए लगातार अलग-अलग तर्क दे रहा है। ब्रिटेन हाई कोर्ट में नीरव के वकील बता रहे हैं कि वो डिप्रेशन का शिकार है और भारत के जेल में जैसी स्थिति है, वहां पर वो सुसाइड भी कर सकता है। इसी तर्क के आधार पर अब तक उसके प्रत्यर्पण का विरोध किया जा रहा था।

खनन क्षेत्रों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि प्रथम चरण में 11 नवम्बर से तहसील पहाड़ी के निकट ग्राम नांगल के खसरा संख्या 162 (नया खसरा सं. 211) में ड्रोन सर्वे की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनिधि बीटी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन सुरेश कुमार यादव, खनिज अभियंता आर.एन. मंगल, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सतीश कुमार, भूरा बाबा, शिवदास बाबा, मुकेश कुमार, नगर, कामां, पहाडी, सीकरी के उपखण्ड अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी सहित क्रशर संघ के पदाधिकारी एवं साधु समाज के प्रतिनिधि मौजूद थे।

दक्षिण भारत में राज्यपालों के खिलाफ विद्रोह उफान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **राज्यपालों पर केन्द्रीय सरकार की कठपूतली होने का तीनों दक्षिण भारतीय राज्यों की सरकारें आरोप लगा रही हैं, लेकिन राज्यपालों को हटवाने की उनकी मांग पूरी होती नहीं दिख रही।**

तेलंगाना में विश्वविद्यालयों में हुई भर्ती को लेकर मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की टी.आर.एस. की भी कड़ी आलोचना के पात्र बनी हुई हैं।

द्रमुक के मुख पत्र "मुरासोली" ने आज राज्यपाल सौंदरराजन की टिप्पणी का जवाब दिया कि पार्टी का शीर्ष राजनैतिक परिवार तेलुगू मूल का है।

पत्र ने कहा है, "तेलंगाना की राज्यपाल को तमिलनाडु में राजनीति नहीं करनी चाहिये। यह उनका काम नहीं है। (पहले) वे इस्तीफा दें तथा (उसके बाद) तमिलनाडु में राजनीति करें।" पत्र ने आगे कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि पहले ही "सीमाएं पार कर रहे हैं तथा गड़बड़ एवं उलझन पैदा करने वाली टिप्पणियाँ कर रहे हैं।"

"मुरासोली" आगे कहता है कि तमिलिसाई सुन्दरराजन को राजनैतिक एवं कानूनी मानकों के अंदर तथा राज्यों के सम्मान एवं गरिमा के अनुकूल काम करना चाहिये।

इस महीने के शुरु में द्रमुक ने "सभी समान विचारधारा वाले सांसदों को" पत्र लिखकर उनसे राज्यपाल आर.एन. रवि को हटाये जाने की माँग का समर्थन करने का अनुरोध किया था क्योंकि वे "संविधान के खिलाफ काम कर रहे हैं।" पार्टी ने कहा था कि उनके काम और टिप्पणियाँ दर्शाती हैं कि वे इस पद के लिये "अनुपयुक्त" हैं। "मुरासोली" ने "समान विचारधारा वाले सांसदों से संबंधित ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु में 20 विधेयक राज्यपाल की स्वीकृति/सहमति की प्रतीक्षा में हैं। अप्रैल में द्रमुक नेताओं ने आर.एन. रवि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुये कहा था कि वे नीट (एन.ई.ई.टी.) "एग्ज़ेम्प्शन बिल" को राष्ट्रपति के पास नहीं भेज रहे हैं, जबकि राज्य विधानसभा इसे दो बार पारित कर चुकी है।

तेलंगाना में भी वहां की राज्यपाल सौंदरराजन की भी राज्य सरकार से अनबन चल रही है। उन्होंने राज्य की शिक्षा मंत्री सबिता इन्द्रा रेड्डी को तलब किया है ताकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुरूप, राज्य के सभी 15 विश्वविद्यालयों के लिये साझा भर्ती बोर्ड (कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड) के गठन के विषय में चर्चा की जा सके।

सौंदरराजन ने पूछा कि पिछले तीन वर्षों में कई रिमाइंडर देने के बावजूद रिक्तियां क्यों नहीं भरी गई।

टी.आर.एस. के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने राज्यपाल को एक विधेयक भेजा था। यह उनके पास लम्बित उन आठ विधेयकों में से उनके अनुमोदन के लिए था जिसमें मैडिकल यूनिवर्सिटी को छोड़कर टीचिंग और नॉन टीचिंग पदों पर सीधी भर्ती की मांग की गई थी। इस पर हस्ताक्षर करने से उनके इन्कार ने तेलंगाना विश्वविद्यालय के छात्रों तक को क्रोधित कर दिया था जिन्होंने उन्हें केन्द्र सरकार की कठपुतली बताते हुए इसके विरोध में बुधवार को राज भवन तक जुलूस निकालने की चेतावनी दी।

राज्यपाल सौंदरराजन ने राज्य सरकार पर शिष्टाचार के प्रोटोकॉल का अनुसरण ना करने का भी आरोप लगाया हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर जनता को सम्बोधित करने नहीं दिया गया। उन्हें राज्य विधानसभा के एक संयुक्त सत्र को भी संबोधित करने से वंचित रखा गया।

इसके विरोध में राज्य सरकार का आरोप यह है कि राज्यपाल ने एक कैबिनेट प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था। इस प्रस्ताव में टी.आर.एस. नेता कौशिक रेड्डी को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद का सदस्य बनाने की बात थी।

केरल में आरिफ मोहम्मद खान जब से राज्य के राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं, वह सभी से सी.पी.एम. (माकपा) नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार को आड़े हाथ लेते रहे हैं। उनका राज्य सरकार के साथ कठोर वाकयुद्ध चल रहा है। उन्होंने एर्नाकुलम गैस्ट हाउस में हुई एक प्रैस ब्रीफिंग में शीर्ष मलयालम टी.वी. चैनल्स के दो पत्रकारों को निष्कासित करके पत्रकारों का भी गुस्सा मोल ले लिया है।

राज्यपाल खान ने दोनों पत्रकारों और उनके चैनल्स पर पिनाराई विजयन सरकार का पक्षपाती होने का आरोप लगाया था। राज्य के पत्रकार संगठन ने इस "अलोक तांत्रिक व्यवहार" के लिए यह कहते हुए उनकी भर्त्सना की कि यह पहली बार नहीं है कि उन्होंने पत्रकारों को प्रतिबंधित किया है। पिछले माह उन्होंने कुछ पत्रकारों और "कॉडर मीडिया" के समाचार संस्थानों के लोगों को बुलाया था और यह आदेश दिया था कि जिस प्रैस कॉन्फैंस को वह संबोधित करेंगे उसमें आने की इन्हें अनुमति ना दी जाए।

पत्रकारों ने आज केरल श्रम जी वी पत्रकार संगठन के बैनर तले विरोध स्वरूप राज्यपाल भवन तक जुलूस निकाला।

सोमवार को खान ने राज्य सरकार को चुनौती दी कि वह उनके ऑफिस में घुसने या सड़क पर उन पर हमला करके बताए। वह सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सवादी) की उस घोषणा पर अपनी प्रतिक्रिया के रहे थे कि 15 नवम्बर को राज भवन के समक्ष एक भारी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पार्टी का आरोप है कि राज्यपाल मुख्य विधायी कार्यों में विलम्ब करते रहे हैं।

गत 26 अक्टूबर को वाम पार्टी ने उनके एक आदेश के विरोध में प्रदर्शन किया था। इस आदेश में विश्वविद्यालय के कुलपति से इस्तीफा देने को कहा गया था क्योंकि राज्यपाल इसे कुलीन तंत्र का एक सिस्टम मानते हैं।

माकपा ने मांग की है कि राज्यपाल का पद समाप्त कर दिया जाए। पार्टी की योजना राज्यपाल से संबंधित प्रावधानों पर विचार-विमर्श करने को लेकर विभिन्न पार्टियों की दिल्ली में एक मीटिंग आयोजित करने की है।

कैबिनेट अप्रूवल के बाद भेजे गए विधेयकों को राज्यपाल द्वारा अनुमोदित नहीं किए जाने के कारण पार्टी सुप्रीम कोर्ट जाने पर भी विचार कर रही है।

उसक तर्क है कि राज्यपाल कैबिनेट या विधान मंडल द्वारा लिए गए किसी निर्णय पर किसी अपील प्राधिकारी की भांति कार्य नहीं कर सकते।

संवैधानिक स्थिति यह है कि राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल नियुक्त किए जा सकते हैं या हटाए जा सकते हैं। यदि राज्य मंत्रीमण्डल द्वारा कोई विधेयक स्वीकृति के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाता है तो वह उसे वापस भेज सकते हैं और यदि मंत्रिमण्डल उस विधेयक को पुन: उनके पास भेजता है तो राज्यपाल उसे वापस नहीं भेज सकते।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

जल्दी करें या मौक़ा गँवाएँ*

सीमित अवधि ऑफ़र्स, सिर्फ़ आपके लिए।

बड़ी बचत **S-PRESSO ₹46 000*** **WAGONR ₹46 000*** **ALTO ₹46 000***

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

S-PRESSO WAGONR ALTO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT. LTD: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: CALL: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: CALL: 4411111, 9785023000. **AURIC MOTORS PVT LTD.:** MANSAROVAR: CALL: 8929207471. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: CALL: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: CALL: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: CALL: 4074444, 9549650361. BANIPARK: CALL: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: CALL: 2523400, 8302890000. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** TONK ROAD: CALL: 2793924/5/6/7, 4110100, 9772210902. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **AJMER: RELAN MOTORS:** CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO:** CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS:** CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS:** CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES:** CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES:** CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS:** CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS:** CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS:** MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS:** CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES:** CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS:** CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY:** CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on S-Presso (Petrol- V & V+ variants only), WagonR (1.2 L Petrol- all variants except AGS) and Alto 800 (Petrol- all variants except STD). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th November 2022 or till stocks last, whichever is earlier.